नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 13

अंक : 10

सोमवार, 10 से 16 अप्रैल 2023

मूल्य : 5 रू प्रति

रू 250 वार्षिक

भ्रष्टाचार में डूबने वाले के लिए भ्रष्टाचार मुद्दा कैसे हो सकता : केजरीवाल 03

अब अदालत की जरूरत ही नहीं, योगी जो है! 08

किशन, सूर्यकुमार ने दिलाई मुंबई को जीत 10

बच्चों को जिम्मेदार भी बनाते हैं पेट्स 11

NCR समाचार

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in

BY C.R.O. TEAM

twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

रिवीलिंग ड्रेस में मौनी रॉय ने दिखाई अदाएं... 12

आतंक का अंत : अतीक, अशरफ की हत्या

प्रयागराज, एजेंसी। माफिया से नेता बने अतीक अहमद और उसके भाई और पूर्व विधायक अशरफ की शनिवार की रात पुलिस हिरासत में नियमित जांच के लिए कॉल्विन अस्पताल ले जाने के दौरान अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि तीन हमलावरों ने नियमित जांच के लिए ले जाते समय अतीक और अशरफ को नजदीक से गोली मारी। अतीक के सिर में गोली मारी गई। यह घटना तब हुई जब उन्हें कोल्विन अस्पताल ले जाया जा रहा था। दोनो की मौके पर ही मौत हो गई। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाने के बावजूद हमलावरों ने कई राउंड फायरिंग की। पुलिस ने दावा किया कि हमलावरों को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया गया। हत्या के बाद हमलावरों ने अपने हथियार फेंक दिए और मौके पर ही आत्मसमर्पण कर दिया। मौके से दोहरे हत्याकांड में प्रयुक्त हथियार बरामद किये गये हैं। हमलावर मीडियाकर्मियों के भेष में आए थे और उनके पास फर्जी आईडी थी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना पर गंभीर रूख अपनाते हुये लखनऊ में पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक बुलायी है। सूत्रों के अनुसार श्री योगी के निर्देश पर 17 पुलिस कर्मियों को निलंबित किया गया है। ये पुलिस कर्मी अतीक की सुरक्षा के लिये तैनात किये गये थे। पूरी घटना की जांच के लिये तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है। कानून व्यवस्था के मद्देनजर पूरे उत्तर प्रदेश में धारा 144 लागू कर दी गयी है।

प्रयागराज के पुलिस कमिश्नर रमित शर्मा ने बताया कि मीडियाकर्मी के रूप में तीन लोग मौके पर पहुंचे और अतीक तथा उसके भाई अशरफ पर ताबडतोड़ गोली चलाकर हत्या कर दी। तीनों हमलावरों को गिरफ्तार कर गहन पूछताछ की जा रही है। इस दौरान एक सिपाही मानसिंह को गोली लग गयी जिससे वह घायल हो गया। उसका उपचार चल रहा है।

लखनऊ एएनआई के एक रिपोर्टर के भी चोट लगी है। उन्हें उपचार के लिए ले जाया गया है।

गौरतलब है कि बहुजन समाज पार्टी (बसपा) विधायक राजू पाल हत्याकांड के मुख्य गवाह उमेश पाल की हत्या के मामले में अतीक और उसके भाई अशरफ को शुक्रवार को चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज गया था। फायरिंग में एक पुलिसकर्मी भी घायल हुआ है, लेकिन अभी इसकी पुष्टि अधिकारियों द्वारा नहीं की गई है।

पिछले गुरुवार को अतीक को अहमदाबाद की साबरमती जेल से और अशरफ को बरेली जेल से वारंट बी के जरिये पुलिस प्रयागराज पेशी के लिये लायी थी। दोनो को उसी दिन चार दिन की पुलिस रिमांड पर भेजने के आदेश अदालत ने दिये थे मगर इसी बीच झांसी के बड़ागांव में एक मुठभेड़ में अतीक का बेटा असद और उमेश पाल हत्याकांड का एक और आरोपी गुलाम पुलिस मुठभेड़ में मारे गये थे।

गौरतलब है कि अतीक पर हत्या, जबरन वसूली और गैंगस्टर एक्ट सहित करीब 100 मामले दर्ज हैं, जबकि अशरफ के खिलाफ करीब 50 मामले लंबित हैं। हाल ही में, वे बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के विधायक राजू पाल हत्याकांड के मुख्य गवाह उमेश पाल की हत्या के आरोपी थे।

प्रयागराज की एक अदालत ने 2006 में उमेश पाल के अपहरण के मामले में अतीक समेत तीन अभियुक्तों को 28 मार्च को उम्रकैद और एक एक लाख जुमार्ने की सजा सुनायी गयी थी। इस मामले में अतीक के भाई अशरफ समेत सात को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया गया।

गौरतलब है कि राजू पाल हत्याकांड के गवाह उमेश पाल की पिछले महीने उनके घर के बाहर दिनदहाड़े हत्या कर दी गयी थी। इस मामले में भी अतीक आरोपियों की फेहरिस्त में शामिल था। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के तत्कालीन विधायक राजू पाल की 25 जनवरी 2005 को हुई हत्या के मामले में उमेश पाल को गवाही नहीं देने के लिए कई बार धमकी दी गयी थी और 28 फरवरी 2006 को उसका अपहरण करा लिया गया था। इसी मामले में अतीक और उसके भाई अशरफ समेत दस आरोपियों को एमपी-एमएलए कोर्ट में पेश किया गया।

यूपी में अपराध की पराकाष्ठाः अखिलेश

माफिया अतीक अहमद और उसके विधायक भाई अशरफ की पुलिस अभिरक्षा के बावजूद हत्या किये जाने पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को कहा कि उत्तर प्रदेश में अपराध की पराकाष्ठा हो गयी है और कुछ लोग जानबूझ कर जनता के बीच भय का वातावरण बना रहे हैं। श्री यादव ने देर रात ट्वीट किया ह्र उप्र में अपराध की पराकाष्ठा हो गयी है और अपराधियों के हौसले बुलंद है। जब पुलिस के सुरक्षा घेरे के बीच सरेआम गोलीबारी करके किसीकी हत्या की जा सकती है तो आम जनता की सुरक्षा का क्या। इससे जनता के बीच भय का वातावरण बन रहा है, ऐसा लगता है कुछ लोग जानबूझकर ऐसा वातावरण बना रहे हैं। गौरतलब है कि अतीक और अशरफ की शनिवार देर रात उस समय तीन हमलावरों ने गोली मार कर हत्या कर दी जब उन्हे नियमित जांच के लिये कॉल्विन अस्पताल ले जाया जा रहा था।

यूपी में चरमरा गई है कानून-व्यवस्था : ममता

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने भी प्रदेश सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने ट्वीट के जरिए प्रदेश में अराजकता बढ़ने पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि यह घटना उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था के पतन को दिखाती है। ममता बनर्जी ने ट्वीट करके कहा कि पुलिस और मीडिया की उपस्थिति में इस तरह के गैरकानूनी कृत्यों का हमारे संवैधानिक लोकतंत्र में कोई स्थान नहीं है। गौरतलब है कि ये घटना शनिवार को प्रयागराज में मेडिकल जांच के लिए दोनों भाइयों को ले जाते समय हुई। जब अतीक अहमद और अशरफ की हुई हत्या उस दौरान वे मीडिया के कैमरों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। पुलिस की मौजूदगी में कुछ लोगों ने उन पर हमला कर दिया। दोनों के हाथ में हथकड़ी बंधी थी अतीक के सिर में गोली मारी उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

अपराधी को सिर्फ न्यायपालिका ही दे सकती है सजा : खडगे-प्रियंका

उत्तर प्रदेश की प्रयागराज में गैंगस्टर अतीक अहमद हत्याकांड से गरमाई सियासत के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खडगे तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि मुजरिम को सख्त सजा देने का काम सिर्फ अदालत का है और यदि कानून व्यवस्था के साथ खिलवाड़ किया जाता है तो इससे अराजकता का माहौल पैदा होगा।

श्री खडगे ने रविवार को यहां जारी बयान में कहा, जो आजादी के लिए लड़े थे। हमारे इसी संविधान और कानून को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। इससे खिलवाड़ करने की अनुमति किसी को नहीं दी जा सकती है। अपराधी की सजा का फैसले का अधिकार न्यायपालिका का है। ये अधिकार किसी सरकार, किसी नेता या कानून का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों को नहीं दिया जा सकता है। गोली-तंत्र और भीड़ तंत्र की वकालत करने वाले केवल संविधान को ध्वस्त करते हैं।

श्री खडगे ने कहा, समाज में किसी को डराने व धमकाने के लिए जो भी हमारी न्याय प्रणाली में राजनैतिक उद्देश्य से दखल अंदाजी करता है,अपराधी के साथ वो भी दंड का भागीदार है। किसी भी मुजरिम को सख़्त से सख़्त सजा मिले, इसके लिए अदालतें हैं। कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करना केवल अराजकता को जन्म देता है।

इससे पहले श्रीमती वाड्रा ने कहा, हमारे देश का कानून संविधान में लिखा गया है, यह कानून सर्वोपरि है और अपराधियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए, मगर देश के कानून के तहत होनी चाहिए।

गिद्ध हैं अतीक की हत्या पर जश्न मनाने वाले लोग : ओवैसी

पुलिस कस्टडी में माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या को लेकर अब उत्तर प्रदेश पुलिस प्रशासन पर भी सवाल उठने लगे हैं। एआईएमआईएम के चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने योगी सरकार पर अपना गुस्सा निकाला है और सवाल पूछे हैं। उन्होंने कहा कि अगर इस हत्या को आतंकवाद का नाम नहीं दिया जाएगा तो क्या हत्यारों को देशभक्त बताया जाएगा, क्या उन्हें माला पहनाया जाएगा? ओवैसी ने कहा, अगर इनका ताल्लुक उत्तर प्रदेश सरकार से नहीं है तो फिर ये कट्टर कैसे हुए। इतना हथियार उनके पास कहां से आया? ये कोई कट्टे नहीं थे? एक साथ गोली मारे जा रहे हैं और कहीं भी वेपन ड्रॉप नहीं होता। उनका हाथ देखिए आप। ये कट्टरपंथी हैं और भाजपा इनको बचाती है और कहती है कि ऐसा नहीं हो रहा है। गोली मारकर धार्मिक नारा क्यों लगाते हैं आप। इनको आतंकवादी नहीं कहेंगे तो क्या देशभक्त कहेंगे। क्या इनको फूलों का माला पहनाएंगे? ओवैसी ने कहा, 'जो लोग टीवी के स्टूडियो में बैठकर जश्न मना रहे थे, तुम लोग गिद्ध हो। खाओं उन लाशों को जो पड़ी हुई हैं वहां पर। आप जश्न मना रहे थे, देखिए अब क्या हो रहा है। आप भूल रहे हैं कि आज भाजपा सत्ता में है कल कोई और होगा। कल भी इंसानियत पर यही नंगा नाच होगा। मनाइए आप जश्न। जश्न मानओ जब लोकतंत्र कामयाब होगा, जब कोर्ट सजा देगा, जब संविधान मजबूत होगा।

सीबीआई ने केजरीवाल से की 9 घंटे पूछताछ, 56 सवाल पूछे

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली के कथित शराब घोटाले में सीबीआई ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से रविवार को करीब नौ घंटे तक पूछताछ की। इस दौरान उइक दफ्तर में क्या-क्या हुआ मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस बारे में जानकारी दी। केजरीवाल ने कहा- मुझसे लगभग 9.5 घंटे तक सीबीआई ने पूछताछ की। मैंने सभी सवालों के जवाब दिए। कथित शराब घोटाले का केस झूठ और घटिया राजनीति पर टिका है। वे (केंद्र सरकार) आम आदमी पार्टी को खत्म करना चाहते हैं लेकिन देश की जनता हमारे साथ है।

केजरीवाल ने कहा- सीबीआई ने मुझे बुलाया था। सीबीआई ने मुझसे साढ़े आठ बजे तक यानी साढ़े नौ घंटे तक पूछताछ की है। मैं सबसे पहले सीबीआई के सभी अधिकारी की शुक्रिया करता हूं। उन्होंने पूरे सौहार्द माहौल में पूरी इज्जत के साथ मुझसे सवाल पूछे। उन्होंने जितने सवाल पूछे उन सबके जवाब मैंने दिए हैं। मैंने सुबह ही कहा था कि हमारे पास छुपाने के लिए कुछ नहीं है। यह पूरी तरह से झूठा केस है। हम कट्टर ईमानदार हैं। हम मर जाएंगे, मिट जाएंगे लेकिन बेईमानी नहीं करेंगे। हम पर जबरदस्ती आरोप लगाए जा रहे हैं।

केजरीवाल ने केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि वे हमारे अच्छे काम नहीं सकते हैं इसलिए हमें बदनाम कर रहे हैं। इनके पास केवल यही तरीका बचा है। सभी ने देख लिया कि जो काम 75 साल में नहीं हुआ हमने 8 साल में कर दिखाया है।

यही कारण है कि हम तेजी से बढ़ रहे हैं। सीबीआई ने नई आबकारी नीति को लेकर सब कुछ पूछ डाला। यह नीति शुरू कहां से हुई... क्यों शुरू की गई? सीबीआई ने 2020 से लेकर 2023 तक 56 सवाल पूछ डाले।

क्या सीबीआई ने उन्हें दोबारा बुलाया है। इस पर केजरीवाल ने कहा- मुझे कोई जानकारी नहीं दी है। मुझे नहीं बताया गया है कि वे दोबारा बुलाएंगे। मेरा यह मानना है कि सबकुछ फर्जी है। उनके पास इतना भी सबूत नहीं है कि वे कह सकें कि आप ने कुछ गलत किया है। आम आदमी पार्टी के लोग आवाज उठा रहे थे। उन्होंने शांतिपूर्वक प्रदर्शन किया। उनको गिरफ्तार किया गया जो गलत है।

पुलवामा हमला: कांग्रेस का सवाल- सीआरपीएफ जवानों को विमान की सुविधा क्यों नहीं दी गई

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि सरकार को बताना चाहिए कि 2019 के पुलवामा हमले की जांच का नतीजा क्या निकला और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों को जाने के लिए विमान की सुविधा क्यों मुहैया नहीं कराई गई थी।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि भाजपा की सरकार 'न्यूनतम शासन, अधितम चुप्पी' पर अमल कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार को जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक द्वारा किए गए खुलासों पर टिप्पणी करनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वह विपक्ष की ओर से उठाए गए सवालों का जवाब दे। कांग्रेस राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषय पर सवाल पूछती रहेगी।

कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा और प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने भी मलिक की टिप्पणी को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। खेड़ा ने कहा, 'एक फिल्म आई थी, जिसने 300 करोड़ कमाए थे, उसका नाम 'कश्मीर फाइल्स' था। मलिक जी ने जिस 300 करोड़ रुपये के घोटाले की बात की है, वो 'कश्मीर फाइल्स- पार्ट-2' है।भाजपा के नेता उस फिल्म पर तो बड़ा बोल रहे थे, इस फिल्म पर कौन मुंह खोलेगा?

सुप्रिया ने सवाल किया, 'सरकार ने सीआरपीएफ के जवानों को विमान क्यों नहीं दिए? खुफिया जानकारी और जैश-ए-मोहम्मद की धमकी को अनदेखा क्योंव किया? आतंकियों को भारी मात्रा में आरडीएक्स कैसे मिला?

वंशवाद, क्षेत्रवाद विकास में बाधक : प्रधानमंत्री

गुवाहाटी, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को वंशवाद और क्षेत्रवाद की नीति पर शुक्रवार को करारा प्रहार करते हुए कहा कि उनकी सरकार कोई भी निर्णय किसी निजी स्वार्थ या वोट बैंक की राजनीति से नहीं बल्कि देश और देशवासियों के हित को ध्यान में रख कर करती है। उन्होंने कहा, जब वंशवाद, क्षेत्रवाद, भ्रष्टाचार और अस्थिरता की राजनीति हावी होने लगे तो विकास असंभव हो जाता है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि उनके नेतृत्व में सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों से महिलाओं को भी बड़ा फायदा हुआ है। श्री मोदी असम के के दौरे पर यहां एक समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर राज्य में 3,400 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। समारोह में असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया, मुख्यमंत्री हिमंत बिश्वशर्मा, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ मनसुख मंडाविया, राज्य मंत्री डॉ. भारती पवार, राज्य सरकार के कई मंत्री और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

श्री मोदी ने कहा, हमारी सरकारों में नीति, नियत और निष्ठा किसी स्वार्थ से नहीं बल्कि- राष्ट्र प्रथम, देशवासी प्रथम की भावना से तय होती है।

उन्होंने कहा, हमने वोट बैंक के बजाय देश की जनता की मुश्किलों को कम करने पर फोकस किया है। उन्होंने कहा कि आज पूर्वोत्तर के लोगों ने विकास की बागडोर आगे बढ़कर खुद संभाल ली है। वे पूर्वोत्तर के विकास से भारत के विकास के मंत्र को लेकर आगे बढ़ रहे हैं। देश में स्वास्थ्य सेवाओं और गरीबों के स्वास्थ्य बीमा की योजनाओं का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि महिलाओं को उपचार के लिए दूर न जाना पड़े और गरीबों को पैसे के अभाव में अपना इलाज न टालना पड़े। उन्होंने कहा, हमारी सरकार ने जो भी योजनाएं शुरू कीं, उसका बहुत बड़ा लाभ महिलाओं की सेहत को हुआ है।

भारत को विश्वगुरु बनाने में युवाओं की होगी अहम भूमिका : राजनाथ

उदयपुर, एजेंसी। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि आज भारत ने दुनिया में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। भारत जो कहता है उसे पूरी दुनिया सुनने लगी है। अब दुनिया के लोग भारत में अपने सपने देखने लगे हैं। हमें अपने भारत को इससे भी ऊंचाइयों तक ले जाना है। यह जिम्मेदारी देश के युवाओं पर है। देश के नौजवान ही अपनी ऊर्जा से भारत को विश्वगुरु बनाएंगे।

रक्षामंत्री सिंह शनिवार को उदयपुर में जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी) के 16वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि अभी भारत दुनिया की पांच टॉप इकोनॉमी में शामिल है। युवा शक्ति अपने उद्यमी पराक्रम से देश को टॉप मोस्ट इकोनॉमी के रूप में स्थापित करे। स्वामी विवेकानंद की विदेश यात्रा का दृष्टांत सुनाते हुए उन्होंने कहा कि जब वहां पर उनके परिधान को देखकर किसी ने टिप्पणी की तब स्वामी जी ने अपने उद्बोधन में इसका उत्तर दिया। स्वामी विवेकानंद का जिक्र कर उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति ने सदैव चरित्र का पाठ पढ़ाया है। यही वजह है कि भारतीय संस्कृति में भौतिक विकास के साथ आध्यात्मिक विकास को भी उतना ही महत्वपूर्ण माना गया है।

रक्षामंत्री सिंह ने अपनी बात कहते हुए माता-पिता के प्रति भी युवाओं को जिम्मेदारी का ध्यान कराया। उन्होंने कहा कि युवा नौकरी के लिए विदेशों में जाते हैं और माता-पिता को वृद्धाश्रम में छोड़ जाते हैं। इस स्थिति को ठीक नहीं कहा जा सकता।

उन्होंने कोटा में कोचिंग सेंटर्स के विद्यार्थियों द्वारा की जाने वाली आत्महत्याओं पर चिंता जताई और कहा कि चिंताएं कुछ क्षण ही रहनी चाहिए। उनके बारे में लगातार सोचना नहीं चाहिए। उन्होंने इसे समाज का कलेक्टिव फेल्योर बताते हुए अभिभावकों से कहा कि हमें बच्चों को उनके परिणाम से नहीं आंकना चाहिए। उन्होंने युवाओं से कहा कि हमेशा यह ध्यान रखें कि फेल्योर्स आपको डिफाइन नहीं करते बल्कि फेल्योर्स हमें रिफाइन करते हैं।

राजनाथ ने महाराणा प्रताप की प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर कहा कि प्रतिमाएं महान व्यक्तियों के विचारों को सहेजकर उन्हें अगली पीढ़ी तक पहुंचाने एवं उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करने की प्रतीक होती हैं। उन्होंने महाराणा प्रताप के बलिदान का स्मरण करते हुए कहा कि देश के हर नागरिक के मन में देश के प्रति समर्पण का भाव होना चाहिए और यह भाव शिक्षा और शिक्षण पद्धति से स्थापित होता है। शिक्षा के साथ राष्ट्रप्रेम के भाव को भी स्थापित करने की जिम्मेदारी नई पीढ़ी की है। उन्होंने कहा कि एक लेखक ने इनफोसिस और अलकायदा पर तुलनात्मक लेख लिखा जिसमें उन्होंने यह लिखा कि दोनों से जुड़े युवा कार्य उतनी ही सक्रियता से करते हैं, लेकिन एक के कार्य का लक्ष्य कल्याणकारी है और दूसरे के कार्य करने का लक्ष्य विनाशकारी।

रक्षामंत्री सिंह ने मन को बड़ा रखने से अनुभूत होने वाले आनंद को गणितीय सूत्र में पिरोते हुए कहा कि मन को यदि एक सर्कल मान लिया जाए तो उस सर्कल के आकार का सीधा संबंध सुख की विशालता से होगा। आपके मन का आकार जितना बड़ा होगा उतना ही आपको आनंद की अनुभूमि होगी और यह तभी होगा जब आप ईर्ष्या, जलन, दूसरों की टांग खिंचाई जैसी भावनाओं से दूर रहें। यह प्रवृत्ति व्यक्ति को अन्य की नजरों में गिराती है। समारोह से पूर्व, कुलपति प्रो. एसएस सारंदेवोत ने रक्षामंत्री सिंह का स्वागत किया। रक्षा मंत्री ने विश्वविद्यालय परिसर में दो करोड़ की लागत से तैयार पवेलियन, क्रिकेट स्टेडियम एवं वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की चेतकारूढ़ प्रतिमा का लोकार्पण किया।

समारोह में रक्षामंत्री ने 32 छात्रों को पी.एचडी. की उपाधि प्रदान की। दीक्षांत समारोह में कर्नाटक भाजपा उपाध्यक्ष डॉ. तेजस्विनी अनंत कुमार को जनार्दनराय नागर संस्कृति रत्न सम्मान प्रदान किया गया। इसके तहत उन्हें रजत पत्र, प्रतीक चिह्न, पगड़ी, प्रशस्ति पत्र एवं एक लाख रुपये नकद राशि प्रदान की गई। यह सम्मान उन्हें अपने फाउंडेशन द्वारा भारतीय समाज, संस्कृति की उन्नति के लिए विशिष्ट कार्य करने पर प्रदान किया गया।

एनसीआर समाचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालयः
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली-62

फोनः
8888883968,
9811111715

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

मप्र के राज्यपाल, मुख्यमंत्री, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत कई नेताओं ने महू में दी आंबेडकर को श्रद्धांजलि

भोपाल/महू, एजेंसी। देशभर में शुक्रवार को संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई जा रही है। इंदौर के डॉ. आंबेडकर नगर (महू) में बाबासाहेब आंबेडकर की जन्मस्थली पर गुरुवार रात 12 बजे से ही जन्मदिन का कार्यक्रम जारी है।

बड़ी संख्या में अनुयायी बाबासाहेब को नमन करने उनकी जन्मस्थली पर पहुंच रहे हैं। शुक्रवार को यहां राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष कमलनाथ, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय भी पहुंचे और बाबासाहेब को नमन कर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि हमने आंबेडकर के जीवन से संबंधित पंच तीर्थों को मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत जोड़ने का फैसला किया है। महू में बाबा साहब की जन्मभूमि, नागपुर में दीक्षा भूमि, लंदन की शिक्षा भूमि, दिल्ली में परिनिर्वाण भूमि और मुंबई में दर्शन कराएंगे। उन्होंने कहा कि एक जमाना था, यहां स्मारक नहीं था। मुझे कहते हुए गर्व है कि हमें यहां स्मारक बनाने का सौभाग्य मिला है। हमने बाबासाहेब महाकुंभ शुरू किया। मैं आयोजक के रूप में आपका अभिनंदन करता हूं। पिछली बार आपने मांग की थी कि यहां धर्मशाला या गेस्ट हाउस का निर्माण करा सकें।

इसके लिए रक्षा विभाग ने 3.5 एकड़ जमीन के लिए एनओसी दे दी है। यह जमीन हमने समिति को देन का फैसला किया है। मैं जमीन के कागज सौंप रहा हूं। उन्होंने अपने संबोधन के दौरान मंच पर ही धर्मशाला के लिए जमीन के अधिग्रहण की मंजूरी के कागज भंतेजी को सौंपा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि आप यहां निर्माण शुरू कराएं। इससे पहले कैलाश विजयवर्गीय महू पहुंचे। उन्होंने यहां बाबासाहेब को नमन कर श्रद्धांजलि अर्पित की। पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ ने महू पहुंचकर स्मारक पर नमन कर बाबासाहेब को याद किया।

उन्होंने कहा कि संविधान निमार्ता की जन्मस्थली पर भी शिवराज झूठ बोलते हैं। वे झूठी घोषणाएं करते हैं। कई बार कह चुके हैं कि बाबासाहेब के नाम पर पंच तीर्थ बनाएंगे, लेकिन आज तक नहीं बनाया। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने महू पहुंचकर डॉ. आंबेडकर को नमन किया।

उत्तर कोरिया ने किया नई सोंगफो-18 मिसाइल का परीक्षण

प्योंगयांग,एजेंसी। उत्तर कोरिया ने गुरुवार को नई सोंगफो-18 ठोस ईंधन अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया। दक्षिण कोरियाई समाचार एजेंसी योनहाप ने शुक्रवार को यह रिपोर्ट दी हैं। उत्तर कोरिया की सरकारी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की देखरेख में नई प्रकार की सोंगफो-18 ठोस-ईंधन अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का पहला परीक्षण किया गया।

रिपोर्ट के अनुसार, परीक्षण का उद्देश्य मल्टी-स्टेज मिसाइलों के लिए उच्च-बल वाले ठोस-ईंधन इंजनों के प्रदर्शन और अन्य प्रणालियों की विश्वसनीयता की पुष्टि करना है। इस अवसर पर श्री किम जोन उन ने कहा कि नवीनतम प्रक्षेपण उत्तर कोरिया को कोरियाई प्रायद्वीप के लगातार बिगड़ते सुरक्षा वातावरण और दीर्घकालिक सैन्य खतरों से निपटने के लिए अधिक विकसित और उन्नत शक्तिशाली हथियार प्रणाली के विकास को तेजी से और बढ़ाने अनुमति देगा।

उन्होंने कहा कि मिसाइल का विकास उत्तर कोरिया के रणनीतिक निवारक घटकों में बड़े पैमाने पर सुधार करेगा, साथ ही साथ परमाणु पलटवार मुद्रा की प्रभावशीलता को मौलिक रूप से बढ़ावा देगा और इसकी आक्रामक सैन्य रणनीति की व्यावहारिकता में बदलाव लाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि श्री किम ने नई मिसाइल के विकास में शामिल राष्ट्रीय रक्षा वैज्ञानिक अनुसंधान क्षेत्र के सदस्यों की अत्यधिक सराहना करते हुए 10 से अधिक सैन्य अधिकारियों को उत्तर कोरिया के लेबर हीरो का खिताब देने का प्रस्ताव रखा और उप-निदेशक कर्नल हान कुम बोक को मेजर जनरल पद पर पदोन्नत किया है।

महाराष्ट्र : विधवाओं के लिए गंगा भागीरथी शब्द के इस्तेमाल के प्रस्ताव का महिला आयोग ने स्वागत किया

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में विधवा महिलाओं को सम्मान देने की खातिर उनके लिए गंगा भागीरथी शब्द का इस्तेमाल करने के प्रदेश सरकार के प्रस्ताव का राज्य महिला आयोग की प्रमुख ने यह कहते हुए स्वागत किया है कि इससे महिलाओं को सशक्त बनाने में मदद मिलेगी। महाराष्ट्र राज्य महिला आयोग (एमएससीडब्ल्यू) की अध्यक्ष रुपाली चाकणकर ने इस प्रस्ताव के लिए राज्य के महिला एवं बाल विकास मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा का आभार भी जताया।

हालांकि, कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) जैसे विपक्षी दल राज्य सरकार के इस प्रस्ताव का विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि इस तरह के सतही और अनुचित फैसलों के बजाय महिलाओं के लिए समान अधिकार सुनिश्चित करना और उनके लिए सामाजिक सुरक्षा के उपाय करना समय की मांग है। लोढ़ा ने बुधवार को अपने विभाग के प्रमुख सचिव को लिखे एक पत्र में विधवा महिलाओं को सम्मान देने के लिए, उनके लिए गंगा भागीरथी शब्द का इस्तेमाल करने का प्रस्ताव दिया था।

हालांकि, कांग्रेस और राकांपा द्वारा प्रस्ताव की आलोचना किए जाने के बाद उन्होंने एक वीडियो बयान जारी कर सफाई दी थी कि इस प्रस्ताव पर अभी सिर्फ विचार किया जा रहा है और इस दिशा में फिलहाल कोई कदम नहीं उठाया गया है।

एमएससीडब्ल्यू अध्यक्ष चाकणकर ने ट्वीट किया, मैं इस कदम के लिए महिला एवं बाल विकास मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा का आभार व्यक्त करती हूं। प्रगतिशील महाराष्ट्र का यह निर्णय महिलाओं को सशक्त बनाने में मदद करेगा।

चाकणकर ने कहा कि राज्य महिला आयोग ने सरकार से ऐसी महिलाओं के लिए एक सम्मानजनक शब्द तलाशने का आग्रह किया था, जिनके पतियों की मौत हो चुकी है। उन्होंने कहा, विधवा शब्द महिलाओं के लिए अपमानजनक है।

भाजपा के साथ हमारी लड़ाई विचारधारा की : अशोक गहलोत

जयपुर, एजेंसी। राजस्थीान के मुख्यजमंत्री अशोक गहलोत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ कांग्रेस की लड़ाई को विचारधारा की लड़ाई करार देते हुए शुक्रवार को आरोप लगाया कि? केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा संविधान की मूल भावना के अनुसार नहीं चल रही है और देश में संविधान की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

गहलोत ने बाबा साहेब की जयंती पर यहां आम्बेडकर सर्किल पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा, देश में संविधान की धज्जियां उड़ रही हैं, लोकतंत्र खतरे में पड़ गया है। आज सबसे बड़ी आवश्यकता है अहिंसा का रास्ता अख्तियार करने की। हमारे समक्ष सबसे बड़ी चुनौती इस बात की भी है कि संविधान की रक्षा कैसे की जाये और लोकतंत्र मजबूत कैसे रहे। गहलोत ने कहा, भाजपा के साथ हमारी लड़ाई विचारधारा की (लड़ाई) है।

भाजपा संविधान की मूल भावना के अनुसार चल नहीं रही, इसलिए आज लोकतंत्र के खतरे की बात होती है।

उन्होंने कहा, देश एक रहे, अखंड रहे, इसके लिए इंदिरा गांधी जी ने जान दे दी, राजीव गांधी शहीद हो गए। ऐसे में इस मुल्कए में हम सबका संकल्प होना चाहिए कि हम बाबा साहेब आम्बेडकर के सपने और भावना के अनुकूल चलें। संविधान की मूल भावना व इसमें वर्णित कर्तव्यों का जिक्र करते हुए उन्होंलने कहा कि अगर इन्हीं भावनाओं और कर्तव्यों के अनुरूप सभी लोग एवं राजनीतिक दल चलें तो देश की आधी अंदरूनी समस्याओं का समाधान हो जाएगा।

जयशंकर ने मोजाम्बिक में भारत में निर्मित ट्रेन में सफर किया

मैपुटो/नई दिल्ली,एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने मोजाम्बिक दौरे के दौरान मेड इन इंडिया (भारत में निर्मित) ट्रेन में सफर किया और देश में रेल नेटवर्क, इलेक्ट्रिक वाहनों व जलमार्ग संपर्क का दायरा बढ़ाने के मुद्दे पर वहां के परिवहन मंत्री के साथ व्यापक बातचीत की।जयशंकर तीन दिवसीय दौरे पर बृहस्पतिवार को मोजाम्बिक की राजधानी मैपुटो पहुंचे और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने के लिए इस अफ्रीकी देश की संसद के अध्यक्ष से मुलाकात की। जयशंकर मोजाम्बिक की आधिकारिक यात्रा पर जाने वाले भारत के पहले विदेश मंत्री हैं।

उन्होंने बृहस्पतिवार को ट्वीट किया, मोजाम्बिक के परिवहन एवं संचार मंत्री और मोजाम्बिकन पोर्ट एंड रेल अथॉरिटी के चेयरमैन माटियस मगाला के साथ हरित परिवहन पर शानदार बातचीत। रेल नेटवर्क, इलेक्ट्रिक वाहनों व जलमार्ग संपर्क का दायरा बढ़ाने के मुद्दे पर चर्चा की। भारत इस संबंध में एक विश्वसनीय भागीदार है।

विदेश मंत्री ने मोजाम्बिक में भारत में निर्मित एक ट्रेन में सफर करने की जानकारी भी दी। उन्होंने ट्वीट किया, मोजाम्बिक के परिवहन मंत्री माटियस मगाला के साथ एक मेड इन इंडिया ट्रेन में मैपुटो से मछावा के बीच यात्रा की। इस यात्रा में शामिल होने के लिए राइट्स (रेल इंडिया टेक्निकल एंड इकोनॉमिक सर्विस) के चेयरमैन राहुल मित्तल की सराहना करता हूं।

जयशंकर ने मैपुटो में भारतीय समुदाय के लोगों से संवाद करने के साथ ही एक मंदिर में पूजा-अर्चना भी की। उन्होंने ट्वीट किया, मैपुटो में बृहस्पतिवार शाम श्री विश्वंभर महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना की। यहां भारतीय समुदाय के लोगों के साथ संवाद करके बहुत खुशी महसूस हो रही है। मोजाम्बिक से पहले जयशंकर युगांडा की यात्रा पर गए थे, जहां उन्होंने राष्ट्रपति योवेरी मुसेवेनी सहित देश के शीर्ष नेतृत्व से व्यापार, बुनियादी ढांचा, ऊर्जा एवं रक्षा क्षेत्र में संभावित सहयोग पर चर्चा की।

मोजांबिक के साथ बढ़ेगा भारत का व्यापार

-भारतीय विदेश मंत्री की तीन दिवसीय यात्रा पर मापुटो पहुंचे
- ऊर्जा और रक्षा क्षेत्र में सहयोग

मापुटो,एजेंसी। भारत के विदेश मंत्री डॉ.एस. जयशंकर मोजांबिक की तीन दिवसीय यात्रा पर यहां पहुंच गए। इस दौरान दोनों देशों के बीच व्यापार, ऊर्जा व रक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की बात कही गई है। युगांडा की यात्रा पूरी कर मोजांबिक पहुंचे जयशंकर ने राष्ट्रपति समेत देश के शीर्ष नेतृत्व के साथ बातचीत की। उन्होंने व्यापार, बुनियादी ढांचे, ऊर्जा और रक्षा के क्षेत्रों में संभावित सहयोग पर चर्चा की। यहां उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। उन्होंने ट्वीट कर कहा, हमने द्विपक्षीय साझेदारी का विस्तार करने के लिए अपने राजनीतिक और आर्थिक सहयोग की समीक्षा की।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मोजांबिक की राजधानी में अपनी यात्रा के दौरान मेड इन इंडिया ट्रेन में सवारी की और मोजांबिक के परिवहन मंत्री के साथ ट्रेन नेटवर्क इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और जलमार्ग कनेक्टिविटी का विस्तार करने में भारत की साझेदारी के बारे में चर्चा की। उन्होंने ट्वीट किया, मोजांबिक के परिवहन एवं संचार मंत्री और मोजांबिकन पोर्ट एंड रेल अथॉरिटी के अध्यक्ष माटेउस मागला के साथ ग्रीन ट्रांसपोर्ट बातचीत हुई। इस दौरान ट्रेन नेटवर्क, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और जलमार्ग कनेक्टिविटी के विस्तार के बारे में बात की। इसके अलावा उन्होंने भारतीय समुदाय के साथ भी बातचीत की और मापुटो में श्री विश्वंभर महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना की।

राज्य सरकार वरिष्ठ नागरिकों को हवाई जहाज से मुफ्त कराएगी तीर्थयात्रा, 21 मई से उठा पाएंगे लाभ

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश की शिवराज सिंह चौहान सरकार अपनी मौजूदा मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना के तहत प्रदेश के कुछ वरिष्ठ नागरिकों को मुफ्त तीर्थयात्रा पर हवाई मार्ग से भी ले जायेगी। भाजपा शासित मध्य प्रदेश में यह कवायद विधानसभा चुनाव से कुछ माह पहले 21 मई से शुरू होगी। मध्य प्रदेश में 230 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव इस साल के अंत तक होने हैं। अपर मुख्य सचिव (एसीएस) गृह डॉ. राजेश राजोरा ने शुक्रवार को कहा, एक अधिकारी ने कहा कि हवाई मार्ग से तीर्थयात्रा भी जून, 2012 में शुरू हुई 'मुख्यमंत्री तीर्थदर्शन योजना' का ही हिस्सा होगी। राजोरा ने कहा, इस योजना के तहत नए कार्यक्रम के अनुसार, 25 जिलों (राज्य में कुल 52 में से) के पात्र लाभार्थियों को 21 मई से 19 जुलाई के बीच हवाई जहाज से विभिन्न गंतव्यों की तीर्थ यात्रा पर ले जाया जाएगा।" उन्होंने कहा कि लाभार्थी उन्हें आवंटित विभिन्न गंतव्यों के लिए प्रयागराज, शिरडी, मथुरा-वृंदावन और गंगासागर की तीर्थ यात्रा करने में सक्षम होंगे। उन्होंने कहा कि यह योजना भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) की मदद से लागू की जाएगी।प्रत्येक जिले के लिए कुल 33 सीटें आरक्षित होंगी। इनमें से 32 सीटें लाभार्थियों की होंगी और प्रत्येक उड़ान में एक सीट एस्कॉर्ट ऑफिसर के लिए होगी।

उन्होंने कहा कि आईआरसीटीसी द्वारा नामित एक टूर मैनेजर भी योजना के लाभार्थियों के साथ जाएगा। चौहान सरकार की इस फ्लैगशिप योजना के तहत अभी तक हितग्राहियों को ट्रेनों से तीर्थ यात्रा पर ले जाया जाता था। उन्होंने कहा कि योजना का लाभ उठाने के लिए, लाभार्थियों की आयु 65 वर्ष और उससे अधिक होनी चाहिए, और आयकर दाता नहीं होना चाहिए।

ट्रंप से कारोबारी गतिविधियों को लेकर दायर वाद के सिलसिले में सात घंटे तक किए गए सवाल-जवाब

न्यूयॉर्क,एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से उनकी कंपनी के कारोबार से जुड़ी गतिविधियों को लेकर एक वाद के सिलसिले में बृहस्पतिवार को न्यूयॉर्क की अटार्नी जनरल के कार्यालय ने करीब सात घंटे तक सवाल-जवाब किए गए। ट्रंप ने कारोबारी गतिविधियों को लेकर दायर वाद के सिलसिले में दूसरी बार गवाही दी है। रिपब्लिकन नेता ने अटार्नी जनरल लेतीतिया जेम्स के वकीलों से मुलाकात की। जेम्स ने पूर्व राष्ट्रपति के खिलाफ पिछले साल वाद दायर किया था। अटार्नी जनरल के वाद में दावा किया कि ट्रंप और उनके परिवार ने अपनी निवल संपत्ति (नेटवर्थ) और होटल एवं गोल्फ कोर्स जैसी संपत्ति के मूल्य के बारे में झूठी सूचना देकर बैंकों को गुमराह किया। यह वाद मैनहट्टन जिला अटार्नी द्वारा ट्रंप के खिलाफ दायर आपराधिक आरोपों से अलग है। ट्रंप के मैनहट्टन स्थित इमारत में प्रवेश करने के कुछ ही समय बाद उनकी वकील एलिना हब्बा ने कहा कि वह न केवल गवाही देना चाहते हैं बल्कि वह इसके लिए उत्सुक भी हैं। इसी इमारत में जेम्स के कार्यालय स्थित हैं। गवाही पूरी होने के बाद ट्रंप के व्यवसायों के वकील क्रिस्टोफर केसे ने कहा कि पूर्व राष्ट्रपति ने करीब सात घंटे अपनी व्यावसायिक सफलता के बारे में विस्तार से बताया। केसे ने कहा कि इस सफलता से जुड़े तथ्य जब सामने आएंगे तो स्पष्ट हो जाएगा कि कोई धोखाधड़ी नहीं हुई। वहीं जेम्स ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में गवाही के बारे में पूछे गए एक प्रश्न का जवाब देने से इनकार कर दिया। ट्रंप ने बृहस्पतिवार सुबह सोशल मीडिया पर किए गए पोस्ट में वाद को अन्य मामलों की तरह चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश और हास्यास्पद बताया।

सावदी के कांग्रेस में शामिल होने के फैसले से दुखी हूं : बोम्मई

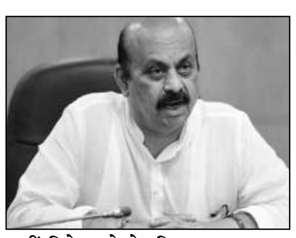

बेंगलुरु, एजेंसी। मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने शुक्रवार को कहा कि वह पूर्व उपमुख्यमंत्री लक्ष्मण सावदी के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से अलग होकर कांग्रेस में शामिल होने के फैसले से दुखी हैं। बोम्मई ने कहा, मैं बहुत दुखी महसूस कर रहा हूं, हमारा बहुत करीबी रिश्ता था। कभी-कभी ऐसी राजनीतिक स्थितियां पैदा हो जाती हैं।

उन्होंने कहा, उन्हें कांग्रेस में अपना राजनीतिक भविष्य दिख रहा होगा। हम अपनी पार्टी में अपना काम करेंगे। बेलगावी जिले के अथानी से भाजपा द्वारा टिकट नहीं दिये जाने के खिलाफ बगावत करते हुए सावदी ने बुधवार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने की घोषणा की। भाजपा के बेलगावी के कद्दावर नेता और पूर्व मंत्री रमेश जारकीहोली के समर्थन वाले मौजूदा विधायक महेश कुमाथल्ली को अथानी से टिकट दिया गया है। सावदी अथानी से तीन बार विधायक रह चुके हैं। वर्ष 2018 के विधानसभा चुनावों में वह कुमाथल्ली (तब कांग्रेस में) से हार गए थे।

कुमाथल्ली पाला बदलने वाले कांग्रेस के उस 17 लोगों के समूह में शामिल थे, जिसने कांग्रेस-जद (एस) गठबंधन की सरकार को गिराने और 2019 में बी एस येदियुरप्पा के नेतृत्व में सरकार बनाने में मदद की थी। कांग्रेस की राज्य इकाई के अध्यक्ष डी. के. शिवकुमार सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात के बाद उन्होंने यह फैसला किया।

एक नजर

दस्तावेज लीक के संदर्भ में ऑस्टिन विभागीय समीक्षा के दिए आदेश

वाशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने रक्षा विभाग को खुफिया दस्तावेजों के ऑनलाइन लीक होने के मद्देनजर भविष्य में ऐसी घटनाओं रोकने के लिए विभागीय समीक्षा करने के आदेश दिए है।

श्री ऑस्टिन ने गुरुवार को कहा, रक्षा मंत्री के रूप में, मैं अपने राष्ट्र की गोपनीय जानकारी की सुरक्षा के लिए आवश्यक अतिरिक्त उपाय करने में भी संकोच नहीं करूँगा। तदनुसार, मैं इस तरह की घटना को फिर से होने से रोकने हेतु हमारे प्रयासों को सूचित करने के लिए विभागीय समीक्षा करने के निर्देश दे रहा हूं। इससे पहले, अमेरिका की पुलिस ने यूक्रेन और अमेरिका के अपने सहयोगियों और भागीदारों के साथ संबंधों पर वगीर्कृत जानकारी लीक होने के संबंध में एक एयर नेशनल गाड्र्समैन को गिरफ्तार किया था। श्री ऑस्टिन ने गिरफ्तारी के लिए न्याय विभाग की सराहना की और इसकी जांच में रक्षा विभाग के पूर्ण समर्थन और सहयोग का वचन दिया।

जापान हेलिकॉप्टर दुर्घटना: कई लोगों के शव मिले

टोक्यो,एजेंसी। जापान में बचाव दल को ओकिनावा प्रांत के तट से पिछले सप्ताह लापता हुए जापान सेल्फ डिफेंस फोर्स (एसडीएफ) के हेलिकाप्टर में सवार कई लोगों के शव मिले हैं। क्योदो समाचार एजेंसी ने शुक्रवार को एक सरकारी स्रोत के हवाले से यह रिपोर्ट दी है। छह अप्रैल को जापान का सैन्य हेलिकॉप्टर यूएच-60जेए 10 सैनिकों के साथ मियाको द्वीप पर एक सैन्य अड्डे से उड़ान भरने के तुरंत बाद रडार से गायब हो गया।

रिपोर्ट के अनुसार गुरुवार रात एक शव और हेलिकॉप्टर का एक हिस्सा मिला था। इराबू द्वीप के पास पानी के अंदर कैमरे से हेलिकॉप्टर का बुरी तरह क्षतिग्रस्त एक हिस्सा देखा गया तथा अन्य मलबा द्वीप के तट पर पाया गया। रिपोर्ट में बताया गया है कि हेलिकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने का कारण अभी पता नहीं चल सका है।

अधिकारियों के अनुसार, क्षेत्र में हवाई यातायात नियंत्रण केंद्रों को हेलिकॉप्टर के आपातकालीन लोकेटर ट्रांसमीटर से संकट का संकेत नहीं मिला, जिसे प्रभावित होने पर स्वचालित रूप से सक्रिय हो जाना चाहिए था। न्होंने कहा कि एसडीएफ और जापान कोस्ट गार्ड, माइनस्वीपर, पनडुब्बी बचाव जहाजों, विमानों और गश्ती जहाजों का उपयोग करते हुए चौबीसों घंटे हेलीकॉप्टर और चालक दल की तलाश कर रहे हैं।

पाकिस्तान में सड़क दुर्घटना में चार लोगों की मौत, तीन घायल

इस्लामाबाद,एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हुई एक सड़क दुर्घटना में कम से कम चार लोगों की मौत हो गयी, तीन अन्य घायल हो गये और कई लापता बताये गए हैं। मीडिया ने आज पुलिस के हवाले से बताया कि दुर्घटना ऊपरी कोहिस्तान इलाके में गुरुवार रात एक यात्री वैन के खड्ड में गिरने से हुई। उन्होंने बताया कि वैन में 12 से अधिक लोग सवार थे। इस दुर्घटना में घायल हुए वैन चालक समेत तीन लोगों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दुर्घटना के कारण का पता नहीं चल सका हैं।

रूस ने अमेरिकी नागरिकों को पहली तिमाही में लगभग 1,000 वीजा जारी किये

मॉस्को,एजेंसी। रूस ने 2023 की पहली तिमाही में अमेरिकी नागरिकों को लगभग 1,000 वीजा जारी किये, जिनमें ज्यादातर निजी और पर्यटक वीजा थे। रूसी विदेश मंत्रालय के दूतावास विभाग के निदेशक एलेक्सी क्लिमोव ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, ह्लइस साल की पहली तिमाही में, अमेरिकी नागरिकों को लगभग 1,000 वीजा जारी किये गये थे, जिनमें से अधिकांश पर्यटक और निजी वीजा थे। हमने कारोबार वीजा के लिए बेहद कम मांग देखी और केवल कुछ दर्जन कारोबार वीजा जारी किये गये हैं।

केरल के राज्यपाल, मुख्यमंत्री ने विशु पर बधाई दी

तिरुवनंतपुरम, ,एजेंसी। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने विशु पर्व से एक दिन पहले शुक्रवार को, दुनिया भर के मलयाली लोगों को बधाई दी और कहा कि फसल उत्सव समृद्धि के दौर की शुरूआत का प्रतीक है तथा एकजुटता और सामाजिक सद्भाव को मजबूत बनाता है। उन्होंने एक संदेश में कहा, मैं केरल के लोगों और दुनिया के विभिन्न हिस्सों में रह रहे केरलवासियों को विशु पर्व के आनंददायक अवसर पर हार्दिक बधाई देता हूं। यह पर्व समृद्धि के दौर की शुरूआत का प्रतीक है। खान ने कामना की ह्यह्ययह फसल उत्सव अधिक संपन्नता लाए, खुशियां फैलाए और एकजुटता और सामाजिक सद्भाव के बंधन को मजबूत बनाए। इस बीच, मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने एक वीडियो संदेश में, उस गौरवशाली कृषि संस्कृति को पुनः प्राप्त करने की आवश्यकता पर बल दिया, जो आजकल धीरे-धीरे गुमनामी में जा रही है। उन्होंने कामना की कि विशु उत्सव इसके लिए किए जा रहे प्रयासों को शक्ति दे। विजयन ने कहा कि प्रत्येक त्योहार एकता और एकजुटता का संदेश देता है। उन्होंने लोगों से उन प्रतिक्रियावादी ताकतों से सावधान रहने का आग्रह किया जो सांप्रदायिक आधार पर समाज में विभाजन पैदा करने की कोशिश करती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य के लोग प्यार और एकजुटता बनाए रखेंगे और ऐसी ताकतों को जवाब देंगे।

नियुक्ति भ्रष्टाचार मामले में तृणमूल विधायक के घर सीबीआई की छापेमारी

कोलकाता, ,एजेंसी। पश्चिम बंगाल के बहुचर्चित शिक्षक नियुक्ति भ्रष्टाचार मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने तृणमूल कांग्रेस के एक और विधायक के घर छापेमारी की है। मुर्शिदाबाद के बड़ग्या से विधायक जीवन कृष्ण के मुर्शिदाबाद स्थित घर पर यह छापेमारी हुई है। केंद्रीय एजेंसी के सूत्रों ने बताया है कि विधायक के दफ्तर की भी तलाशी ली जा रही है। जानकारी मिली है कि उसे घर पर ही बैठा कर पूछताछ की जा रही है। कई महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद हुए हैं। हालांकि केंद्रीय एजेंसी ने फिलहाल यह नहीं बताया है कि उसे हिरासत में लिया गया है या नहीं लेकिन सूत्रों ने बताया है कि उसे तब तक घर में ही रहने को कहा गया है, जब तक जांच और तलाशी अभियान चलने वाला है। उल्लेखनीय है कि नियुक्ति भ्रष्टाचार मामले में पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी सहित तृणमूल कांग्रेस के कई अन्य नेताओं की गिरफ्तारी हुई है। इसी मामले में प्राथमिक शिक्षा परिषद् के पूर्व अध्यक्ष और तृणमूल विधायक माणिक भट्टाचार्य भी जेल में हैं।

बंगाल के दो दिवसीय दौरे पर अंडाल पहुंचे शाह

कोलकाता, ,एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पश्चिम बंगाल के दो दिवसीय दौरे पर शुक्रवार को अंडाल पहुंचे। श्री शाह की अंडाल हवाई अड्डे पर पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार और पार्टी के अन्य नेताओं ने अगवानी की।

वह सीमा सुरक्षा बल के हेलिकॉप्टर से बीरभूम जिले के सूरी पहुंचे, जहां वह बेनीमाधव सील स्कूल मैदान में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। वह सूरी में जिला भाजपा कार्यालय का भी उद्घाटन करेंगे। गृह मंत्री शाम को कोलकाता लौटेंगे और राज्य के पार्टी नेताओं के साथ बंद कमरे में बैठक करेंगे। वह दक्षिणेश्वर मंदिर भी जाएंगे और पूजा-अर्चना करेंगे। वह शनिवार को नई दिल्ली लौटेंगे।

भ्रष्टाचार में डूबने वाले के लिए भ्रष्टाचार मुद्दा कैसे हो सकता : केजरीवाल

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला करते हुए कहा कि जो सख्श सिर से पांव तक भ्रष्टाचार के अंदर डूबा हुआ है उसके लिए भ्रष्टाचार मुद्दा कैसे हो सकता है?

श्री केजरीवाल ने शनिवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पिछले करीब एक साल से भारतीय जनता पार्टी चिल्ला-चिल्ला कर कह रही है कि दिल्ली में शराब घोटाला हो गया। देश की सबसे बड़ी जांच एजेंसियां अपना सारा काम छोड़कर इसकी जांच में लगी हुई हैं। ईडी-सीबीआई ने अपनी सारी जांच पूरी करने के बाद पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया पर 14 फोन तोड़ कर सबूत नष्ट करने का आरोप लगाया है। ईडी का कहना है कि सभी 14 फोन मनीष सिसोदिया के थे और उन्होंने इन 14 फोन को नष्ट कर दिया। यह बात ईडी के दस्तावेज में है। इस दस्तावेज के बाद ईडी के कुछ सीजर मेमो भी अटैच है। इस सीजर मेमो में ईडी खुद ही कह रही है कि इन 14 फोन में से चार फोन उसके पास है। उन्होंने कहा कि हमारी जांच में पता चला है कि 14 मोबाइल फोन में से पांच तो सीबीआई-ईडी के पास है और बाकी नौ मोबाइल में से अधिकांश चालू हैं। इन मोबाइल को कोई न कोई इस्तेमाल कर रहा है। ये सारे मोबाइल फोन मनीष सिसोदिया के नहीं हैं। यह बिल्कुल सत्य है कि ये सारे फोन इस्तेमाल में हैं, यह बात ईडी और सीबीआई को पता है। ईडी-सीबीआई ने एफिडेविट पर झूठ बोलकर कोर्ट को गुमराह किया और कोर्ट के सामने झूठा सबूत पेश किया।

उन्होंने कहा कहा कि जांच एजेंसियां रोज किसी न किसी को पकड़ लेती हैं और उनको टॉर्चर कर, धमकी देकर और मानसिक-शारीरिक उत्पीड़न कर व थर्ड डिग्री देकर उनसे केजरीवाल, मनीष सिसोदिया का नाम लेने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शराब नीति बहुत ही पारदर्शी नीति थी। इस पॉलिसी को सही लागू होने के बाद पूरे शराब सेक्टर से भ्रष्टाचार खत्म कर देती। यह इस बात से साबित होता है कि यही नीति जब पंजाब में लागू की गई तो इससे एक साल के अंदर 50 फीस राजस्व बढ़ गया। उन्होंने कहा कि अगर केजरीवाल भ्रष्टचारी है तो फिर इस दुनिया के अंदर कोई ईमानदार नहीं है। यहां मुद्दा शराब घोटाला, भ्रष्टाचार और उसकी जांच है ही नहीं। ऐसा सख्श देश का प्रधानमंत्री जो सिर से पांव तक भ्रष्टाचार के अंदर डूबा हुआ है, उसके लिए भ्रष्टाचार मुद्दा कैसे हो सकता है?

उन्होंने पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के एक साक्षात्कार का जिक्र करते हुए कहा कि सत्यपाल मलिक ने कहा कि श्री मोदी को भ्रष्टाचार से कोई परहेज नहीं है। श्री मलिक प्रधानमंत्री के बहुत खास लोगों में गिने जाते थे। उसी इंटरव्यू में श्री मलिक ने यह भी कहा है कि कुछ ऐसे मुख्यमंत्री हैं, जो भ्रष्टाचार करके खूब पैसे इकट्ठे करते हैं, लेकिन सारा पैसा मुख्यमंत्री अपने पास नहीं रखते हैं। वह उपर भी पैसा भेजते हैं और वहां से वो पैसा उनके दोस्त की कंपनियों में निवेश होता है। उन्होंने कहा कि वह भी तो विधानसभा में कुछ इसी तरह कहा था।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने 17 अप्रैल को बुलाई विधानसभा की बैठक

एनसीआर समाचार

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आने वाली अप्रैल की 16 तारीख को सीबीआई ने पुलिस ताश के लिए बुलाया है। आपको बता दें कि, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल 16 अप्रैल को सीबीआई दफ्तर पूछताछ के लिए जाएंगे, उससे पहले आज उन्होंने 15 अप्रैल को प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें मनीष सिसोदिया पर लगाए गए इल्जामों को झूठा बताया। इतना ही नहीं उन्होंने सोमवार यानी 17 अप्रैल की सुबह 11:00 बजे दिल्ली के विधानसभा की एक दिवसीय बैठक बुलाई है। आबकारी नीति में कथित भ्रष्टाचार में पूछताछ के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल को सीबीआई ने संबंध भेजा है, दिल्ली की संसद एक बार फिर से गर्म हो गई है, क्योंकि दिल्ली के मुख्यमंत्री को दिल्लीवासी सच्चा नेता मानते और ऐसे में सीबीआई का संबंध भेजना काफी खतरनाक साबित हो सकता है, जिससे आप कार्यकताओं और समर्थकों के मन में पर एक बार फिर से नाराजगी और आक्रोश देखने को मिल सकता है। खबरें यह भी सामने आ रही है कि, कल जब अरविंद केजरीवाल सीबीआई दफ्तर पूछताछ के लिए जाएंगे तो उस दौरान आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता एक बार फिर से प्रदर्शन कर सकते हैं। आम आदमी पार्टी ने इस मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर ही सीधे-सीधे हमला बोला। वहीं भारतीय जनता पार्टी में आप के बयानों को हताशा भरना बताते हुए आपका नीति में बड़े भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। बीजेपी का कहना है कि, वह दिन दूर नहीं जब आप सरकार के 2 पूर्व मंत्री मनीष सिसोदिया व सतेंद्र दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी एक ही बैरक में होंगे। दूसरी ओर कांग्रेस का कहना है कि, उनकी शिकायत के बाद ही मुख्यमंत्री को पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

दिल्ली में मुफ्त बिजली आज से बंद, आप ने कहा राज्यपाल जिम्मेदार

एनसीआर समाचार

मुफ्त बिजली सब्सिडीः दिल्ली की जनता को बड़ा झटका देते हुए आम आदमी पार्टी ने बिजली पर दी जाने वाली सब्सिडी बंद करने का ऐलान किया है। दिल्ली की ऊर्जा मंत्री आतिशी ने इस बात की जानकारी दी है। आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार ने लोगों को दी जाने वाली मुफ्त बिजली सब्सिडी बंद करने का ऐलान किया है। ऊर्जा मंत्री आतिशी ने शुक्रवार को इसकी जानकारी साझा करते हुए कहा आज से दिल्ली के लोगों को दी जाने वाली सब्सिडी वाली बिजली बंद कर दी जाएगी। यानी कल से सब्सिडी के बिल नहीं दिए जाएंगे।

आतिशी ने बताई ये वजह

इसकी वजह बताते हुए आतिशी ने कहा, 'मुफ्त बिजली सब्सिडी इसलिए बंद की गई है क्योंकि आप सरकार ने आने वाले एक साल तक सब्सिडी जारी रखने का फैसला किया है, लेकिन फाइल दिल्ली एलजी के पास है और फाइल वापस आने तक है। तब तक आप सरकार सब्सिडी बिल जारी नहीं कर सकती।

सीएम और एलजी के बीच टकराव

दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की सरकार मुफ्त बिजली और पानी पर पहले की तरह सब्सिडी जारी रखना चाहती है, जबकि एलजी ने पत्र के जरिए सुझाव दिया कि सब्सिडी सीधे उपभोक्ताओं के खातों में भेजी जाए।

केजरीवाल को गिरफ्तार करके सरकार गिराने की रची जा रही साजिश : आप

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर दिल्ली सरकार गिराने के लिए फर्जी कहानियां गढ़ने का आरोप लगाते हुए शनिवार को कहा कि दिल्ली-पंजाब की सरकारों को गिराने में हर हथियार फेल हो गया तो अब श्री अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करके सरकार गिराने की साजिश रची गई है।

श्री सिंह ने संवाददाता सम्मेलन में यहां कहा, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज मीडिया के सामने तमाम सबूत रखकर साफ तौर पर बताया कि शराब घोटाला तो बहाना है जबकि सरकार गिराने का इरादा है। भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिल्ली की सरकार को गिराने के पुराने मकसद को पूरा करने के लिए यह फर्जी कहानियां रची जा रही हैं। प्रधानमंत्री को भ्रष्टाचार के खिलाफ कोई लड़ाई नहीं लड़नी है सिर्फ उनको केजरीवाल से लड़ाई इसलिए लड़नी है क्योंकि दिल्ली सरकार उनकी आंख की किरकिरी बन गई है।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री को अरविंद केजरीवाल से डर लगता है। ऐसी सरकार जो अच्छे स्कूल, अस्पताल, सड़क बनवाती है। लोगों को बिजली-पानी फ्री देती है। इसके अलावा बुजुर्गों को तीर्थ यात्रा और बहनों के लिए बस यात्रा फ्री करवाती है। दिल्ली में ऐसी सरकार चल कैसे रही है, इसको ऑपरेशन लोटस चलाकर गिराओ। पहले विधायकों को खरीदने की कोशिश की। इसके बाद हमारे दो मंत्रियों को जेल में डाल दिया। अब अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करने की साजिश रची गई है। इस साजिश के पीछे एकमात्र मकसद सरकार को गिराना है।

उन्होंने आरोप लगाया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भ्रष्टाचार से कोई परहेज नहीं है। दिल्ली विधानसभा में अरविंद केजरीवाल ने बताया कि नरेंद्र मोदी ने लाखों-करोड़ रुपए का काला धन अपने दोस्त अडानी की कंपनी में लगाया है। अब चार राज्यों के राज्यपाल रह चुके एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता सत्यपाल मलिक ने खुद बताया कि प्रधानमंत्री भ्रष्टाचार के खिलाफ नहीं है।

जब गोवा के मुख्यमंत्री की उनसे शिकायत की तो एक दलाल से पूछ कर उन्होंने फोन किया कि आपकी जानकारी गलत है। इसके बाद मुझसे एक दलाल से मिलने के लिए कहा था। यह देश के प्रधानमंत्री का चरित्र है। अभी तक हम लोग कह रहे थे लेकिन अब चार राज्यों के गवर्नर रह चुके सत्यपाल मलिक भी यही कह रहे हैं। आप नेता ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भ्रष्टाचार से तो कोई परहेज नहीं है। उनकी सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पैर से लेकर सिर तक भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं। इनका मकसद विपक्ष की सभी सरकारों को परेशान करना, तोड़ना और खरीद-फरोख्त करना है।

अरविंद केजरीवाल को बताया आधुनिक समय का महात्मा गांधी, पीएम और भाजपा पर साधा निशाना

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने सीबीआई के समन पर तीखे हमले किए और अरविंद केजरीवाल को आधुनिक महात्मा गांधी बताया। आप सांसद संजय सिंह ने आरोप लगाया कि दिल्ली, पंजाब की सरकारों को गिराने में हर हथियार फेल हो गया तो अब अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कर सरकार गिराने की साजिश रची गई है। भाजपा, पीएम नरेंद्र मोदी दिल्ली सरकार को गिराने के लिए यह फर्जी कहानियां रची जा रही हैं। उन्होने कहा, प्रधानमंत्री को भ्रष्टाचार के खिलाफ नहीं, केजरीवाल से लड़ाई लड?ी है क्योंकि दिल्ली सरकार उनकी आंख की किरकिरी बन गई है।

वहीं दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी ने कहा कि अरविंद केजरीवाल को सीबीआई ने इसलिए बुलाया क्योंकि वो एकमात्र ऐसे नेता जिसने मोदीजी की नाकामी और भ्रष्टाचार को देश के सामने रखा है। उन्होने कहा कि ये जितनी धमकी देंगे हम उतना आवाज उठाएंगे। देश केजरीवाल के साथ, हम इनकी गीदड़ भभकियों से डरेंगे नहीं। आप के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने कहा कि दिल्ली की आबकारी नीति पंजाब में लागू होने पर 40 फीसद राजस्व बढ़ा, खोट नीति में नहीं भाजपा की नीयत में है, इसलिए ईडी, सीबीआई ने मनगढ़ंत साक्ष्य के आधार पर समन भेज दिया। कंस को पता था कि भगवान श्रीकृष्ण ही उसका वध करेंगे वैसे ही भाजपा को पता है कि केजरीवाल ही भाजपा का अंत करेंगे इसलिए बीजेपी अरविंद केजरीवाल का राजनीतिक वध करने का प्रयास कर रही है लेकिन कंस जैसे कृष्ण का कुछ नहीं कर पाया वैसे ही भाजपा अरविंद केजरीवाल का बाल बांका नहीं कर पाएगी।

राघव चड्ढा ने कहा कि ईडी, सीबीआई का मकसद अभियोजन नहीं उत्पीड? करना है, रिकॉर्ड में 0 फीसद अभियोजन और 100 फीसद उत्पीड? है। मोदी सरकार ने 8 साल में 3555 नए केस दर्ज किए लेकिन केवल 0.05 फीसद लोगों को दोषी सिद्ध कर पाए।

टोल टैक्स वसूली के रूप में लोगों की जेब पर डाका टैक्स कम करें सरकार : हरी किशन जिंदल

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता व पूर्व जिलाध्यक्ष हरी किशन जिंदल ने कहा की जब कोई भी गाड़ी शोरूम से निकलती है तो उस पर लाइफटाइम रोड टैक्स ले लिया जाता है फिर उसके बाद जब वह सड़क पर चलती है तो उस पर टोल टैक्स सरकार द्वारा वसूला जाता है सरकार सड़क बनवाने के नाम पर रोड टैक्स लेती है फिर टोल टैक्स किस बात का वसूल रही है क्योंकि रोड टैक्स के नाम पर सरकार पहले ही पूरा पैसा जमा करा लेती है फिर उसके बाद टोल टैक्स किसलिए वसूला जाता है। श्री जिंदल ने बताया कि जब प्राइवेट कंपनियां सडके बनाकर टोल टैक्स लेती है तो जितने लागत की रोड का निर्माण होता है उससे कई गुना जनता से टोल टैक्स के रूप में वसूल किया जाता है यह जनता के पैसे की खुली लूट है इसको बंद किया जाना चाहिए। एक तरफ तो पेट्रोल डीजल के आसमान छूते रेट दूसरा उस पर लगभग तीन रुपए किलोमीटर का टोल टैक्स, जितने रुपए का ईंधन सड़क पर गाड़ी चलाने पर खर्च नहीं होता उससे ज्यादा का टोल टैक्स वसुला जाता है, आज अगर कोई अपनी गाडी से दिल्ली से कोई भक्त श्री मेंहदीपुर बालाजी जोकि लगभग 275 किलोमीटर दूर पडता है तो उसको वहां से आने जाने में लगभग 1200-1300 रुपए टोल टैक्स के देने पडते है जोकि बहुत ज्यादा है, यह सरासर उनकी जेब पर डाका है। सरकार गाड़ियों पर या तो रोड टैक्स ले या टोल टैक्स ले, आम जनता पर टैक्स की दोहरी मार पड़ रही है इसको कम किया जाना चाहिए। श्री जिंदल ने केन्द्रीय सडक परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से पत्र लिखकर मांग की है कि टोल टैक्स की दरें कम करके वसूली को कम

एक नजर

ठगी के आरोप में महिला गिरफ्तार, जयपुर में रह रही थी छिपकर

नई दिल्ली, एजेंसी। सीमापुरी थाना पुलिस ने एक ऐसी महिला को गिरफ्तार किया है। जो पिछले सात सालों से पुलिस की आंखों में धूल झोंक रही थी। पकड़ी गई आरोपी महिला किरन मोटोलिया है। किरन पर दो करोड़ के चिटफंड घोटाले और एक प्रॉपर्टी को बार-बार बेचकर लोगों को ठगने का आरोप था। शाहदरा जिला डीसीपी रोहित मीणा ने बताया कि महिला और इसके पति मनोज मोटोलिया के खिलाफ गांधी नगर और जगतपुरी थाने में साल 2014-15 में दो मामले दर्ज हैं। साल 2016 से किरन फरार थी। एक सूचना के बाद पुलिस की टीम ने उसे जयपुर से दबोचा है। शाहदरा जिला पुलिस पकड़ी गई महिला आरोपी से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है। सीमापुरी थाना की पीओ पकड? वाली टीम को सूचना मिली थी कि ठगी के मामले में भगोड़ी महिला आरोपी जयपुर में छिपकर रह रही है। पुलिस की टीम ने चुपचाप वहां की रैकी की। इसके बाद एक टीम का गठन कर विजयपथ जयपुर में छापेमारी की गई। वहां से आरोपी महिला को दबोच लिया गया। महिला को दिल्ली लाया गया। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि किरन ठगी के मामले में मुख्य आरोपी थी जबकि इसका पति सहयोगी था।

निगम सफाई कर्मी की काम के दौरान मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली नगर निगम के करोल बाग के अंतर्गत आने वाले नंबर 91 में शनिवार सुबह सफाई कार्य के दौरान एक दुर्घटना में सफाई कर्मचारी की मौत हो गई। जिसके बाद घटना स्थल पर ही सफाई कर्मियों ने पीड़ित के परिवार को न्याय देने की मांग के साथ सांकेतिक धरना प्रदर्शन भी किया है। करोल बाग जोन के सफाई कर्मचारी यूनियन के पदाधिकारी सत्यवान सारसर, अनिल लोहाट, मन्नू चावरिया आदि ने आरोप लगाते हुए बताया कि जिस व्यक्ति ने सफाई कर्मचारी के साथ दुर्घटना की है, लगता है कि वह यही आसपास का ही है और कोई दबंग भी हो सकता है इसलिए सीसीटीवी में उसका फोटो, वीडियो दिखाने में आनाकानी की जा रही है। प्रदर्शन के दौरान सफाई कर्मियों ने पीड़ित के परिजनों को पक्की नौकरी और उचित मुआवजा देने की मांग एमसीडी प्रशासन से की है। उन्होंने बताया कि हमने एमसीडी आयुक्त, उपायुक्त, स्थानीय पुलिस को भी घटना अवगत कराया गया है। यूनियन पदाधिकारियों ने कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए सोमवार, 17 तारीख को सुबह 11 बजे करोल बाग जोन पर एक जुट होंगे और पीड़ित कर्मचारी के परिवार को न्याय दिलाएंगे।

दिल्ली में पारा 42 डिग्री के करीब पहुंचा, लू की आशंका

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में पारा 42 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच गया है। मौसम विभाग ने शनिवार को कुछ अलग-अलग स्थानों पर लू चलने की आशंका है जताई है। राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार का दिन इस मौसम में अब तक सबसे गर्म रहा। मौसम विज्ञान (आईएमडी) के अनुसार, अक्षरधाम के पास स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स तापमान सबसे ज्यादा 41.9 डिग्री सेल्सियस था। पीतमपुरा और फरीदाबाद में अधिकतम तापमान क्रमशः 41.4 डिग्री और 41.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आईएमडी ने बताया कि शुक्रवार को नजफगढ़ और रिज में 40.8 डिग्री सेल्सियस और पूसा में तापमान 40.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लोधी रोड, आयानगर और पालम में क्रमशः 39.4, 39.1 और 39 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आईएमडी ने शनिवार के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। सफदरजंग ऑब्जर्वेटरी में अगले तीन दिन तक अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। वहीं अन्य स्टेशनों पर यह 42-43 डिग्री सेल्सियस को छू सकता है। आईएमडी के एक अधिकारी ने कहा, जनता को गर्म मौसम के दौरान सावधानी बरतने और शरीर में पानी बनाए रखने की सलाह दी जाती है।

दिल्ली सरकार ने 17 अप्रैल को विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया

नई दिल्ली, एजेंसी। शराब नीति घोटाले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा समन किए जाने के एक दिन बाद दिल्ली सरकार ने 17 अप्रैल को विधानसभा का विशेष सत्र बुलाने की घोषणा की। सूत्रों के मुताबिक, विधानसभा इस तथ्य पर चर्चा करेगी कि कुछ शक्तियां आम आदमी पार्टी (आप) के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों के खिलाफ माहौल बना रही हैं। सूत्रों ने कहा, इस विशेष सत्र में विधायक राजेश गुप्ता और आतिशी तथा सेवा विभाग के अनुत्तरित सवालों के मुद्दों पर एक समिति की रिपोर्ट सदन के पटल पर पेश की जाएगी। सीबीआई के समन के जवाब में, केजरीवाल ने दावा किया है कि केंद्रीय जांच एजेंसियां अपने सबसे मजबूत राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को निशाना बनाने के लिए चरम सीमा तक जा रही हैं। पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी का जिक्र करते हुए केजरीवाल ने शनिवार को कहा कि इन एजेंसियों ने झूठा दावा किया है कि 14 फोन नष्ट कर दिए गए, हलफनामों में अदालतों में झूठ बोला, झूठे कबूलनामे निकालने के लिए संदिग्धों को प्रताड़ित किया और धमकियां दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि एजेंसियों को अवैध रूप से अर्जित संपत्ति का एक पैसा भी नहीं मिला है, जिसके बारे में उन्होंने तथाकथित शराब घोटाले से इकट्ठा करने का दावा किया था।

मान्यता प्राप्त पत्रकारों को किया गया सम्मानित, पत्रकार नही संस्थान हुई हैं कमजोर : राम बहादुर राय

नई दिल्ली, एजेंसी। पत्रकारों की स्थिति आज भी दयनीय है, उनके विचारों से समाज में बदलाव तो आता है लेकिन जब बात अपनी होती है तो वो पिछड़ा हुआ नजर आता है। पत्रकारों को वर्तमान और आने वाले समय की परिकल्पना करते हुए स्वयं को विकसित करना होगा, अपनी सुख सुविधाओं के लिए मात्र सरकार पर आश्रित न होते हुए मीडिया घरानों के मालिकों के साथ मिलकर परस्पर विकास की रूपरेखा बनानी होगी।

पत्रकार सम्मान समारोह पर राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त पत्रकारों की संस्था एक्रिडिशन जर्नलिस्ट्स एसोसियेशन ने प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में अवार्ड समारोह का आयोजन किया जिसमें जाने माने वरिष्ठ पत्रकारों ने उपस्थिति दर्ज कराई। मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार राम बहादुर राय, अतिथि पूर्व मंत्री योगानंद शास्त्री, पूर्व अध्यक्ष दिल्ली विधानसभा, रमाकांत गोस्वामी, वरिष्ठ पत्रकार व पूर्व मंत्री दिल्ली सरकार, उमा कांत लखेरा अध्यक्ष प्रेस क्लब ऑफ इंडिया, महा सचिव विनय कुमार, एक्रिडियशन जर्नलिस्ट्स एसोसियेशन, अध्यक्ष विजय शंकर चतुर्वेदी आदि थे। इस मौके पर श्री राम बहादुर राय, अध्यक्ष इंदिरा गाँधी नेशनल सेंटर फॉर आर्ट्स ने कहा "आज धर्म और राजनीति एक साथ हो गई है, उन्होंने पत्रकारों की दयनीय स्थिति पर भी चिंता जाहिर करते हुए कहा कि आज पत्रकार नहीं संस्थाएं कमजोर हो गई है, उन्होंने सम्मानित किए गए वरिष्ठ पत्रकारों उमेश जोशी और मधुरेंद्र सिन्हा को बधाई देते हुए कहा की दोनों ने अपना जीवन पत्रकारिता को समर्पित किया लेकिन समझाते की पत्रकारिता नहीं की।समाज को नई दिशा दिखाने का काम किया है।" श्री योगानंद शास्त्री पूर्व अध्यक्ष दिल्ली विधानसभा ने कहा, "आज पत्रकारिता के माने बदल गए, जबसे आधुनिकता पत्रकारिता में आई है, तब से और भी धार आने लगी है, लेकिन बैड न्यूज ने काफी कुछ कहने के लिए मजबूर किया है। श्री रमाकांत गोस्वामी वरिष्ठ पत्रकार व पूर्व मंत्री दिल्ली सरकार ने कहा कि देश में लोकतंत्र को सुरक्षित बनाये रखने के लिए पत्रकारों को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। विजय शंकर चतुर्वेदी अध्यक्ष मान्यता प्राप्त पत्रकार संस्था ने मंच संचालन किया और उन्होंने कहा कि हमारी संस्था को गर्व है की द्वारा दोनो पत्रकारों को सम्मानित किया गया, उन्होंने अपने कर्तव्य का बखूबी निर्वाह किया है। अध्यक्ष विजय शंकर चतुर्वेदी ने मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन के उदेश्यों प्रकाश डाला और भारत सरकार व सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से पत्रकारों की सुरक्षा, पेंशन, रेलवे कन्सेशन को पुनः लागू करने देश भर में बस यात्रा फ्री करने पत्रकारों को पेंशन देने के आलावा देश भर के प्राइवेट और सरकारी अस्पतालों में निशुल्क इलाज की व्यवस्था करने के अलावा अन्य सुविधाओं आदि की मांग की क श्री चतुर्वेदी ने सरकार से मांग की कि पत्रकारों की समस्याओं के समाधान के लिए एक मीडिया कमीशन का गठन कर-के उन्हें संबैधानिक दिया जाये तथा पी.आई. बी द्वारा को पत्रकारों की मान्यता की प्रक्रिया का सरलीकरण किया जाये। इस अवसर पर पीआर गुरु के डायरेक्टर मनोज कुमार शर्मा ने कहा कि देश में' पत्रकारों पर हो रही हिंसक घटनाओं को रोकने के लिए सभी राज्य सरकारों पर दबाव बनाना होगा। इस अवसर पर उपस्थित सभी अतिथियों और पत्रकारों का श्री कोड़ले चान्नपा' ने सभी का आभार व्यक्त किया।

प्रयागराज: मुठभेड़ में मारे गए असद और गुलाम के शवों को दफनाया गया

प्रयागराज (उप्र), एजेंसी। गैंगस्टर से नेता बने अतीक अहमद के बेटे असद अहमद का शव शनिवार सुबह यहां कसारी मसारी कब्रिस्तान में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच दफनाया गया, जबकि उसके साथी गुलाम का शव शिवकुटी स्थित कब्रिस्तान में दफन किया गया।

बहुजन समाज पार्टी के विधायक राजू पाल के हत्याकांड के प्रमुख गवाह रहे उमेश पाल और उसके दो सुरक्षाकर्मियों की इसी साल 24 फरवरी को प्रयागराज में ताबड़तोड़ गोलियां चला कर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में वांछित अभियुक्त असद अहमद और गुलाम बृहस्पतिवार को झांसी में विशेष कार्य बल के साथ हुई मुठभेड़ में मारे गए थे। यह घटना उस समय हुई थी, जब अतीक और उसके भाई अशरफ अहमद की प्रयागराज की एक अदालत में पेशी हो रही थी।

कब्रिस्तान में अतीक अहमद के रिश्तेदारों और परिचितों को ही दाखिल होने दिया गया और मीडियाकर्मियों को भीतर जाने की अनुमति नहीं दी गई। असद का शव लेकर एंबुलेंस भारी सुरक्षा के बीच सुबह करीब नौ बजे कब्रिस्तान पहुंची। एंबुलेंस में शव के साथ असद का फूफा उस्मान था। कसारी मसारी कब्रिस्तान में शव को दफनाने की प्रक्रिया करीब एक घंटे चली। इस दौरान अतीक अहमद और उसके परिवार का कोई करीबी सदस्य नजर नहीं आया। कब्रिस्तान के चारों तरफ भारी संख्या में पुलिस बलों की तैनाती की गई थी। संयुक्त पुलिस आयुक्त आकाश कुलहरी ने बताया कि अतीक के दूर के कुछ रिश्तेदारों और उसके मोहल्ले के लोगों को कब्रिस्तान में जाने दिया गया। कुलहरी ने बताया कि गुलाम का शव शिवकुटी थाना अंतर्गत कब्रिस्तान में दफनाया गया। असद के शव को दफनाए जाने के बाद कब्रिस्तान से बाहर आए उसके एक रिश्तेदार हामिद अली ने संवाददाताओं को बताया कि जनाजे में उसके फूफा के अलावा कोई करीबी रिश्तेदार शामिल नहीं हुआ। उसने बताया कि जनाजे में करीब 100 लोग शामिल हुए और कब्रिस्तान में आने से किसी भी रिश्तेदार और परिचित को रोका नहीं गया।

उल्लेखनीय है कि यहां मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने उमेश पाल हत्याकांड में नामजद आरोपी अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ अहमद को बृहस्पतिवार को पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया था। अतीक अहमद ने अपने बेटे के जनाजे में शामिल होने के लिए शुक्रवार को अपने वकील के माध्यम से मजिस्ट्रेट के पास एक प्रार्थना पत्र दिया था जिस पर शनिवार को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में निर्णय लिया जाना था, लेकिन अदालती कार्यवाही से पहले ही शव को दफनाने की प्रक्रिया पूरी हो गई।

असद, अतीक अहमद के पांच बेटों में तीसरे नंबर का बेटा था और उमेश पाल हत्याकांड के बाद से ही फरार था। अतीक का सबसे बड़ा बेटा उमर लखनऊ जेल में निरुद्ध है, जबकि उसका उमर से छोटा बेटा अली नैनी सेंट्रल जेल में निरुद्ध है। वहीं चौथे नंबर का बेटा अहजम और सबसे छोटा बेटा अबान प्रयागराज के बाल सुधार गृह में हैं। उमेश पाल हत्याकांड में अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन और उसके भाई अशरफ अहमद की पत्नी जैनब भी फरार है इसलिए असद के अंतिम संस्कार में अतीक के परिवार का कोई सदस्य शामिल नहीं हो पाया।

कसारी मसारी कब्रिस्तान में असद की कब्र खोदने वाले जानू खान ने बताया कि अतीक अहमद की मां और उसके पिता की कब्र के पास असद की कब्र खोदी गई है।

थाना जहानाबाद जनपद फतेहपुर में अवैध असलहो की फैक्ट्री का भंडाफोड

एनसीआर समाचार

उत्तर प्रदेश: पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिंह फतेहपुर द्वारा अवैध शस्त्र निर्माण व विक्री के लिए चलाये गये अभियान के क्रम में व अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में व क्षेत्राधिकारी बिन्दकी के कुशल परिवेक्षण में जहानाबाद थानाध्यक्ष मय स्वाट टीम प्रथम के संयुक्त टीम द्वारा 13 अप्रैल की रात्रि में मुखबिर की सूचना पर पाताली देवी मंदिर जाने वाली रोड से पूर्व दिशा में बने एक पुराने मंदिर के पास जंगल मे थाना क्षेत्र जहानाबाद जनपद फतेहपुर में अवैध शस्त्र फैक्ट्री चला रहा अभियुक्त संतोष पाल पुत्र सुंदर पाल उम्र करीब 27 वर्ष निवासी ग्राम गडरियन की अडार मजरे जमरावा थाना हुसैनगंज जनपद फतेहपुर को समय करीब रात्रि में 01.20 बजे गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किया गया व्यक्ति अवैध असलहा बनाने में एक शातिर व

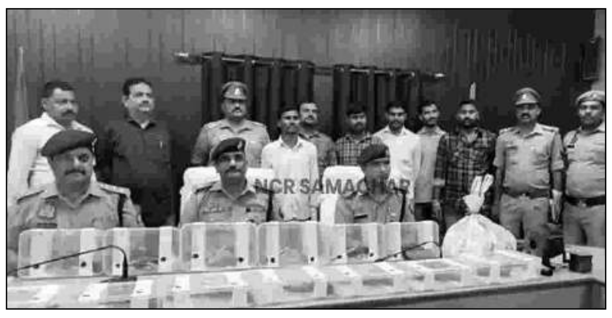

अभ्यस्त अपराधी है, जो असलहा बनाने का निपुण कारीगर है, जो असलहा बनाने में पूर्व में कई बार जेल जा चुका है, तथा जेल से छूटने के बाद पुनः इसी कार्य में व्यस्त हो जाता है। अभियुक्त के पास से 13 अदद तमंचा नाजायज (दो अदद तमंचा 12 बोर व 11 अदद तमंचा 315 बोर) व एक अदद कारतूस जिन्दा 12 बोर व एक अदद कारतूस जिन्दा 315 बोर व ढेर सारी अघबनी नाल व एक अदद मोबाइल लावा कम्पनी कीपैड व असलहा बनाने के उपकरण आदि बरामद कर थाना हाजा पर मु0अ0स0 118/23 धारा 3/5/25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत विधिक कार्यवाही कर माननीय न्यायालय भेजा गया। गिरफ्तारअभियुक्त का नाम पता संतोष पाल पुत्र सुंदर पाल उम्र करीब 27 वर्ष निवासी ग्राम गडरियन। बरामदगी- 1. दो अदद तमंचा 12 बोर 2. 11 अदद तमंचा 315 बोर 3. एक अदद कारतूस जिन्दा 12 बोर 4. एक अदद कारतूस जिन्दा 315 बोर 4. एक अदद मोबाइल लावा कम्पनी कीपैड अभियुक्त का आपराधिक इतिहास- 5. मु०अ०सं०] 35/20 धारा 376/25 आर्ग एक्ट थाना दुजोर 2. मु0अ0सं0 173/20 धारा 376/25 आर्य एक्ट थाना फो 6. मु0अ0सं0 180/16 धारा 60 आबकारी अधि० थानागंज 4. मु0अ0सं0 146/12 धारा 25 आयुध अधि० थाना हुसैनगंज फोहर 7. मु0अ0सं0 91/07 धारा 5/25 आम एक्ट थाना जोर 8. मु0अ0सं0 92707 धारा 25 आर्य एक्ट थाना हुसैनगंज फोहर 9. मु0अ0सं0 101/07 धारा 25 आर्ग एक्ट थाना हुसैनगंज फतेहपुर गिरफ्तार करने वाली टीम 1. थानाध्यक्ष विनोद कुमार मिश्रा 2. उ0नि0 विनोद कुमार सिंह 3. उ०नि० प्रशान्त कटियार 4. का0 रवि कुमार 5. का० मुकेश कुमार, एसओजी टीम प्रथम 1. प्रभारी एसओजी अनिरुद्ध कुमार द्विवेदी। 2. हे0का0 अनिल सिंह 3. का० पंकज सिंह 4. हे०का० शैलेन्द्र कुशवाहा 5. का फूलचंद्र इ. का० अतुल त्रिपाठी थानाध्यक्ष थाना जहानाबाद फतेहपुर।

दरियाबाद नगर पंचायत मोहल्ला वारिसनगर में गन्दगी का लगा अंबार

एनसीआर समाचार

बाराबंकी विकास खण्ड दरियाबाद के नगर पंचायत मोहल्ला बरवारी वारिसनगर की तस्वीर आप देख रहे हैं, जहां उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार में विकास की गंगा बह रही है, दरियाबाद कस्बा वारिसनगर की मस्जिद और मदरसे को जाने के लिए मैंन रास्ते में गंदगी का अंबार लगा हुआ है, ऐसे में संक्रमण बढ़ने का खतरा मंडरा रहा है मच्छरों का आतंक से मलेरिया बुखार होने का प्रकोप बढ़ सकता है यहाँ लोगों का आवागमन बाधित होने पर भी नगर पंचायत के मुखिया से लेकर कर्मचारियों तक मौन धारण किये है, विकास के बड़े-बड़े दावे करने वाले मुखिया साफ-सफाई व्यवस्था नहीं करवा पा रहे हैं। इस कूड़ा ढ़ेर के आस-पास छुट्टा मवेशियों का जमावड़ा भी लगा रहता है, आपको बताते चलें अगले महीने में निकाय चुनाव होने वाले हैं दरियाबाद नगर पंचायत के सभी प्रत्याशी अपनी-अपनी ताल ठोकने में लग गए हैं।

शाहजहांपुर तिलहर की गर्रा नदी में ट्रैक्टर-ट्रॉली गिरने से 14 लोगों की मौत, योगी ने जताया दु:ख

एनसीआर समाचार

उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में आज एक बड़ा सड़क हादसा हुआ, जिसमें 14 लोगों की मौत हो गई। यह हादसा तिलहर थाना क्षेत्र में हुआ है। शनिवार की दोपहर की घटना है, जब भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली गर्रा नदी के पुल के नीचे गिर गई। उस वक्त ट्रॉली में महिलाओं और बच्चों समेत करीब 40 लोग सवार थे। इस हादसे में 20 से अधिक लोग घायल हुए हैं और 14 लोगों की मौत हो गई है। यहां से तिलहर थाना थाना इलाके के बिरसिंहपुर गांव के पास हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन के अफसर वहां पहुंच गए। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।

मिली जानकारी के मुताबिक ट्रैक्टर ट्रॉली सवार लोग ददरौल के सुनौरा गांव के रहने वाले थे गर्रा नदी से जल लेने गए थे। गर्रा नदी से जल भरने आए थे स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के मुताबिक ददरौल के सुनहरा गांव के आकाश तिवारी के यहां कथा का आयोजन होना था, गांव के कई लोग शनिवार की सुबह ट्रैक्टर ट्रॉली में सवार होकर तिलहर क्षेत्र में निगोही मार्ग पर बिरसिंहपुर गांव के पास गर्रा नदी से जल भरने के लिए आए थे। जल भरने से पहले चालक ट्रैक्टर ट्रॉली को बड़ा नदी के पुल पर मोर रहा था जिस दौरान पीछे करते वक्त ट्रॉली पल से नीचे उतर गई। इसी दौरान ट्रॉली में सवार सभी लोग नीचे जा गिरे। घटना के वक्त ट्रॉली में महिलाएं बच्चे समेत कई लोग सवार थे।

इस घटना में 14 लोगों के मरने की पुष्टि की गई है। ट्रॉली के नीचे दबे सभी लोगों को बाहर निकाल लिया गया है। घायलों को अस्पताल पहुंचा दिया गया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री में शोक व्यक्त किया मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शाहजहांपुर में हुए इस हादसे पर शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए कामना की है।

जी-20 की बैठक में भाग लेने के लिए विदेशी मेहमानों का पहला जत्था वाराणसी पहुंचा

वाराणसी, एजेंसी। जी-20 के एग्रीकल्चर वर्किंग ग्रुप की 17 से 19 अप्रैल तक होने वाली बैठक में भाग लेने के लिए शनिवार को विदेशी मेहमानों का पहला जत्था वाराणसी पहुंचा। लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उनका जोरदार स्वागत किया गया। इसके बाद मेहमान कड़ी सुरक्षा के बीच यहां से नदेसर स्थित होटल के लिए रवाना हो गए।

सोमवार (17 अप्रैल) से नदेसर स्थित एक होटल में जी-20 के एग्रीकल्चर वर्किंग ग्रुप की बैठक होगी। एग्रीकल्चर वर्किंग ग्रुप की बैठक के समन्वय की जिम्मेदारी भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान (आईआईवीआर) शहंशाहपुर को सौंपी गई है। तीन दिवसीय इस बैठक में कृषि में आधुनिक तकनीक से पैदावार बढ़ाने, जलवायु परिवर्तन के खतरों से बचने, खाद्य सुरक्षा, कीटों एवं मौसम से फसलों को बचाने आदि विषयों पर कृषि विशेषज्ञ विमर्श करेंगे। बैठक में जी-20 देशों के 80 कृषि वैज्ञानिक, ऑब्जर्वर और फूड पॉलिसी विशेषज्ञ शामिल होंगे। पहले जत्थे में शामिल मेहमानों का विवरण अभी नहीं मिल सका है। एयरपोर्ट पर विदेशी मेहमानों का स्वागत करने वालों में मछली शहर के भाजपा सांसद बीपी सरोज, एयरपोर्ट की निदेशक आर्यमा सान्याल, सीआईएसएफ के अफसर, एसडीएम अंशिका दीक्षित, भाजपा किसान मोर्चा काशी क्षेत्र के उपाध्यक्ष शैलेष पांडेय और अन्य नेता शामिल रहे।

श्रावस्ती में बौद्ध परिपथ पर मार्ग दुर्घटना में छह की मौत, आठ घायल

श्रावस्ती, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती जिले में बौद्ध परिपथ पर इकौना थानाक्षेत्र में सोनरई के निकट शनिवार सुबह एक कार के अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराने के बाद गड्ढे में गिर जाने से छह लोगों की मौके पर मौत हो गई जबकि आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हताहतों में ज्यादातर लोग एक ही परिवार के थे। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने बताया कि शनिवार सुबह बौद्ध परिपथ पर उनका वाहन अनियंत्रित होकर एक पेड़ से टकराया और सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरा। उनके अनुसार इस दुर्घटना के फलस्वरूप इनोवा में सवार हीरा लाल उर्फ शैलेंद्र गुप्ता (30), मुकेश कुमार (30), पुत्ती लाल उर्फ अर्जुन (32), वीरु उर्फ अमित (09),रामा देवी (28) तथा कार चालक हरीश कुमार (42) की मौके पर मृत्यु हो गई। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल सुरेश कुमार (42), ननके (35), नीतू (28), बबलू (34), सुंदरा (30), रूही (08), लाडो (05) बबलू तथा नीलम (25) (सभी निवासी करमोहना थाना इकौना जनपद श्रावस्ती) को इलाज हेतु बहराइच मेडिकल कालेज भेजा गया है। उन्होंने बताया कि मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम कराकर उनके परिजनों को सौंपा जाएगा। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि श्रावस्ती जिले के इकौना एवं बलरामपुर के कुछ लोग लुधियाना में परिवार सहित रहकर मेहनत मजदूरी करते हैं और इनके परिवार में एक बुजुर्ग की मृत्यु हो गई थी । उन्होंने बताया कि इसी बुजुर्ग की अंत्येष्टि में शामिल होने ये सभी एक इनोवा कार से लुधियाना से अपने गांव आ रहे थे।

प्रकृति और मनुष्य के आत्मीय रिश्ते पर आधारित आदिवासी दर्शन : रणेंद्र

इविवि में 'आदिवासी दर्शन और इतिहास' विषय पर व्याख्यान

प्रयागराज, एजेंसी। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में आयोजित रचनाकार से संवाद' के तहत 'आदिवासी दर्शन और इतिहास' विषय पर चर्चित कथाकार रणेंद्र ने कहा कि आदिवासी दर्शन प्रकृति और मनुष्य के आत्मीय रिश्ते पर आधारित है। शनिवार को हिन्दी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित व्याख्यान में रणेंद्र ने यूरोपीय इतिहास दृष्टि की आलोचना की, जिसके तहत आदिवासी समुदाय को वंचित, ज्ञानहीन और लाचार करार दिया गया।

उन्होंने कहा कि वैश्विक और औद्योगिक पूंजी की नजर आदिवासी क्षेत्रों पर गड़ी हुई है। मानवशास्त्र के अध्येताओं ने भी आदिवासियों को संग्रहालय की वस्तु की तरह दिखाने की बेमानी की है। आदिवासी इलाकों में

विकास का देशज मॉडल क्या हो, इस पर मंथन जारी है। आलोचक डॉ कुमार वीरेन्द्र ने रणेन्द्र के उपन्यासों ग्लोबल गाँव के देवता, गायब होता देश और गूँगी रुलाई का कोरस को एक साथ मिलाकर पढ़ने की जरूरत पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि रणेंद्र के उपन्यास अनन्य और अन्य के द्वंद्व को गम्भीरता से रेखांकित करते हैं। रणेंद्र की संवेदना मनुष्यता के पक्ष में है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ बसन्त त्रिपाठी ने कहा कि रणेन्द्र आदिवासी समाज और विमर्श को वैश्विक संदर्भ में देखने का प्रयास करते हैं। कार्यक्रम का संयोजन और संचालन डॉ जनार्दन तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ वीके मीणा ने किया। अंत में रणेन्द्र ने विद्यार्थियों के प्रश्नों का जवाब देते हुए आदिवासी समाज की सामूहिकता, सामाजिकता, प्रतीकों, मिथकों और प्रार्थनाओं पर भी अपने विचार प्रकट किए। इस अवसर पर हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रो. प्रणय कृष्ण, डॉ आशुतोष पार्थेश्वर, डॉ सूर्यनारायण, डॉ बृजेश कुमार पांडेय, डॉ कल्पना वर्मा, डॉ उमेश कुमार, डॉ गाजुला राजू, डॉ संतोष कुमार सिंह, डॉ मीना कुमारी, डॉ अमृता, डॉ सुनील विक्रम सिंह, डॉ शिव कुमार यादव, डॉ लक्ष्मण प्रसाद गुप्ता, प्रो विवेक तिवारी, इविवि की पीआरओ प्रो. जया कपूर, संध्या नवोदिता, मनोज पांडेय समेत शोधार्थी, विद्यार्थी और शिक्षक उपस्थित रहे।

एक नजर

उत्तर प्रदेश: अपने तरफ से और अपने नाबालिक बच्चों की तरफ से फितरा देना जरूरी है- इमाम सरफुल्लाह निजामी

एनसीआर समाचार

उत्तर प्रदेश: विशुनपुरा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पूर्नहा बुजुर्ग मस्जिद के इमाम सरफुल्लाह निजामी ने बताया कि, इस माहे रमजान में पर मर्द औरत पर रुपया 40 फितरा हर मलि के के निशाब पर फिरता देना वाजिब है, जो अपने तरफ से फितरा नहीं देगा उसका रोजा जमीन आसमान के बीच लटका दिया जाएगा रब की बारगाह में कबूल नहीं होगा इसलिए हर आदमी पर ?40 के हिसाब से फितरा देना जरूरी है। अगर ईद उल फितर की नमाज से पहले अगर घर में कोई बच्चा या बच्ची पैदा होती है, तो उसका भी फितरा देना जरूरी है। मालदार तीन हैसियत के होते हैं और आला औसत अदना बेहतर यह है बेहतर यह है कि, जिन्हें अल्लाह ने खूब नवाजा है वह खजूर या मुनक्का या उसका दाम सदका फितर में अदा करें कम अजकम 40 रुपया फि नफर जरूर दें हमारे हमारे न मस्जिद के तरफ से सबके आसानी के लिए गेहूं और उसके आटा के पेसे नजर फ्री नफर ?40 का ऐलान किया जाता है, जो ज्यादा दे उसके लिए ज्यादा ऊजरा है यह ऐलान हमारे नमस्जिद के तरफ से पूर्व ज्वार के लोगों के लिए है रोजा का पहला अशरा चल रहा है।

कुशीनगर में अम्बेडकर जयंती पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि ने ग्राम वासियों को कराया भोजन

एनसीआर समाचार

उत्तर प्रदेश: कुशीनगर सुकरौली स्थानीय तहसील हाटा के पिडरा ग्राम सभा मिथुन की देखरेख में डॉक्टर भीम राव अम्बेडकर जयंती के पर्व पर भजन कीर्तन के साथ ही भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमे क्षेत्र के सभी डॉक्टर भीम राव अम्बेडकर के अधूरे मिशन को बढ़ाने में बढ़चढ़ कर हिस्सा लेते कार्यक्रम को सफल बनाया। बता दें कि, पिडरा घुरदास टोला पर पिछले पांच सालों से अम्बेडकर जयंती के पर्व पर भजन कीर्तन के साथ ही भंडारे का आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि डीएन ने पुरे ग्राम वासियों को भोजन कराया और एस०डी० पब्लिक स्कूल के प्रबन्धन एस० एन० पटेल ने सभी टोलीयो का जलपान कराया। क्षेत्र के सभी व्यक्ति दयानन्द, मनिष राधे मटेलू मिलन अमित हरिन्दर पंकज अजय मिशन को आगे बढाने में सहयोग किया। भाजपा के कार्यकर्ता सुभाष पाण्डे ने कार्यकरम को सम्बोधित किया।

गोण्डा में कोर्ट के आदेश होने पर भी थाना अध्यक्ष नहीं कर रहे बुजुर्ग के साथ न्याय

एनसीआर समाचार

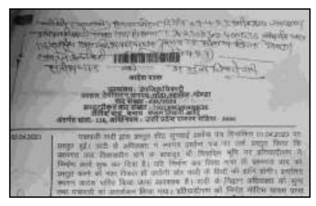

उत्तर प्रदेश: गोण्डा कोर्ट के आदेश को संज्ञान लेने में भी हिचक रहे हैं थाना अध्यक्ष कहीं विपक्षी की मिलीभगत तो नहीं है। बता दें कि, यह मामला मुख्यालय से कुछ ही दूरी पर केशवपुर कटरा मार्ग पूरे उड़ाई गोंडा का है। जहां विगत पिछले 4 महीने से न्याय के लिए भटक रहा एक बुजुर्ग किसका नाम खूबचंद उम्र लगभग 70 वर्ष जो बहुत ही लाचार व गरीब व्यक्ति है जिसकी जमीन गाटा संख्या 298 हैं, जो दबंग भू माफिया के द्वारा निर्माण कराया जा रहा है जिसका मुकदमा कोर्ट में विचाराधीन है, 3 अप्रैल को उप जिला अधिकारी महोदय गोंडा द्वारा स्टे कर दिया गया और संबंधित थाना अध्यक्ष को सूचना और कागजात दे दिया गया था, फिर भी दबंग अपनी हरकत से बाज नहीं आ रहे थे और निर्माण कार्य करा रहे थे। 9 अप्रैल को नगर थाना प्रभारी मौके पर पहुंच कर करीब 2 बजे निर्माण कार्य बंद करवा दिया और दोनों पार्टी को थाना नगर में बुलाकर समझाया था, लेकिन उसी दिन साम को 7 बजे विपक्षी राजेंद्र तिवारी पत्नी सीता देवी मंजुल मयंक सभी लोग आकर उसमें रहने लगे, जिसकी सूचना उप जिला अधिकारी और नगर थाना अध्यक्ष को दे दिया गया था, फिर मैंने राजेंद्र तिवारी से बात किया कि, इस जमीन मकान का स्टे हो गया है।

कन्नड़ और हिन्दी का निरंतर सम्बंध पोषण हुआ : प्रो विक्रम विसाजी

प्रयागराज, एजेंसी। इलाहाबाद विश्वविद्यालय, हिन्दी विभाग में कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय के कन्नड़ विभाग के प्रोफेसर विक्रम विसाजी ने कहा कि भक्ति आंदोलन से लेकर आधुनिक काल तक कन्नड़ और हिन्दी का निरंतर सम्बंध पोषण हुआ है।

नौवीं शताब्दी में कन्नड़ की पुस्तकें प्राप्त होना शुरू होती हैं। इन सभी प्रारम्भिक पुस्तकों में संस्कृत और अन्य भारतीय भाषाओं की प्रेरणा स्वाभाविक रूप में मौजूद है। शनिवार को कन्नड़ और हिन्दी साहित्य के अंतसंबंध विषयक व्याख्यान में उन्होंने कहा कि आज कन्नड़ साहित्य भी आधुनिक भाव बोध को उसी प्रकार से जीता है जैसा कि आधुनिक भारतीय भाषाओं में देखने को मिलता है। मानवता, मूल्यबोध, समानता, आधुनिकता और राष्ट्र निर्माण कन्नड़ साहित्य को अखिल भारतीय स्वरूप प्रदान करते हैं। उन्होंने हिन्दी और कन्नड़ साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन पर जोर दिया। इस अवसर पर श्रीमती विसाजी भी मौजूद थीं। द्वय अतिथियों का स्वागत हिन्दी विभाग के डॉ राजेश कुमार गर्ग ने किया। कार्यक्रम का संचालन और धन्यवाद ज्ञापन डॉ शिव कुमार यादव ने किया। कार्यक्रम में हिन्दी विभाग के प्राध्यापक डॉ वीरेन्द्र कुमार मीणा, डॉ अंशुमान कुशवाहा, डॉ जनार्दन सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे। अतिथि व्याख्यान के पूर्व उपस्थित राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने गर्मियों में गौरैया आदि पक्षियों के संरक्षण, पोषण और उनकी व्यक्तिगत चिंता और सेवा करने का संकल्प भी लिया।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले आकांक्षात्मक विकास खंडों को मिलेगा पुरस्कार

लखनऊ, एजेंसी। योगी सरकार उन आकांक्षात्मक विकास खंडों को पुरस्कृत करेगी जो विकास के कार्यों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे। ऐसे विकासखंडों को पुरस्कार के रूप में एक करोड़ रुपये प्रदान किये जाएंगे। वित्तीय वर्ष 2023-24 में नई मांग के माध्यम से संचालित योजनाओं में आवंटित बजट को आगामी तीन माह में व्यय किये जाने की कार्ययोजना में इसका प्रावधान किया गया है।

कार्ययोजना के अंतर्गत प्रदेश के ऐसे आकांक्षात्मक विकासखंडों को प्रोत्साहित करने के लिए यह राशि प्रदान की जाएगी, जिन्होंने विकास कार्यों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

कर्नाटक के पूर्व उपमुख्यमंत्री लक्ष्मण सावदी कांग्रेस में हुए शामिल

एनसीआर समाचार

कर्नाटक के पूर्व उपमुख्यमंत्री लक्ष्मण सावदी से मुलाकात पर कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने कहा कि लक्ष्मण सावदी के साथ मेरी बहुत लंबी मुलाकात हुई। उन्होंने बीजेपी से इस्तीफा दे दिया है और वह कांग्रेस पार्टी में शामिल हो चुके है।

कर्नाटक के पूर्व उपमुख्यमंत्री लक्ष्मण संगप्पा सावदी कांग्रेस में शामिल हो गए। उन्होंने हाल ही में बीजेपी से नाता तोड़ लिया है। जानकारी के मुताबिक, लक्ष्मण संगप्पा बेलगाम से बेंगलुरु पहुंचे। बेंगलुरु पहुंचने पर उन्होंने डीके शिवकुमार और नेता प्रतिपक्ष सिद्धारमैया से मुलाकात की।

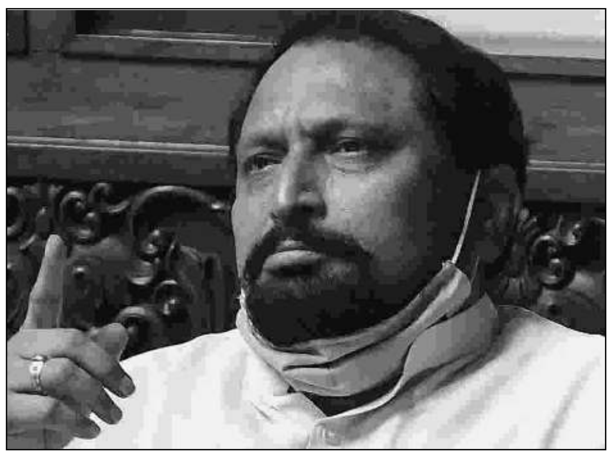

कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने कहा

कर्नाटक के पूर्व उपमुख्यमंत्री लक्ष्मण सावदी से मुलाकात पर कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने कहा कि लक्ष्मण सावदी के साथ मेरी बहुत लंबी मुलाकात हुई। उन्होंने बीजेपी से इस्तीफा दे दिया है और कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए हैं। कोई शर्त नहीं है, वह बहुत वरिष्ठ नेता हैं, उन्हें लगता है कि उन्हें भाजपा में अपमानित किया गया है और हमारा कर्तव्य है कि हम ऐसे नेता को कांग्रेस पार्टी में ले जाएं। कांग्रेस नेता सिद्धारमैया ने कहा कि सावदी ने केवल एक ही शर्त रखी है कि उनके साथ उचित व्यवहार किया जाना चाहिए। सावदी को अथानी का टिकट दिया जाएगा, वह कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ेंगे और मुझे उम्मीद है कि वह विजयी होंगे।

मैं भीख का कटोरा लेकर घूमने वालों में से नहीं हूं

इससे पहले, लक्ष्मण सावदी ने अथानी निर्वाचन क्षेत्र से टिकट से वंचित होने के बाद 12 अप्रैल को विधान परिषद सदस्य और भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने कहा कि मैंने अपना फैसला कर लिया है। मैं भीख का कटोरा लेकर घूमने वालों में से नहीं हूं। मैं एक गर्वित राजनीतिज्ञ हूं। मैं किसी के प्रभाव में आकर काम नहीं कर रहा हूं।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए बीजेपी के वरिष्ठ नेता और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने कहा था कि हमने उन्हें सब कुछ दिया है। उनके उदासी कारण पता नहीं है। उन्होंने यह फैसला क्यों लिया मुझे नही पता। मैंने उनसे संपर्क करने की पूरी कोशिश की, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका।

कुशीनगर विकासखंड में धूमधाम से मनाई गई बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती

एनसीआर समाचार

उत्तर प्रदेशः कुशीनगर विकासखंड बिशनपुरा के भाजपा पिपरा बाजार मंडल द्वारा महापुरुषों के प्रतिमा का सभी जगह डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को माल्यार्पण सफाई किया गया। आज सम्मानित पदाधिकारी गण अपने-अपने क्षेत्र में क्षेत्र में महापुरुषों के प्रतिमा के साफ-सफाई में पिपरा बाजार क्षेत्र के मूंडमूंडवा दलित बस्ती में मंडल अध्यक्ष महेश रौनियार ने कहा कि भारत के पूर्व और न्याय मंत्री डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर नाम से लोकप्रिय भारतीय बहुज्ञ, विधिवेत्ता, अर्थशास्त्र, राजनीतिज्ञ और समाजसुधारक थे। उन्होंने दलित बौद्ध आंदोलन को प्रेरित किया और अछूतों से सामाजिक भेदभाव के विरुद्ध अभियान चलाया था। श्रमिकों किसान और महिलाओं के

अधिकारों का समर्थन भी किया था, जिनका नाम भीमराव रामजी अंबेडकर था। रोआरी में वरिष्ठ भाजपा नेता वरुण राय ने डॉक्टर अंबेडकर प्रतिमा में पुष्पा अर्पित किया। सिसवा गोईती, मंडल उपाध्यक्ष लल्लन जयसवाल डॉक्टर भीमराव अंबेडकर प्रतिमा पर फूल अर्पित किया। सरपतहीं वरिष्ठ भाजपा नेता हरिशंकर राय ने डॉक्टर भीमराव अंबेडकर चित्र पर फूल अर्पित किया। बहोरा रामनगर मंडल उपाध्यक्ष नित्यानंद पांडे ने डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की चित्र पर फूल अर्पित किया। वरिष्ठ भाजपा नेता धनंजय तिवारी, मंडल सहसंयोजक शैलेश मद्धेशिया, मंडल मंत्री जैकी शुक्ला, वरिष्ठ भाजपा नेता धनंजय तिवारी, शैलेंद्र त्रिपाठी, प्रधान मनोज शंकर प्रसाद, अजय चौहान, मंडल उपाध्यक्ष अनिल राय, मंडल उपाध्यक्ष अतुल पांडे, शक्ति केंद्र संयोजक ओम प्रकाश दुबे, संजय राय अनिरुद्ध, वीरू सिंह कोषाध्यक्ष सतनारायण प्रजापति, प्रधान महिल गिरजेश प्रसाद, चंद्रिका गुप्ता, बूथ अध्यक्ष काशीनाथ गौतम आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपा अध्यक्ष अन्नामलाई ने 3 लाख के राफेल वॉच का दिखाया बिल

एनसीआर समाचार

चेन्नईः भाजपा अध्यक्ष अन्नामलाई ने आज चेन्नई में भाजपा मुख्यालय में राफेल वॉच बिल जारी किया। डीएमके सरकार बनने के बाद बीजेपी और डीएमके के बीच खींचतान तेज हो गई है। अन्नामलाई तमिलनाडु सरकार के कई विभागों पर आरोप लगाते थे। ऐसे में अन्नामलाई की घड़ी का मुद्दा गरमा गया। उ्टङ ने अन्नामलाई की एक विदेशी घड़ी के रूप में आलोचना की, जिसकी कीमत कई लाख थी। हालांकि अन्नामलाई ने इस बात की जानकारी दी थी कि यह राफेल विमान के स्पेयर पार्ट्स से बनी घड़ी है।

इसके बाद डीएमके मंत्री सेंथिल बालाजी ने कहा कि अन्नामलाई इस घड़ी की खरीद की रसीद जारी करें। इस पर अन्नामलाई ने कहा कि उनके पास घड़ी की खरीद की रसीद है और वह जल्द ही इसे जारी कर देंगे। इसके साथ ही अन्नामलाई ने बताया था कि 14 अप्रैल को सिर्फ डीएमके ही नहीं बल्कि पिछली सरकार के भ्रष्टाचारों की भी सूची प्रकाशित की जाएगी। तदनुसार, भाजपा अध्यक्ष अन्नामलाई ने आज चेन्नई में भाजपा मुख्यालय में राफेल वॉच बिल जारी किया। इस संबंध में उन्होंने संवाददाताओं से कहा, 'डीएमके ने यह सूचना फैलाई कि उसने पुलिस सेवा में रहते हुए रिश्वत के पैसे से राफेल की घड़ी खरीदी थी। मैंने राफेल वॉच लाइन में 147वीं घड़ी खरीदी। मैंने यह घड़ी 3 लाख में खरीदी थी। चेरलथन रामकृष्णन नामक एक मित्र ने यह घड़ी 2021 में खरीदी थी। उसने मुझे यह मई में दी थी। राफेल ने घड़ी का बिल जारी किया।

एनसीईआरटी ने 11वीं कक्षा के पाठ्यक्रम से अबुल कलाम आजाद का नाम हटाया

एनसीआर समाचार

नई दिल्लीः देश के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद का जिक्र नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशन रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एनसीईआरटी) के 11वीं के पॉलिटिकल साइंस के सिलेबस से हटा दिया गया है। पिछले साल पाठ्यक्रम को युक्तिसंगत बनाने के लिए एनसीईआरटी ने गुजरात दंगों, मुगल कोर्ट, आपातकाल, शीत युद्ध, नक्सल आंदोलन आदि पर कुछ धाराएं अप्रासंगिक होने के आधार पर हटा दी थीं।

इससे पहले इसी अध्याय की एक पैराग्राफ लाइन में लिखा गया था- जवाहरलाल नेहरू, मौलाना आजाद, राजेंद्र प्रसाद और सरदार पटेल संविधान सभा की बैठक में

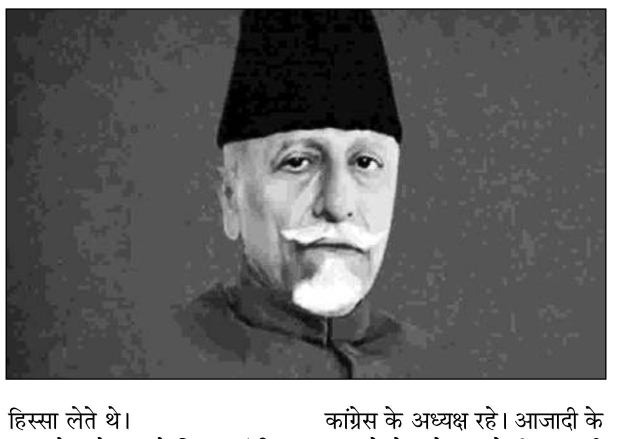

हिस्सा लेते थे।

देश के पहले शिक्षा मंत्री

अब नई किताब में इस लाइन से मौलाना आजाद का नाम हटा दिया गया है। बता दें कि मौलाना आजाद ने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वे दो बार कांग्रेस के अध्यक्ष रहे। आजादी के बाद वे देश के पहले शिक्षा मंत्री बने।

परिषद के प्रमुख दिनेश सकलानी ने बुधवार को कहा कि यह एक अनजाने में हुई गलती हो सकती है कि पिछले साल के पाठ्यक्रम युक्तिकरण अभ्यास में कुछ वर्गों को हटाने की घोषणा नहीं की गई थी। संशोधित लाइन में अब लिखा होगा, जवाहरलाल नेहरू, राजेंद्र प्रसाद, सरदार पटेल या बीआर अंबेडकर आमतौर पर इन समितियों की अध्यक्षता करते थे।

मौलाना आजाद फेलोशिप पर रोक

गौरतलब है कि पिछले साल अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय ने मौलाना आजाद फेलोशिप पर रोक लगा दी थी। नए शैक्षणिक सत्र के लिए ठउएफ्ळ के 12वीं कक्षा के राजनीति विज्ञान के पाठ्यक्रम में 'महात्मा गांधी की मृत्यु का देश की सांप्रदायिक स्थिति पर प्रभाव, गांधी की हिंदू- मुस्लिम एकता की अवधारणा ने हिंदू कट्टरपंथियों को उकसाया' और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) जैसे कई अंश शामिल हैं।

एक नजर

प्रबुद्ध जन सम्मेलन नारायणगंज विधानसभा कार्यक्रम में 200 लोगों ने ली सदस्यता

एनसीआर समाचार

मंडलाः विकास खण्ड मोहगांव अन्तर्गत ग्राम पंचायत सिंगारपुर के लोगों ने ली सदस्यता कार्यकताओं एवं रिटायरमेंट कर्मचारी मोहगांव मंडल में भाजपा की सदस्यता लिया सिंगारपुर सेक्टर से निम्नलिखित कार्यकर्ता ने सदस्यता ली। नारायणगंज प्रबुद्ध जन सम्मेलन में माननीय मंत्री जी फग्गन सिंह कुलस्ते इस्पात एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार एवं पूर्व विधायक रामप्यारे कुलस्ते की समक्ष सिंगारपुर क्षेत्र के कार्यकर्ता भाजपा की सदस्यता ली। जिसमें हमारे गांव के वरिष्ठ प्रबुद्ध जन सम्मानीय मंगल परिहार, दूसरा पंचम दास बैरागी, गोविंद झारिया, पंच ग्राम पंचायत सिंगापुर अशोक बैरागी, वरिष्ठ समाजसेवी सिंगारपुर अर्जुन, युवा समाजसेवी दीपक झारिया, युवा समाजसेवीएवं मोहनलाल भारतीय, उपसरपंच ग्राम पंचायत उमरिया फूलचंद मार्को पंच पूर्व सरपंच पति ग्राम पंचायत उमरिया इन्होंने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की मंडल अध्यक्ष रूपेंद्र खड़गारे, जिला पंचायत सदस्य शिव पुषाम, एवं मंडल उपाध्यक्ष सरपंच राजेश चक्रवर्ती इस कार्यक्रम में सम्मिलित हुए भाजपा को मजबूती बनाने के प्रति सशक्त प्रयास किए जा रहे हैं '

गुजरातः डांग आहवा तालुका में स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत मनाया गया राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस

एनसीआर समाचार

गुजरातः आहवा तालुका में चेतना संस्था अहमदाबाद और लार्सन एंड टुब्रो पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट, मुंबई के साथ-साथ स्वास्थ्य विभाग, आई सी डी एस विभाग के सहयोग से "आरोग्य" कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस मनाया गया। कस्तूरबा गांधी की जयंती 11 अप्रैल को मनाई जाती है। इसलिए इस दिन को राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस घोषित किया गया है। इसका उद्देश्य महिलाओं में उचित स्वास्थ्य देखभाल और मातृत्व सुविधाओं के बारे में जागरूकता पैदा करना है, साथ ही हर साल महिलाओं और बच्चों की उन्नति के लिए अभियान चलाना है। यह दिन यह सुनिश्चित करने के लिए मनाया जाता है कि सभी महिलाओं को गर्भावस्था और प्रसव के दौरान सुरक्षित और स्वस्थ रहने के लिए आवश्यक देखभाल मिले। डांग जिला आयुष चिकित्सा अधिकारी चेतना संस्था द्वारा आयोजित "स्वास्थ्य" कार्यक्रम में स्वास्थ्य कर्मियों ने सुरक्षित प्रसव के लिए यात्रा के बारे में जानकारी दी। साथ ही गर्भवती महिलाओं को 1 से 9 माह तक की गर्भावस्था के दौरान निगरानी, देखभाल और स्वास्थ्य जांच और प्रत्येक जांच के महत्व के बारे में मार्गदर्शन दिया गया।

बाबा साहेब के दिखाए रास्तों पर चलने का काम मोदी ने किया है : मीनाक्षी लेखी

एनसीआर समाचार

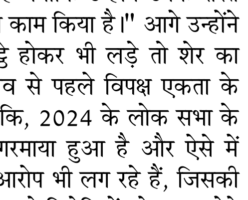

भारतीय जनता पार्टी की दिल्ली केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी ने आज डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर की जयंती पर मीडिया से बात करते हुए भाजपा के हर एक समर्थक को सच्चा देश भक्त बताने की कोशिश की है और साथ ही उन्होंने अपने शब्दों में यह भी कहा कि, अगर कोई बाबा साहब के दिखाए गए रास्तों पर चल रहा है तो वो है प्रधानमंत्री मोदी। उन्होंने कहा, "डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर के जाने के बाद उनके दिखाए हुए रास्ते पर चलने का काम ढट मोदी ने किया है...अगर कोई उनके विचारों का उत्तराधिकारी है तो वो प्रधानमंत्री मोदी हैं क्योंकि उन्होंने उनके रास्ते पर चलकर समाज में समन्वय बनाने का काम किया है।" आगे उन्होंने कहा, "क्या फर्क पड़ता है..गीदड़ इक्ट्ठे होकर भी लड़े तो शेर का मुकाबला करते है क्या?ः 2024 चुनाव से पहले विपक्ष एकता के लिए किए जा रहे प्रयासों पर।" बता दें कि, 2024 के लोक सभा के चुनाव को लेकर अभी सियासी पारा गरमाया हुआ है और ऐसे में भाजपा पर विपक्षियों की तरफ से कई आरोप भी लग रहे हैं, जिसकी वजह से सभी भाजपा समर्थक लगातार अपने विरोधियों को जवाब देने में लगे हुए है।

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना राबे हसनी नदवी का इंतकाल

एनसीआर समाचार

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना राबे हसनी नदवी का गुरुवार को यानी आज निधन हो गया है, वह काफी लंबे समय से बीमार चल रहे थे। मौलाना को निमोनिया और सांस लेने में दिक्कत होने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

मौलाना हसनी नदवी को बेहतर इलाज के लिए रायबरेली से लखनऊ के अस्पताल में रेफर कर दिया गया था। उन्होंने अलीगंज स्थित नदवा मदरसे में अपनी आखिरी सांस ली है।

हसनी नदवी को उनकी बेबाकी के लिए जाना जाता है। समाज के सभी धार्मिक मामलों को लेकर समाज के लोगों को वह अक्सर सलाह दिया करते थे। एक बैठक में उन्होंने अफसोस जताते हुए कहा था कि, मुसलमानों ने इस्लाम धर्म को नमाज तक ही सीमित कर दिया

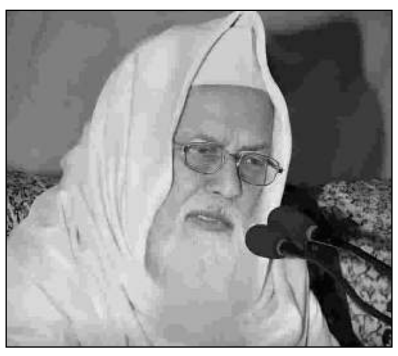

है और सामाजिक मामलों की उपेक्षा की जा रही है।

इस्लाम जीवन के सभी क्षेत्रों में हमारा मार्गदर्शन करता है- मौलाना हसनी नदवी

मौलाना कहा करते थे कि, इस्लाम धर्म जीवन के सभी क्षेत्रों में हमारा मार्गदर्शन करता है। यही वजह है कि मुसलमानों को हर क्षेत्र में हलाल और हराम का ध्यान रखना चाहिए। इस्लाम को सिर्फ नमाज तक ही सीमित नहीं रखना चाहिए। इस्लामी शरीयत को बदनाम किया जा रहा है।

दहेज देने के बजाय जायदात में लड़की को हक दिया जाए- मौलाना हसनी नदवी

मौलाना कहते थे कि, मुसलमानों को सामाजिक रीति-रिवाजों से हमेशा बचने की कोशिश करनी चाहिए और सुन्नत व शरीयत के अनुसार शादी करनी चाहिए। शादी में दहेज के बजाय जायदाद में लड़की को उसका हक देना चाहिए। शादी के दौरान इस्लामी दिशा निदेशों का भी पालन करना चाहिए, जिससे कि मुस्लिम लड़की को अपने घर में अविवाहित ना बैठना पड़े। इतना ही नहीं उनका यह भी कहना था कि, शादियों को आसान बनाया जाए और बिना दहेज के निकाह किया जाए।

हरियाणाः जनहित ट्रस्ट ने वितरित की पढ़ाई की स्टेशनरी

एनसीआर समाचार

हरियाणाः सिरसा समाजसेवी संस्था जनहित ट्रस्ट जो की लगातार विभिन्न तरह से लोगों की मदद करती आ रही है। वहीं आज संस्था की तरफ से बाबा जसविंदर सिद्धू की अध्यक्षता में ऐलनाबाद के विभिन्न गांव में जरूरतमंद बच्चों को कॉपियां पेन पेंसिले वा अन्य स्टेशनरी फ्री वितरित की। जनहित ट्रस्ट के सचिव सतनाम सिंह लालका ने बताया कि, संस्था की तरफ से अभी तमाम गांव में गरीब वा जरूरतमंद संस्था से पंजीकृत परिवारों के बच्चों को निःशुल्क पढ़ाई की स्टेशनरी वितरित की जाएगी ताकि बच्चे अच्छे से पढ़ाई कर पाए।

सालाना उर्स में फनकारों ने कबालीयों द्वारा किया संगतों को निहाल

एनसीआर समाचार

हजत चिश्तिया यक्कू शाह मुहमद जी की याद में रंधावा रोड चोगीया वाला बाग वार्ड नंबर 23 में आयोजित 2 दिवसीय मेले अलग- अलग फनकारों द्वारा कबालीयां, सूफी गीत गाकर संगतों को निहाल किया गया है। इस संबंधी जानकारी देते हुये गद्दीनशीन संजय चिसतियां हुये बताया कि एक दिन पहले चादर रस्म जो अजमेर शरीफ से लाई गई थी। जो कि पूरे बाजारों में होती हुई यकु शाह दरबार पहूँची। दूसरे दिन महफिले कबाल का आयोजन रात 8 बजे से किया गया परवेज आलम जी ने कबालिया पेश की।

इस उपरांत मशूहर गीतकार अमरिन्दर बोबी (चेला गुरदास मान) द्वार सूफी गीत गाकर संगतों को नाचने पर मजबूर कर दिया गया। इस अवसर पर बारा परवेश शाह जी बुढन शाह कीरतपुर वाले, साई कुलदीप सेखो व अलग-अलग जगहों से आये गद्नशीनों ने मेले में अपनी हाजरी लगाई। इसी दौरान लंगर आयोजन भी किया गया।

असम वासी साल में 3 बार मनाते है बिहू का पर्व, नृत्य के बिना क्यों माना जाता है पर्व अधूरा

एनसीआर समाचार

हर साल 14 अप्रैल को असम में बिहू का पर्व मनाया जाता है। यह असम का एक प्रमुख त्योहार है। हर साल इसे असम और पूर्वोत्तर भारत के कुछ राज्यों में बड़ी ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है। बता दें कि, असम में इसे नव वर्ष के रूप में मनाते हैं। हिंदू पंचांग के मुताबिक यह पर्व बैसाख के महीने में मनाया जाता है। वहीं असमिया पंचांग की अगर बात करें तो बैसाख माह को 'बोहाग' कहते हैं और यही कारण है इस त्यौहार का नाम बिहू रखा गया है। बिहू पर रंगोली बनाई जाती है, असम कृषि प्रधान राज्य है, जहां के ज्यादातर लोग किसानी करते हैं, कृषि पर निर्भर रहते हैं। ऐसे में इस दिन असम में रहने वाले हर एक व्यक्ति प्रकृति और भगवान को फसलों की अच्छी पैदावार के लिए आभार व्यक्त करते हैं और बिहू का पर्व मनाते हैं। आइए जानते हैं इस पर्व के बारे में कुछ खास बातें।

बिहू का त्योहार

असम राज्य में बिहू साल में 3 बार मनाया जाता है, जिसे रंगोली बिहू, भोगली बिहू और अब कोंगाली बिहू के नाम से जाना जाता है।

हर साल 14 और 15 अप्रैल को मनाया जाता है। बिहू असम राज्य का राज्य में नए साल

की शुरूआत का प्रतीक माना जाता है और फसल की कटाई को दशार्ता है। पंजाब में इसी फसल की कटाई को बैसाखी के रूप में मनाते हैं।

बिहू मनाने के अलग तरीके हैं। इस दिन लोग नृत्य गायन करते हैं, नए कपड़े पहनते हैं और घरों में पकवान बनाए जाते हैं। रिश्तेदारों को सम्मान के तौर पर हाथ से बने अंगोछा भेंट किए जाते हैं। साथ ही इस दिन लोकगीत के जरिए प्रकृति के खूबसूरती की प्रशंसा की जाती हैं।

नृत्य के बिना यह पर्व अधूरा

ऐसी मान्यता है कि, बिहू नृत्य के बिना आसाम का आया पर अधूरा माना जाता है एक सामूहिक नृत्य होता है, जिसका आयोजन बड़ी ही धूमधाम से खुले जगह में किया जाता है इस दौरान महिलाएं, पुरुष, बच्चे, युवा सभी मिलकर नृत्य करते हैं।

हिमाचल प्रदेशः राज्यपाल ने ऊना में मेगा नेत्र जांच शिविर का किया शुभारम्भ

एनसीआर समाचार

राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने आज प्रयास संस्था द्वारा जन स्वास्थ्य के 5 साल-हर घरद्वार अस्पताल कार्यक्रम के तहत डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल ऊना में आयोजित मेगा नेत्र जांच शिविर का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि संस्था द्वारा स्वास्थ्य देखभाल क्षेत्र में किए गए प्रयासों के बेहतर परिणाम देश के सामने आ रहे हैं। उन्होंने पिछले पांच वर्षों से अस्पताल-संसद स्वास्थ्य सेवा को सफलतापूर्वक कार्यान्वित करने के लिए केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर की पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस सेवा के माध्यम से प्रदेशवासियों को मुफ्त प्राथमिक स्वास्थ्य जांच का लाभ मिल रहा है। राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री के ह्यस्वस्थ भारतह्न के सपने को साकार करने में उनके प्रयासों का महत्वपूर्ण योगदान है। श्री शुक्ल ने कहा कि किसी ने कभी सोचा नहीं था कि दवाओं, टीकों, चिकित्सा उपकरणों आदि के लिए हमारी विदेशों पर निर्भरता समाप्त हो जाएगी। उन्होंने कहा कि भारत में बनी कोरोना वैक्सीन ने न केवल देशवासियों के कीमती जीवन को बचाने में मदद की, बल्कि अन्य देशों को वैक्सीन उपलब्ध कराकर दुनिया में एक मिसाल कायम की है। उन्होंने कहा कि देश में अच्छे और आधुनिक स्वास्थ्य ढांचे का विकास किया जा रहा है। पीएम आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत छोटे शहरों और कस्बों में महत्वपूर्ण स्वास्थ्य ढांचे को भी विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य देखभाल के लिए पिछले वर्षों में किए गए प्रयासों के बेहतर परिणाम सामने आ रहे हैं। राज्यपाल ने इस अवसर पर नेत्रों की जांच कराने आए लोगों को चश्में भी वितरित किए। उन्होंने शिविर का दौरा भी किया और नेत्र रोगियों से बातचीत की। इस अवसर पर केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा युवा कार्य एवं खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने राज्यपाल का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि प्रयास संस्था ने चिकित्सा सुविधाओं को लेकर सशक्त प्रयास किए हैं ताकि लोगों को उनके घरद्वार के समीप ही स्वास्थ्य जांच की सुविधा मिल सके। उन्होंने कहा कि वर्ष 2018 में जनता के सहयोग से हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में तीन चिकित्सा इकाइयों के साथ अस्पताल-संसद मोबाइल स्वास्थ्य सेवा शुरू की गई थी और आज राज्य के 8 जिलों में लगभग 33 एंबुलेंस सेवाएं कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी ऐसे शिविर आयोजित कर लोगों को लाभान्वित करने का प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर विधायक सतपाल सिंह सत्ती ने राज्यपाल का स्वागत किया। पूर्व मंत्री वीरेंद्र कंवर, पूर्व विधायक कमल चुघ, हंस फाउंडेशन में सरकारी व्यवसाय के प्रमुख पूरन सैनी, क्षेत्रीय नेत्र विज्ञान संस्थान के निदेशक डॉ. एस.पी. सिंह देश के विभिन्न अस्पतालों के विशेषज्ञ चिकित्सक और अन्य गणमान्य व्यक्ति इस अवसर पर उपस्थित थे। इससे पहले आज सुबह राजकीय मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल सरोह ग्राउंड पहुंचने पर उपायुक्त राघव शर्मा, पुलिस अधीक्षक अर्जित सेन व पूर्व मंत्री वीरेंद्र कंवर ने राज्यपाल का स्वागत किया।

मुंबई पुणे हाईवे पर हुआ हुआ बड़ा हादसा

बस खाई में गिरने से 12 लोगों की मौत 25 से अधिक घायल

एनसीआर समाचार

महाराष्ट्र के रायगढ़ के खोपोली क्षेत्र में मुंबई पुणे हाईवे पर शनिवार को यानी आज 15 अप्रैल के सुबह एक बस खाई में गिर गई। इस हादसे में 12 से 13 लोगों की मौत हो चुकी है। बता दें कि, इस बस में करीब 40 से 45 यात्री सवार थे मिली जानकारी के मुताबिक 25 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। इस सड़क हादसे को लेकर पुलिस ने जानकारी दी कि, ड्राइवर का बस से कंट्रोल छोकरी की वजह से यह बड़ा हादसा हुआ है। घटनास्थल पर स्कूटी और राजगढ़ की पुलिस दोनों ही मौजूद है। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह बस पुणे के पिंपल गुरव से गोरेगांव की तरफ जा रही थी। रायगढ़ एसपी सोमनाथ घार्गे ने मीडिया से बताया कि, इस हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और बचाव अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंच गए थे।

भाजपा नेताओं द्वारा पुलिस के साथ अभद्रता और अपमान करने की घटनाएं शर्मनाक

एनसीआर समाचार

दोषियों के खिलाफ होगी कड़ी कार्रवाई

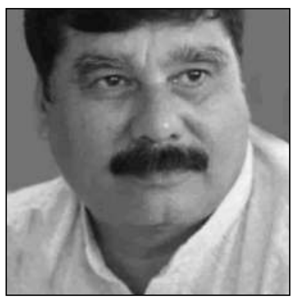

मध्यप्रदेश में कांग्रेस की सरकार आने पर पुलिस के स्वाभिमान और गरिमा को लौटाने का काम किया जाएगा। भाजपा नेताओं और कार्यकताओं द्वारा पुलिस के साथ की जा रही अभद्रता और अपमान की घटनाओं पर उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जाएगी। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में पुलिस के साप्ताहिक अवकाश के निर्णय को प्राथमिकता से लागू किया जाएगा। प्रदेश में कांग्रेस की सरकार आने पर पुलिस के स्वाभिमान और गरिमा को लौटाने का काम किया जाएगा। पुलिस के साप्ताहिक अवकाश के निर्णय को फिर से लागू किया जाएगा यह बात मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता डॉ संदीप सबलोक ने कही है। उन्होंने कहा कि पुलिस के स्वाभिमान और सम्मान को लेकर मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष व आगामी मुख्यमंत्री माननीय कमलनाथ जी बेहद चिंतित और संवेदनशील है। धार व छतरपुर जिलों में भाजपा नेताओं द्वारा पुलिस से मारपीट व अभद्रता की हाल की घटनाएं बेहद शर्मनाक है। उन्होंने कहा है कि अपराधियों का पता लगाकर उन्हें दंड दिलाने तथा समाज में शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में काम करती है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता डॉ संदीप सबलोक ने कहा कि प्रदेश भर में भाजपा नेताओं और कार्यकताओं द्वारा अपने अवैध और नाजायज कामों को कराने का दवाब बनाने के लिए पुलिस के अधिकारी व कर्मचारियों के साथ अभद्रता और अपमान की अनेक घटनाएं सामने आ चुकी है। लेकिन प्रदेश की भाजपा सरकार ने इन घटनाओं पर किसी भी तरह से गंभीरता नहीं दिखाई है। जिसके चलते अधिकांश घटनाओं में ऐसे नेताओं और कार्यकताओं पर सरकार द्वारा किसी भी तरह की कार्यवाही नहीं कर उनकी पीठ थपथपाने और पुलिस का मनोबल तोड़ने का काम किया है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता डॉ संदीप सबलोक ने आगे कहा कि माननीय कमलनाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकार ने पुलिस के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए साप्ताहिक अवकाश का निर्णय लिया था। लेकिन भाजपा की सरकार आने के बाद इस निर्णय का लाभ पुलिस के अधिकारी और कर्मचारियों को नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष माननीय श्री कमलनाथ जी ने इस बात पर दुख और रोष व्यक्त करते हुए कहा है कि कांग्रेस की सरकार आते ही उनका यह पुराना निर्णय फिर लागू किया।

राजस्थानः मेघवाल विकास समिति बहरोड़ ने 101 किलो का केक काटकर धूमधाम से मनाई गई बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जयंती

एनसीआर समाचार

राजस्थानः बहरोड़ ने 14 अप्रैल को डॉ भीमराव अंबेडकर जी के जन्मदिवस के अवसर पर बहरोड़ कस्बे में स्थित गरीबनाथ छात्रावास में मेघवाल विकास समिति द्वारा बाबा साहेब का जन्मदिवस मनाया गया। इस अवसर पर अतिथि डॉ. शानू राजकुमार यादव, प्रो.गीता सहारे, दिल्ली विश्वविद्यालय डॉ. फ्छ यादव, बस्तीराम यादव, संजय यादव, अरुण कुमार, पूजा निमोरिया ने जनमानस से बाबा साहेब के विचारों को ग्रहण करने तथा उनके दिखाए रास्ते पर चलने का आह्वान किया। कार्यक्रम में सामाजिक आजादी के प्रतीक के रूप मे हजारों की संख्या में नीले बैलून आकाश में उड़ाए गए तथा सभी अतिथियों द्वारा 101 किलो का केक काटकर बाबा साहब का जन्मदिवस जोर शोर से मनाया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए डॉ.शानू यादव ने कहा कि बाबा साहब की स्वीकार्यता हर समाज मे बढ़ रही हैं तथा बाबा साहब मानते थे की महिलाओं की प्रगति से ही समाज की प्रगति होती है तथा आज महिलाए उनके द्वारा दिए गए विचारों को ग्रहण करते हुए हर क्षेत्र मे आगे बढ़ रही हैं, तथा पढ़ लिख रही है।

उन्होंने सिविल सर्विस मे दलित पिछड़ों को आगे बढ़ने की प्रेरणा दी और घोषणा की कि कोई भी गरीब छात्र सिविल सर्विस की तैयारी करता है तो वे उनकी हर सम्भव मदद करेंगी। दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर गीता सहारे ने कहा कि, आज के इस कार्यक्रम को देखकर वो बेहद प्रसन्नचित है, ऐसे कार्यक्रम गांव गाव में होने चाहिए। प्रो. सहारे ने कहा कि, मेरे पिताजी बाबा साहब के पास अक्सर शाम को बैठकर वातालर्प किया करते थे। अरुण कुमार जखराणा ने मेघवाल विकास समिति को धन्यवाद देते हुए कहा कि 5 साल पहले कोई बहरोड़ में ऐसे भव्य कार्यक्रम के बारे मे सोच नहीं सकता था, आज बाबा साहब जन जन की आवाज बन रहे है यह हम बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के सिपाहियों के लिए गौरव की बात है। मंच संचालन वेद कृष्णा, हीरालाल आर्य ने किया। इस दौरान समस्त समिति सहित विभिन्न गांवों से बाबा साहब के मानने वालों सहित बड़ी संख्या में महिलाएं और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मध्य प्रदेशः सागर में अंबेडकर जयंती पर निकले चल समारोह का कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

एनसीआर समाचार

मध्य प्रदेशः सागर में भारतीय संविधान के निमार्ता के तौर पर जाने जाने वाले बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी की जयंती के अवसर पर सागर शहर में निकले चल समारोह का वरिष्ठ कांग्रेस नेता पुरुषोत्तम मन्ना चौबे के साथ सैकड़ों कांग्रेस कार्यकताओं ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। इस मौके पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता पुरुषोत्तम मुन्ना चौबे ने कहा कि, बाबा साहब की भूमिका संविधान निर्माण में अतुल्यनीय थी। स्वागत में मुख्य रूप से सुरेन्द्र चौधरी, गोवर्धन रैकवार, ऋषभ जैन, देवेंद्र तोमर,शरद पुरोहित, चमन अंसारी, पार्षद ऋचा सिंह, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष राहुल चौबे, रीतेश रोहित, चक्रेश रोहित, नीलेश अहिरवार, आनंद अहिरवार, उमेश ठेकेदार, श्रीदास रैकवार, सुनील पावा, दुगेश अहिरवार,आशीष चौरसिया, धीरज चंदेलिया,अजय ठाकुर, गोलू, युवराज महावत, अनिकेत चौबे, सूर्य चौबे, मनीष सेन, अनुज सेन, श्रीकांत विश्वकर्मा, गोविंद अहिरवार आदि शामिल रहे।

मुंगावली नगर में संविधान के रचयिता भीमराव अंबेडकर जी की जयंती पर समारोह निकाला

एनसीआर समाचार

मुंगावली नगर में एक चल समारोह निकाला गया घोड़ा बग्गी पर भीमराव अंबेडकर की तस्वीर सुशोभित कर समस्त नगर में जयंती समारोह मनाया गया। साथ में नगर की बहुत से नागरिक साथ चल रहे थे एवं चल समारोह का जगह- जगह भव्य रुप से स्वागत भी किया गया। अब देखना यह बाकी है आगामी चुनाव आने तक क्या शासन- प्रशासन यहां कई काफी लंबे समय से डॉक्टर भीमराव जी की प्रतिमा रखी हुई है। लेकिन प्रतिमा को अभी तक स्थापित नहीं किया गया है वजह क्या है इस बारे में कोई भी कुछ कहने को तैयार नहीं है सभी चुप्पी साध लेते हैं क्योंकि क्योंकि यहां की राजनीति कुछ अलग ही तरीके से दिखाई दे रही है। तो फिर कौन चलेगा शासन-प्रशासन या फिर नागरिक क्योंकि अभी चुनाव में कुछ समय बाकी है तो शायद समय से यह कार्य संपन्न हो सके। इसके लिए मैं शासन से यही कहूंगा समय रहते सचेत हो एवं हमारे संविधान के रचयिता डॉक्टर श्री भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को अंबेडकर पार्क में जल्द से जल्द स्थापित किया जाए।

पोरसा, बाबा भीमराव अंबेडकर जी जयंती पर शिवम महाविद्यालय के सभागार में आयोजित कार्यक्रम

एनसीआर समाचार

बाबा भीमराव अंबेडकर जी ने समाज की दशा एवं दिशा को सुधारा साथ ही भारतीय संविधान का निर्माण किया बाबा का यह एहसान जन्मो तक याद रहेगा। यह बात मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा आयोजित समानता पर्व के रूप में शिवम महाविद्यालय के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में कहीं बे कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता दिनेश शर्मा, संचालक शिवम महाविद्यालय ने की विशिष्ट अतिथि के रूप में राकेश उपाध्याय, अशोक सिंह तोमर ,अध्यक्ष नगर पालिका परिषद, पोरसा रमन सिंह, तोमर पूर्व जनपद, सदस्य रामसेवक सिंह, पूर्व सरपंच अतिबल सिंह, जिला स्काउट अधिकारी रहे हैं। नवांकुर संस्था में पूनम समाज सेवा शिक्षा समिति हीरालाल समाज सेवा शिक्षा समिति नागाजी साहित्य एवं कला परिषद भूमिजा महिला मंडल एवं विजय रामदास शिक्षा एवं पर्यावरण समिति ' प्रतिनिधियों ने भाग लिया। राधा शरण पुरोहित ब्लॉक समन्वयक, मध्यप्रदेश जन अभियान, परिषद नत्थी लाल राठौर हरिओम गुप्ता, राधाकृष्ण लहारिया, वीरेंद्र फौजी अलबेला, जितेंद्र ओझा, मिथिलेश तोमर, संतोष उपाध्याय, कृष्ण चंद्र दीक्षित, मनीष शिवहरे, मनोज लहारिया, अमन भदौरिया दिवाकर सिंह आशीष अग्रवाल, शिवकर सिंह आदि उपस्थित रहे।

एक नजर

राजस्थानः बहरोड़ में 16 अप्रैल को प्रतिपक्ष नेता के जन्मदिन पर किया जाएगा रक्तदान शिविर का आयोजन

एनसीआर समाचार

राजस्थानः बहरोड़ में 16 अप्रैल को प्रतिपक्ष नेता राजेंद्र राठौड़ के जन्मदिन के अवसर पर स्वैच्छिक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर के आयोजक योगेंद्र सिंह राघव ने बताया कि, कुंड रोड स्थिर खोहर टॉवर शक्ति कैंटीन में किया जायेगा। समाजसेवी रक्तदाता अब तक 63 बार रक्तदान कर चुके राकेश जयपाल ने बताया कि, आपका दान जीवन बचाता है और हमारे समुदाय को सुरक्षित बनाता है। जान बचाने और लोगों के इलाज के लिए रक्त की हमेशा जरूरत होती है। समुदाय के प्रति अपनी एकजुटता दिखाएं और नियमित रक्तदान में योगदान दें, आयोजक ने सभी रक्त दाताओं से अपील की है कि शिविर में बढ़-चढ़कर भाग ले और 18 से 55 साल की आयु वाला हर स्वस्थ व्यक्ति रक्तदान कर सकता है, आपके द्वारा किया गया रक्तदान जरूर किसी जरूरतमंद के लिए कारगर साबित होगा।

हिमाचल प्रदेशः जनजातीय क्षेत्रों का विकास प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

एनसीआर समाचार

हिमाचल प्रदेशः राज्य में लगभग 12 हजार फुट की ऊंचाई पर चीन की सीमा के समीप काजा में 76वें हिमाचल दिवस का आयोजन कर प्रदेश सरकार ने एक बड़ा संदेश दिया है कि वर्तमान सरकार जनजातीय क्षेत्रों के विकास को प्राथमिकता दे रही है। हिमाचल दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा, ह्यचीन सीमा के साथ सटे क्षेत्र के निवासियों में राष्ट्रवाद की भावना कूट-कूट कर भरी है, जिसके लिए मैं सभी काजावासियों को नमन करता हूं।ह्न उन्होंने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों के विकास को आधुनिक तकनीक से जोड़ा जाएगा और यहां पर पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भरपूर प्रयास किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने पर्यटकों को सुविधाएं प्रदान करने के लिए आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए कई घोषणाएं भी की। इससे पहले, शुक्रवार सांय ढंखर गोम्पा में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने गोम्पा में एक होस्टल के निर्माण और पेयजल योजना की घोषणा की। देर सांय काजा पहुंचने पर मुख्यमंत्री का स्थानीय निवासियों, विभिन्न सामाजिक संगठनों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। नई पेंशन योजना कर्मचारी संघ ने पुरानी पेंशन को बहाल करने पर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले महिला मंडल को 50 हजार रुपये प्रदान करने की घोषणा भी की।

ग्राम पंचायत पचड़ में प्रखंड अध्यक्ष मूलचंद शर्मा व सरपंच सरिता शर्मा ने डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का किया लोकार्पण

एनसीआर समाचार

डॉ भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का लोकार्पण आज 14 अप्रैल दिन शुक्रवार को ग्राम पंचायत पच्छाद छीपाबड़ तहसील द्वारा पच्छड़ रावण के मुख्यालय में किया गया है। अतिथि कुसुमलता वर्मा जिला परिषद सदस्य, महेंद्र सिंह चौधरी पूर्व जिला परिषद सदस्य, द्वारका लाल धाकड़, ब्रजराज मीणा जिला महासचिव, सत्यनारायण मठोदिया मंडल अध्यक्ष, रामनिवास मालव मंडल अध्यक्ष, जगदीश गौर सदस्य, छोटू लाल नागर, भंवरलाल कालकर, मनोज जारवाल अतिथि थे। उपस्थित ग्राम पंचायत ने सभी अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण कर आम जनता को संविधान की जानकारी दी गई। ग्राम पंचायत द्वारा सभी गांवों में करोड़ों रुपए के विकास कार्य किए गए हैं। इस कार्यक्रम में वार्ड पंच मेघराज नगर ग्राम धनराज भील, चंपालाल मेहता, शिवराज नगर, मुकेश वर्मा वार्ड पंच छोटमल नगर सुरेंद्र बेरवा, बाबूलाल नगर आदि के सदस्य मौजूद रहे।

भोपाल में 2 दिनों से लापता नाबालिग युवक की कुएं में मिली लाश

एनसीआर समाचार

भोपालः बैरसिया रोड स्थित ग्राम हिनौती सड़क में लगभग दो दिनों से गांव का लापता नाबालिग युवक अनिल अहिरवार पिता कमल सिंह अहिरवार उम्र लगभग 20 वर्ष की लाश संदिग्ध हालत में शुक्रवार को एक कुएं में मिली एवं कुएं के बाहर से बाइक और मोबाइल फोन मिलने की खबर है। पुलिस को जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीण जनों की मदद से रस्सी और खटिया के सहारे डेड बॉडी को कुएं से बाहर निकालकर पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया और आगे की कार्रवाई जारी है।

एक नजर

भोपाल में डॉ.भीमराव अंबेडकर के जन्म उत्सव पर महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट बैरसिया ने बिजोरी समाज में किया शैक्षणिक सामग्री वितरण

एनसीआर समाचार

मध्य प्रदेशः भोपाल में डॉ. माखनलाल चतुवेर्दी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय भोपाल द्वारा संबंध संस्था महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट बैरसिया द्वारा आज डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जयंती पर बिजोरी समाज ग्राम सोनकच्छ के छोटे-छोटे बच्चों को पुस्तक सामग्री वितरित की गई, संचालक आलोक दांगी द्वारा बताया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति केजी सुरेश, ए.एस.आई निदेशक डॉ. बबीता अग्रवाल एवं सहायक निदेशक विवेक शाक्य जी. के मार्गदर्शन में संस्था द्वारा यह आयोजन किया गया। आलोक दांगी द्वारा बताया गया कि, संस्था भीमराव अंबेडकर की जयंती पर हर साल ऐसे आयोजन करते हैं, जो गरीब वर्ग के बच्चों को सहायता मिले, इस आयोजन में उपस्थित गोलू कुशवाह, राजकुमार नामदेव, बंटी जाटव, अभिषेक मालवीय, दिनेश कुशवाह, बंटी गिर, वृंदा दांगी, राजा कुशवाह, आशीष अहिरवार आदि उपस्थित रहे।

132 वीं बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर जयंती

एनसीआर समाचार

संविधान के निमार्ता दलितों का मसीहा और मानवाधिकार आंदोलन के प्रचंड विद्वान बाबासाहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती 14 अप्रैल को पूरे भारतवर्ष में धूमधाम से मनाया जाता है। डॉ भीमराव के जयंती पर जन कल्याण के लिए किए गए कार्यों का याद किया जाता है। इस बार 132 वीं जयंती 2023 पटना के मसौढ़ी प्रखंड के रहमत गंज मोहल्ला में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर लाइब्रेरी में हमारे वार्ड काउंसलर देव कुमार उर्फ शंकर कुमार के द्वारा बहुत ही उत्साह के साथ मनाई गई। जिसमें हमारे सहपाठी गन रंजीत पासवान संजीत कुमार दीपक कुमार अनिल कुमार भारती इत्यादि लोग उपस्थित हुए।

जनहित ट्रस्ट कर रही बच्चो की मदद- रमेश शाक्य

एनसीआर समाचार

सिरसा, जनहित ट्रस्ट के चेयरमैन रमेश शाक्य ने बताया की ट्रस्ट की तरफ से गरीब और जरूरतमंद परिवारों के बच्चो को निशुल्क पढ़ाई की स्टेशनरी वितरित की जा रही है और स्टेशनरी वितरण अभियान आगे भी जारी रहेगा। आज पुनः विभिन्न क्षेत्रों में ट्रस्ट के सचिव सतनाम लालका द्वारा बच्चो को कोपियां, पेन, पेंसिले और अन्य स्टेशनरी निः शुल्क बांटी गई। सतनाम लालका और वाइस चेयरमैन गुरदेव दड़बी ने कहा की अधिक से अधिक लोग ट्रस्ट से जुड़े और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करे।

राजस्थानः मेघवाल समाज छात्रावास रामसीन में मनाई गई बाबा साहेब की 132वीं जयंती

एनसीआर समाचार

राजस्थानः जालौर के निकटवर्ती रामसीन में तहसील स्तरीय 132वीं बाबा साहेब डॉक्टर अंबेडकर जयंती समारोह का आयोजन किया गया। उसके दौरान रामसीन के आस पास के सभी गांवों से बहुजन समाज के तमाम लोग आए गए। अंबेडकर जयंती के उपलक्ष में रामसीन के ठाकुर एवं सरपंच पूर्व सिविल अधिकारी गंगा सिंह, जिला परिषद सदस्य गोपाल सिंह, व्यापार मंडल अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल के एवं उनके साथ बहुजन समाज के तेज तर्रार वक्ता नारायण लाल, कालाराम पहाड़िया एवं कही सामाजिक कार्यकर्त्ता मौजूद रहे। यह कार्यकर्म करवाने वाली अंबेडकर सेवा समिति का 24 गांव के समाज द्वारा सम्मान किया गया एवं आयोजक टीम के द्वारा सह संजोयग से कार्यकर्म को सफल किया गया एवं इसमें पुलिस प्रशासन के सहयोग से शांति पूर्वक, उख फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी के साथ रेली का आयोजन हुआ।

बुलंदशहर में मनाई गई भारत के संविधान निमार्ता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती

एनसीआर समाचार

उत्तर प्रदेशः बुलंदशहर में 14 अप्रैल, दिन शुक्रवार को भारत के संविधान निमार्ता बाबा भारत रत्न साहेब डॉ.भीमराव अंबेडकर की जयंती के शुभ अवसर पर वार्ड नंबर 3 से सभासद पद के प्रत्याशी नानक चंद्र व नगर महासचिव सपा प्रशांत पाठक के नेतृत्व में पुरानी पुलिस चौकी अंबेडकर पार्क अतरौली मे बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्प माला अर्पित कर बाबा साहब को नमन किया और बाबा साहब के द्वारा किए गए समाज के कार्यों का वर्णन किया।

हिमाचल प्रदेशः मुख्यमंत्री ने काजा में राज्य स्तरीय हिमाचल दिवस समारोह की अध्यक्षता

एनसीआर समाचार

हिमाचल प्रदेशः आज संपूर्ण प्रदेश में 76वां हिमाचल दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया। लाहौल स्पीति के काजा में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और परेड की सलामी ली। आकर्षक परेड में पुलिस, होमगार्ड, ट्रैफिक पुलिस, आईआरबी, एनसीसी कैडेट, आईटीबीपी और भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की टुकड़ियों ने भाग लिया। परेड कमांडर अमित यादव ने मार्च पास्ट का नेतृत्व किया। प्रदेश के गठन के बाद जनजातीय क्षेत्र में लगभग 12000 फुट की ऊंचाई पर स्थित काजा में राज्य स्तरीय हिमाचल दिवस समारोह पहली बार आयोजित किया गया। इस अवसर पर संबोधन में मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने प्रदेशवासियों को हिमाचल दिवस की बधाई देते हुए राज्य के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ. यशवंत सिंह परमार तथा हिमाचल प्रदेश को विशेष पहचान और पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने के लिए अथक प्रयास करने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने राज्य के सभी कर्मचारियों और पेंशनरों के लिए महंगाई भत्ते में तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी की घोषणा की। इसे 31 प्रतिशत से बढ़ाकर 34 प्रतिशत किया गया है। इस निर्णय से राज्य के लगभग 2.15 लाख कर्मचारी और 1.90 लाख पेंशनधारक लाभान्वित होंगे। इससे राजकोष पर लगभग 500 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। उन्होंने दूसरे चरण में, जून 2023 से स्पीति घाटी की 18 वर्ष से अधिक आयु की सभी 9000 महिलाओं को 1500 रुपये की मासिक पेंशन और काजा में एक महाविद्यालय और 50 बिस्तर क्षमता के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को कार्यशील करने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार स्पीति घाटी के रंगरिक में हवाई पट्टी

विकसित करने का मुद्दा रक्षा मंत्रालय के समक्ष उठाएगी, क्योंकि यह सामरिक और पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि रौंगटौंग में एक हेलीपोर्ट का निर्माण किया जाएगा और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तीसरे चरण में पिन घाटी में अटारगु से मुद तक 34 करोड़ रुपये की लागत से सड़क निर्माण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, सरकार भावा को मुद से जोड़ने के लिए प्राथमिकता के आधार पर सड़क का निर्माण करेगी। केंद्र सरकार की सहायता से लांग्जा में एक स्टार-गेजिंग वेधशाला स्थापित की जाएगी। ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि काजा के पास शेगो में राजीव गांधी मॉडल डे-बोर्डिंग स्कूल की स्थापना के लिए जमीन चिन्हित कर ली गई है, जो इस क्षेत्र में शिक्षा के विकास के लिए महत्वपूर्ण कदम होगा। इस अवसर पर ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि सरकार ने अनाथ बच्चों को सहायता प्रदान करने के लिए 101 करोड़ रुपये के प्रारंभिक प्रावधान के साथ मुख्यमंत्री सुख-आश्रय कोष की स्थापना की है। सरकार ने मुख्यमंत्री सुख-आश्रय योजना के तहत लगभग 6,000 अनाथ बच्चों को 'चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट' के रूप में अपनाया है। प्रदेश सरकार उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य और कल्याण के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने के अपने वायदे को पूरा किया है। इससे 1.36 लाख सरकारी कर्मचारी लाभान्वित होंगे। राज्य सरकार ने प्रदेश की 2.31 लाख महिलाओं को 1500 रुपये मासिक पेंशन देने के अपने वायदे को भी पूर्ण किया है। उन्होंने कहा कि विधवा एवं एकल नारी आवास योजना के तहत इस वर्ष 7000 महिलाओं को आवास निर्माण के लिए आर्थिक सहायता दी जाएगी। इस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिये वार्षिक आय सीमा दो लाख रुपये निर्धारित की गई है। उन्होंने कहा कि पैतृक संपत्ति के स्वामित्व में बेटियों को समान अधिकार प्रदान करने के लिए लैंड होल्डिंग सीलिंग अधिनियम, 1972 में संशोधन किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य नई पहलों के माध्यम से राज्य को आत्मनिर्भर बनाना और अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। सरकार ने राज्य को मार्च 2026 तक हरित ऊर्जा राज्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने हरित हाइड्रोजन और अमोनिया परियोजना के लिए एक समझौता किया है, जिससे रोजगार के 3500 से अधिक अवसर सृजित होंगे और इससे 4,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश भी आकर्षित होगा। राज्य ने 6 ग्रीन कॉरिडोर घोषित किए हैं, जिनसे इलेक्ट्रिक वाहनों को सुविधा प्राप्त होगी। इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए इलेक्ट्रिक बसों, ट्रकों, टैक्सियों, ऑटो और ई-गुड्स वाहन खरीदने वाले निजी ऑपरेटरों को 50 प्रतिशत सब्सिडी दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पर्यटन के विकास पर विशेष ध्यान दे रही है। जिला कांगड़ा को राज्य की पर्यटन राजधानी के रूप में विकसित किया जा रहा है। पर्यटन विस्तार के लिए कांगड़ा में हवाई अड्डे का निर्माण महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, सभी जिला मुख्यालयों को हवाई परिवहन से जोड़ने के लिए हेलीपोर्ट का निर्माण और विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार नए स्कूल स्थापित करने के बजाय मौजूदा स्कूलों में सुविधाओं की गुणवत्ता बढ़ाकर शिक्षा प्रणाली को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक राजीव गांधी राजकीय मॉडल डे-बोर्डिंग स्कूल स्थापित करेगी। इन विद्यालयों में अत्याधुनिक शिक्षा के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि गरीब परिवारों के मेधावी बच्चों को उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिए सरकार द्वारा 200 करोड़ रुपये की राजीव गांधी उच्च शिक्षा प्रोत्साहन योजना आरंभ की गई है। इसके माध्यम से इंजीनियरिंग, चिकित्सा, एमबीए, पीएचडी और अन्य व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के छात्रों को एक प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण प्रदान किया जाएगा। ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि सरकार ने कृषि क्षेत्र के समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए हिम उन्नति योजना शुरू की है। इसके तहत दूध, दाल, सब्जियां, फल, फूल और नकदी फसलों के क्लस्टर विकसित किए जाएंगे। कृषि, पशुपालन, बागवानी और मत्स्य पालन क्षेत्रों में स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने के लिए दो प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों के लिए मनरेगा दिहाड़ी 266 रुपये से बढ़ाकर 294 रुपये कर दी गई है। उन्होंने कहा कि राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए सरकार ने बिजली उत्पादन करने वाले पानी पर 'वाटर सेस' लगाने का निर्णय लिया है। शराब की खुदरा दुकानों का आवंटन नीलामी की प्रक्रिया से किया गया है। इस निर्णय से 40 प्रतिशत अधिक राजस्व प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार हर क्षेत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देने और भ्रष्टाचारमुक्त प्रशासन सुनिश्चित करने के लिए भी प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने राज्य में सभी वर्गों और क्षेत्रों के लिए समान और संतुलित विकास के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। इस अवसर पर आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया। मुख्यमंत्री ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागियों और लाहौल स्पीति जिला के सरकारी कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए पुरस्कार भी प्रदान किए तथा उनके प्रयासों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने स्पीति घाटी के लिए तीन एंबुलेंस भी समर्पित कीं और क्रिकेट ग्राउंड काजा में पौधरोपण किया। उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई विकासात्मक प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। विधायक रवि ठाकुर, मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू की धर्मपत्नी कमलेश ठाकुर, पूर्व मंत्री फुन्चोग राय, पूर्व विधायक रघुवीर सिंह, मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव भरत खेड़ा, मुख्यमंत्री के ओएसडी गोपाल शर्मा, प्रधान सलाहकार (मीडिया) नरेश चौहान और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। इससे पहले, मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने काजा मठ में पूजा-अर्चना की और प्रदेश की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की।

ओडिशा में धूम धाम से मनाया गया ओडिआ नववर्ष महाविषुव संक्रांति का पर्व

एनसीआर समाचार

ओडिशाः जिस त्योहार से मनुष्य का मन अहिंसा, संयम, तप और धर्म में लगा रहता है, दंडयात्रा के नाम से प्रसिद्ध उस त्योहार ओडिआ नववर्ष महाविषुव संक्रांति के अवसर पर 14 अप्रैल शुक्रवार को सत्यवादी प्रखंड क्षेत्र का आसपड़ोस के दो गांव दासविद्याधरपुर और भीमपुर के मंदिर परिसर मे संपन्न हुआ। दासविद्याधरपुर के देवीमा और भीमपुर गडचंडी मंदिर सज-धजकर तैयार हुआ था। गेंडे फूलों की माला से मंदिर की तोरण द्वार सजाया गया था। खाईफोड नाम से उस उत्सव प्रसिद्ध है। इंग्लिश अक्षर ळ जैसा है लकडी का खाई। पाटुआ नाम से परिचित मन्नत रखने वालों के पीठ पर लोहे की हुक फोडा जाता है। बाद में रस्सी के सहारे बांधकर पाटूआ को खाई में झुलाया जाता है। झुलते हुए उन्हे खाई के चारों ओर घुमाया जाता है। इस कारण उस त्योहार उत्सव का नाम खाईफोड हुआ है। पाटुआ के चेहरे से उत्सव के वक्त कोई पीडा का भाव दिखाई नहीं देता था, बल्कि जिंदादिल से खाई में झुलते हुए छोटे छोटे वच्चो को भी साथ मे उठा लेते थे। बच्चों के माता-पिता भी खुशी से

उन्हें यह सब करने दिया। इसका आनंद उठाते हुए हजारों की संख्या मे श्रद्धालुओं की भीड़ जमी। कुछ भक्त देवीमा को नैवेद्य दी और दीप जलाए। इससे पूर्व पाटुआ एक सप्ताह पहले से अपने घर-परिवार से दूर अलग कक्ष मे रहते थे। भीमपुर गांव के विकास वेहेरा नाम का एक पाटुआ वताते हैं कि अलग रहते हुए उनके लिए खाने मे कोई परहेज नहीं था। अपने इच्छानुसार वे कुछ भी खा सकते थे वशर्ते व्रह्मचारी का व्रत पालन करते हुए औरतों से दूर रहना था। इस चैत्र मास के दुसरी मंगलवार को पास के तालाब से कलस शोभायात्रा निकला था। तब से पाटुआ लोगों के दिनचर्या वदलकर घर-परिवार से अलग होकर देवी मां का भजन कीर्तन मे उनके समय बीतता था। भीमपुर मे झुलता हुआ एक पाटुआ अचानक गिर जाने को छोड़कर वाकी सबकुछ शांति से संपन्न हुआ। दासविद्याधरपुर मे सबकुछ विधिवत हुआ ।वहांपर कुल 18 पाटुआ झुले पर टंगे थे। इस उत्सव कार्यक्रम में दासविद्याधरपुर गांव की ग्रामीणों के काफी सहयोग रहा। खासकर कडी धूप में आए हुए भक्तजनों को दासविद्याधरपुर के डाक्टर प्रणय कुमार मिश्र एवं सत्यव्रत मिश्र अपने निजी खर्च से शुद्ध पेयजल एवं दही शरबत पिलाया जिसे सबने सराहा। भीमपुर मे मानवाधिकार आयोग के डेलांग पिपिलि शाखा सदस्यों ने श्रद्धालुओं को दही सर्वत पिलाया। इस कार्य में आयोग की अनाम मल्लिक, सुरेश मंत्री, हृषीकेश जेना, भिकारी वेहेरा, सुकांती भोई, निरवती परिडा, पुष्पांजलि जेना, स्नेहमयी राउत एवं शुभश्री प्रधान के विशेष सहयोग रहा।

हरियाणाः डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती पर पहाड़ी गांव में रैली का स्वागत

एनसीआर समाचार

हरियाणाः पलवल में 14 अप्रैल 2023 को गांव पहाड़ी में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जयंती के सुंव अवश्य पर रैली का भव्य स्वागत किया गया यह रैली जिला पलवल से गांव बहीन पहुंची वापसी गांव पहाड़ी में से होकर गुजर रही थी। इस रैली में टिंकु गांव रजपुरा ने इस रैली के बारे में विस्तार से बताया तथा उसने संक्षिप्त बताया कि, यह रैली अब हथीन मंडकोला होकर पलवल जाएगी। इस स्वागत में हमारे गांव के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे तथा गांव के मुख्य अध्यापक लक्ष्मीराम रावत ने अंबेडकर जयंती के शुभ अवसर पर उनके जन्म स्थान मध्य प्रदेश में बताया तथा उस गांव का नाम गांव महू था। डॉक्टर भीमराव अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल सन 1891 में हुआ तथा व हमारे संविधान सभा के अध्यक्ष थे उन्होंने विदेश में जाकर दूसरे लोग तंत्र देशों का अध्ययन कर-के भारतीय समाज रीति रिवाज की तुलना करके हमारे देश को 26 नवंबर 1949 को भारत को सौंप दिया।

हिमाचल प्रदेशः मुख्यमंत्री ने हिमाचल गौरव और प्रेरणास्रोत पुरस्कार प्रदान किए

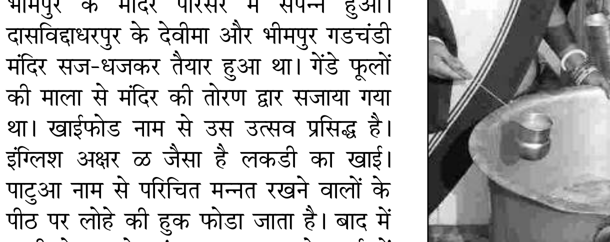

एनसीआर समाचार

हिमाचल दिवस के अवसर पर आज यहां लाहौल स्पीति के काजा में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने समाज सेवा, खेल, संस्कृति के संरक्षण और अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान के लिए विभिन्न व्यक्तित्वों को ह्यहिमाचल गौरवह्न और ह्यप्रेरणास्रोतह्न पुरस्कार से सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने बिलासपुर जिले के घुमारवीं के छत्त प्राथमिक पाठशाला के अध्यापक लकेश चंदेल को ह्यहिमाचल गौरवह्न पुरस्कार से सम्मानित किया। उन्होंने स्कूल भवन के समीप भू-स्खलन में 36 विद्यार्थियों की जान बचाई थी। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और लोकगीतों को संरक्षित करने के लिए प्रदेश के प्रसिद्ध गायक करनैल राणा और साहित्यिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए सोलन जिले के नेम चंद को ह्यहिमाचल गौरवह्न पुरस्कार से सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने सिरमौर जिले की रानी को खेल गतिविधियों में उनकी विशिष्ट उपलब्धियों के लिए हिमाचल गौरव पुरस्कार प्रदान किया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन हिमाचल प्रदेश की टीबी उन्मूलन टीम को ह्यसिविल सेवा पुरस्कारह्न प्रदान किया गया। पाइनग्रोव स्कूल कसौली के कार्यकारी निदेशक कैप्टन अमर्योत सिंह, मंडी जिले के पदमश्री नेक राम शर्मा और शिमला जिला के कोटखाई के प्रेम सिंह चौहान को प्रेरणास्रोत अवार्ड से सम्मानित किया गया।

समग्र शिक्षा की दिशा में नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क एक क्रांतिकारी कदम- कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता

एनसीआर समाचार

मध्य प्रदेशः सागर संसद टीवी के महत्त्वपूर्ण और पॉपुलर कार्यक्रम 'इन फोकस' में डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क पर अपने विचार रखे। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने हाल ही में राष्ट्रीय क्रेडिट फ्रेमवर्क जारी किया है, जो छात्रों को ऑनलाइन, डिजिटल और मिश्रित शिक्षा सहित सभी स्तरों पर शिक्षा और सीखने के लिए क्रेडिट अर्जित करने की अनुमति देगा। इस कार्यक्रम में प्रोफेसर एम जगदीश कुमार, अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, डॉ. सीबी शर्मा, प्रोफेसर ऑफ एजुकेशन, इग्नू एवं अनिल कुमार, प्राचार्य, डीपीएस, फरीदाबाद भी शामिल थे। प्रो. नीलिमा गुप्ता ने नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क से उच्च शिक्षा में आ रहे परिवर्तन एवं इसे लागू करने में आ रही चुनौतियों के बारे में चर्चा की और कहा कि इसके माध्यम से

स्कूल शिक्षा एवं उच्च शिक्षा संयुक्त रूप से समग्र एवं सर्वांगीण शिक्षा पर काम करेंगे और विद्यार्थियों को बहु-अनुशासनात्मक शिक्षा अर्जित करने का अवसर मिलेगा। विश्वविद्यालय स्तर पर सामान्य कोर्स के चयन के साथ विभिन्न विषयों के चयन की सुविधा वेबसाईट के माध्यम से उपलब्ध कारवाई जा रही है जिसके द्वारा विद्यार्थी अपने मुख्य कोर्स के क्रेडिट के साथ अन्य विषयों को चयन कर उसके क्रेडिट अर्जित कर सकते हैं। यह सभी क्रेडिट जुड़ कर डिजीलाकर में संग्रहित होंगे जो बाद में दूसरे विश्वविद्यालयों के साथ एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट के माध्यम से आदान-प्रदान भी किए जा सकते हैं। वर्तमान में एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट मे हमारे विश्वविद्यालय के 4000 विद्यार्थी पंजीकृत हैं।

अभी भी सभी विद्यार्थी इस बारे में जागरूक नहीं हैं। वे बहु विषयों का चयन कैसे कर सकते हैं, कितने कर सकते हैं आदि सवालों से वे अभी जूझ रहे हैं। इसके लिए विश्वविद्यालयीन इकाईयों को आगे आकर उन्हे सहयोग प्रदान करना चाहिए व उन्हे समझाना चाहिए बेहतर समझ के साथ सभी विद्यार्थी इस परिवर्तन का लाभ सुनिश्चित कर पाएंगे। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष प्रो. एम जगदीश कुमार ने नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क की जरूरत और महत्वता को बताते हुए कहा कि एनसीआरएफ सीखने के पारिस्थितिकी तंत्र को आठ स्तरों में विभाजित करता है, कक्षा 5 से पीएचडी स्तर तक सीखने के घंटों के आधार पर क्रेडिट प्रदान करता है।

इसमें 18 व्यापक सैद्धांतिक विषय और 64 अनुप्रयुक्त विज्ञान या व्यावसायिक विषय और शिल्प शामिल हैं, जिन पर ऋण संचय के लिए विचार किया जा सकता है। एनसीआरएफ खेल और खेल, योग, शारीरिक गतिविधियों, प्रदर्शन कला, हस्तशिल्प और बिना बैग के दिनों सहित कक्षा के बाहर की शिक्षा का भी मूल्यांकन करता है। यह बहु-अनुशासनात्मक शिक्षा के लिए मार्ग प्रशस्त करता है और अपने स्वयं के सीखने के प्रक्षेपवक्र और कार्यक्रमों को चुनने के लिए पाठ्यक्रमों के चयन में लचीलेपन के माध्यम से छात्रों को सशक्त बनाता है।

संपादकीय

विपक्षी एकता के मुद्दे

पिछले कुछ वर्षों से विपक्ष की अनेक पार्टियां आपस में एकजुट होने का प्रयास कर रही हैं। एकता का आधार विचारधारा ही हो सकती है। जो पार्टियां भाजपा की राष्ट्रवादी विचारधारा से सहमत नहीं हैं, वे आपस में एकजुट हो सकती हैं। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि जो पार्टियां इका होने का प्रयास कर रही हैं, उनकी विचारधारा आपस में मिलती हो। परन्तु ऐसा नहीं है। इसका मुख्य कारण यह है कि विपक्षी की अनेक पार्टियां किसी न किसी परिवार की व्यक्तिगत पार्टी है। कांग्रेस का अपना राज परिवार है और लालू का अपना राज परिवार है। मुलायम सिंह का अपना राज परिवार है। उनकी मृत्यु के बाद स्वाभाविक ही राज तिलक उनके बेटे का हो गया। यह अलग बात है कि अखिलेश यादव ने पिता के जीते जी ही उनसे पार्टी की कुंजी छीन कर अपने पास रख ली। फारूक अब्दुल्ला को तो उनके पिता शेख मोहम्मद अब्दुल्ला ने विधिवत एक जनसभा में नेशनल कान्फ्रेंस के पारिवारिक कागज पत्र दिए थे। इन राज परिवारों ने लोकतंत्र में ही अपना अस्तित्व बनाया था। लोकतंत्र की सीढ़ी से ही राज परिवार ऊपर आए थे। संविधान के अनुसार ही बड़े-बड़े पदों की शपथ ली थी। सार्वजनिक रूप से ही राज परिवारों ने अपने अपने युवराजों की घोषणा की थी ताकि प्रजा को पता चल जाए कि भविष्य का उत्तराधिकारी कौन है जिसे सत्ता देनी है।

इस प्रकार ये दल किसी विचारधारा के कारण नहीं बल्कि पारिवारिक हितों को खतरे में पड़ता देख कर, भाजपा को किसी प्रकार सत्ता से हटाने के लिए एकजुट हो जाना चाहते हैं। लेकिन मामला अटक जाता है। कारण यह है कि कांग्रेस का दावा है कि देश में सबसे बड़ा राजपरिवार वह है। इसलिए देश के बाकी राजपरिवार उसके आसन के सामने लगी कुर्सियों पर बैठें। कोर्निश करने के लिए सोनिया गान्धी ने फिलहाल नहीं कहा है, यह शेष पार्टियों के राज परिवारों के लिए राहत की बात है। लेकिन इन छोटे राज परिवारों का दावा है कि कांग्रेस का पुश्तैनी राज परिवार अब इतना बड़ा नहीं रहा कि उसकी छत्रछाया में बाकी राज परिवार बैठ सकें। परन्तु कांग्रेस अपने भूतकाल से बाहर नहीं आ रही। वह पुराने किले के बाहर कितना परिवर्तन हो गया है, इसे देखने व समझने को तैयार नहीं है। एक और कारण भी है। राज परिवारों में इस बात को लेकर भी सहमति नहीं बन पा रही कि यदि एकता हो जाती है तो किस राज परिवार को कितना हिस्सा मिलेगा। विपक्षी एकता में यही सबसे बड़ा पेंच है।

अभी तक इन राज परिवारों में राजनीतिक एकता को लेकर झगड़े थे, लेकिन पैसे को लेकर सब ठीक-ठाक ही चल रहा था। लेकिन इसी बीच राज परिवार एक दूसरे संकट में घिरते गए। राज परिवारों की सम्पत्तियों की जांच होने लगी। यह सम्पत्ति कैसे बनी, इसकी जांच होने लगी। राज परिवारों ने इस प्रकार की स्थिति का सामना कभी नहीं किया था। राजा तो अपने आप को दैवी शक्ति सम्पन्न मानता है। जनता तो उसकी प्रजा है।

अब अदालत की जरूरत ही नहीं, योगी जो है!

पहले अतीक के बेटे असद को पुलिस मुठभेड़ में मार गिराया और उसके 2 दिन बाद ही अतीक अहमद व उसके भाई की भी पुलिस कस्टडी में हत्या हो गई। यानि कोर्ट कचहरी का झंझट खत्म। अब जांच आयोग बनेंगे, कुछ पुलिस कर्मियों को निलंबित किया गया गया, पोस्टमार्टम डॉक्टरों के पैनल से होगा, धारा 144 लगा ही थी, घटना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नाराजगी भी प्रकट कर दी। इससे अधिक तो कुछ नही हो सकता। अब चाहे ओवैसी बड़बड़ाये या मायावती, राहुल बोले या अखिलेश कुछ होने वाला नही है। लेकिन यह घटना यह बताने के लिए काफी है कि जब सरकार न्याय व्यवस्था की सीमा को पार कर कानून अपने हाथ मे लेने लगे तो हम कह सकते है कि देश तानाशाही की तरफ बढ़ रहा है।

-श्रीगोपाल नारसन-

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कुख्यात अतीक अहमद व उसके परिवार को मिट्टी में मिला देने की बात कही थी, वह उन्होंने पूरी कर दिखाई। पहले अतीक के बेटे असद को पुलिस मुठभेड़ में मार गिराया और उसके 2 दिन बाद ही अतीक अहमद व उसके भाई की भी पुलिस कस्टडी में हत्या हो गई। यानि कोर्ट कचहरी का झंझट खत्म। अब जांच आयोग बनेंगे, कुछ पुलिस कर्मियों को निलंबित किया गया गया, पोस्टमार्टम डॉक्टरों के पैनल से होगा, धारा 144 लगा ही थी, घटना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नाराजगी भी प्रकट कर दी। इससे अधिक तो कुछ नही हो सकता। अब चाहे ओवैसी बड़बड़ाये या मायावती, राहुल बोले या अखिलेश कुछ होने वाला नही है। लेकिन यह घटना यह बताने के लिए काफी है कि जब सरकार न्याय व्यवस्था की सीमा को पार कर कानून अपने हाथ मे लेने लगे तो हम कह सकते है कि देश तानाशाही की तरफ बढ़ रहा है। हम किसी अपराधी के कतई हिमायती नही है लेकिन दंड देने की भी एक व्यवस्था है जो भारतीय संविधान व भारतीय दंड संहिता व दंड प्रकिया संहिता के अनुसार चलती है। लेकिन उत्तर प्रदेश में तो

माफिया अतीक अहमद और अशरफ की पुलिस कस्टडी में ही गोली मारकर हत्या कर दी गई है। पुलिस अपनी कस्टडी में दोनों को प्रयागराज के कॉल्विन अस्पताल में मेडिकल के लिए लेकर जा रही थी।

इसी दौरान तीन हमलावरों ने मीडिया के भेष में आकर उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर उनकी हत्या कर दी, लेकिन मौजूद पुलिस हाथ पर हाथ धरे बैठी रही। पुलिस ने हमलावरों पर न तो जवाबी फायरिंग की और न ही पुलिस कस्टडी में अतीक अहमद व उसके भाई को बचाने की कौशिश की। घटना के बाद दोनों अतीक व उसके भाई के शवों को मेडकल कॉलेज के अंदर ले जाया गया। मौके पर जय श्रीराम के नारे जरूर सुने गए हैं, जो हकीकत का अंदाजा लगाने के लिए काफी है, अब पुलिस मामले की जांच की लीपापोती में जुट गई है। पुलिस ने हमलावरों को उन्हें बिना कोई नुकसान पहुंचाए पकड़ लिया है। इस पूरे हमले को बकायदा मीडिया और पुलिस के सामने अंजाम दिया गया है। दोनों अपराधियों पर जब फायरिंग हुई, पूरी वारदात कैमरे में भी कैद हुई है, इस हमले में एक पुलिस कांस्टेबल भी घायल हुआ है, जिसका नाम मान सिंह है, उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है।

उक्त घटना को अंजाम देने वाले हमलावर एक पल्सर बाइक पर तीनो सवार होकर आए थे, जिन्होंने अतीक और अशरफ को गोली मारी है। मौके पर तीन हथियार भी बरामद हुई हैं। कारतूस भी मौके पर मिले हैं। बाइक सवार आरोपी मीडियाकर्मी बनकर पहुंचे थे। बाइक के पास से एक कैमरा और एक माइक आईडी भी बरामद हुई है। इस घटना के बाद प्रयागराज में हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। संवेदनशील इलाकों में पुलिस की गश्त बढ़ाई गई है। आसपास के जिलों से पुलिस फोर्स को भेजा गया है। पीएसी और आरपीएफ लगाई जा रही है। वारदात के बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने सनसनीखेज हत्याओं की हाई लेवल जांच के आदेश दे दिए हैं। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रदेश के सभी जिलों में धारा 144 को लागू कर दिया गया है। लॉ एंड ऑर्डर के स्पेशल डीजी प्रशांत कुमार ने बताया, मुख्यमंत्री ने अहमद और अशरफ की हत्या की जांच के लिए तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग का गठन किया है। उन्होंने बताया कि तीन हमलावरों को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया और मामले की विस्तृत जांच की जा रही है। प्रयागराज की घटना के बाद, मुख्यमंत्री ने लखनऊ में एक उच्च स्तरीय बैठक बुलाई, जिसके बाद उन्होंने जांच के आदेश दे दिए।

वहीं सूचना निदेशक शिशिर ने बताया, राज्य के सभी जिलों में निषेधाज्ञा जारी कर दी गई है। इस वारदात के तुरंत बाद पूरे प्रदेश की पुलिस हरकत में आ गई। अलीगढ़, मुरादाबाद, बाराबंकी, संभल और लखीमपुर खीरी में पुलिस ने रात को सड़कों पर फ्लैग मार्च किया गया। इससे दो दिन पहले झांसी में यूपी एसटीएफ ने अतीक अहमद के तीसरे नंबर के बेटे और उमेश पाल हत्याकांड के आरोपी असद के साथ शूटर गुलाम को एनकाउंटर में मार गिराया गया था। अतीक अपने बेटे के जनाजे में नहीं शामिल हो पाया था। वहीं एनकाउंटर पर सवाल उठने के बाद डीएम ने मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दे दिए हैं। इस जांच के लिए सिटी मजिस्ट्रेट को जांच अधिकारी बनाया गया है। पूर्व सांसद कुख्यात अतीक अहमद तथा उसके भाई और पूर्व विधायक अशरफ की पुलिस कस्टडी में हत्या पर विपक्ष भड़क उठा है। विपक्षी नेताओं ने योगी सरकार के शासन में कानून व्यवस्था खत्म होने का आरोप लगाया है। नेताओं ने योगी सरकार को तुरंत बर्खास्त करने की मांग की। दूसरी तरफ राज्य सरकार के एक मंत्री ने इसे आसमानी फैसला बताया है।

राज्यं के मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अतीक, अशरफ की हत्या को लेकर प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाया है। उन्होंने ट्वीट किया, उत्तर प्रदेश में अपराध की पराकाष्ठा हो गई है और अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। जब पुलिस के सुरक्षा घेरे के बीच सरेआम गोलीबारी करके किसी की हत्या की जा सकती है तो आम जनता की सुरक्षा का क्या होगा? इससे जनता के बीच भय का वातावरण बन रहा है। ऐसा लगता है कि कुछ लोग जानबूझकर ऐसा वातावरण बना रहे हैं।

बहुजन समाज पार्टी के सांसद कुंवर दानिश अली ने दावा किया कि उप्र में जंगल राज की पराकाष्ठा है। उन्होंने ट्वीट किया यह ऊपर के इशारे के बिना नहीं हो सकता। किसी और लोकतंत्र में कानून के शासन के खिलाफ ऐसे जघन्य अपराध के लिए राज्य सरकार को बर्खास्त कर दिया जाता। राष्ट्रीय लोक दल के अध्यक्ष व सांसद जयंत चौधरी ने भी अतीक और उसके भाई की हत्या की सनसनीखेज घटना को लेकर सरकार पर सवाल उठाया। उन्होंने ट्वीट किया ह्यक्या यह लोकतंत्र में संभव है?ह्व उन्होंने हैशटैग जंगलराज लगाया। चौधरी ने एक वीडियो भी साझा किया जिसमें अतीक और अशरफ की हत्या का दृश्य है। उन्होंने कहा अतीक के साथ किसी को भी सहानुभूति नहीं है क्योंकि अपराधी को सजा मिलनी चाहिए। लेकिन जिसने भी यह वीडियो देखा, वह सवाल करेगा कि क्या यह लोकतंत्र हैं? हर अपराधी को अदालत में अपना पक्ष रखने का अधिकार है और उसे वहीं दोषी ठहराया जाता है। लेकिन आप देख सकते हैं कि उन्हें पुलिस की हिरासत में सबके सामने मार डाला गया। जयंत चौधरी ने आगे कहा, मुख्यमंत्री को जवाब देना चाहिए कि राज्य में उन्होंने किस तरह की कानून व्यवस्था स्थापित की है। क्या यह जंगलराज नहीं है और क्या उत्तर प्रदेश में आपातकाल लागू नहीं किया जाना चाहिए?

राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने ट्वीट किया उत्तर प्रदेश में दो हत्याएं : 1- अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की, 2- कानून के शासन की। उप्र सरकार के संसदीय कार्य व वित्त मंत्री सुरेश खन्नाी ने कहाह्न, जब जुल्म की इंतिहा होती है या जब अपराध की पराकाष्ठा होती है तो कुछ फैसले आसमान से होते हैं। ङ्ग.और मैं समझता हूं कि यह कुदरत का फैसला है और इसमें कुछ कहने की आवश्यकता ही नहीं है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बार-बार कहते हैं कि यूपी में कानून व्यवस्था उत्तम है, ये एक बड़ी साजिश है, जांच होनी चाहिए। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए। इस तरह के आरोपों से योगी सरकार इस समय घिरी हुई है। न्याय व्यवस्था भी असहाय सी होकर रह गई है। यदि दंड का यही विधान है तो न्यायालय की क्या जरूरत है, वकीलों की भी कोई आवश्यकता नही रह जायेगी। जरूरत उनमें सुधार करने की थी, न कि कानून अपने हाथ मे लेकर फैंसला करने की। हत्या का शिकार हुए कुख्यात अतीक अहमद बार बार अपनी हत्या की आशंका जता रहा था, फिर फिर पुलिस ने चौकसी क्यो नही की, निश्चित ही पुलिस कस्टडी में हत्या पुलिस का पंगुपन व योगी सरकार की विफलता है। जिसे आसमानी न्याय कह कर नही बचा जा सकता।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

किसानों की संवेदनाएं समझें सत्ताधीश

-प्रताप सिंह पटियाल-

आमतौर पर मशविरा दिया जाता है कि मेहनत करने वालों की कभी हार नहीं होती लेकिन यदि वास्तव में इनसान किसान की भूमिका में हो तो कृषि व्यवसाय में मेहनत भी शिकस्त का दंश झेलने को मजबूर रहती है। मार्च व अप्रैल महीने में रबी की फसल पूरे शबाब पर होती है। मगर मूसलाधार बारिश व ओलावृष्टि के कहर ने किसानों व बागवानों की कई महीनों की मेहनत पर पानी फेर कर किसानों को मायूस कर दिया है। हिमाचल के निचले क्षेत्रों में बेमौसम बरसात से ह्यब्लॉज्म ब्लाइटह्न रोग ने आम की पैदावार को भारी नुकसान पहुंचाया है। कृषि अर्थशास्त्र की बुलंद इमारत अन्नदाता अतीत से एक बड़े परीक्षार्थी की तरह जीवनयापन करता आ रहा है। मौसम अपने तल्ख तेवरों व बेरूखे मिजाज से किसान वर्ग की सबसे बड़ी परीक्षा लेता है। फसल तैयार होने पर बाजार नाम की व्यवस्था व उपभोक्ता किसानों की परीक्षा लेते हैं। कभी व्यवस्थाओं में बैठे अहलकार तो कभी सरकारें किसानों की परीक्षा लेती हैं। कृषि उत्पादन में कड़ी मेहनत के साथ धन भी खर्च होता है। महंगे बीज, मशीनीकरण, खाद व कीटनाशक किसानों का आर्थिक पक्ष कमजोर करते हैं। सूखे की मार व कोहरे से फसलों की तबाही का खामियाजा भी किसान ही भुगतते हैं। मगर कृषि उपज का मोल बाजार तय करता है। कृषि क्षेत्र के संघर्ष व समस्याओं को समझने में देश की सियासी व्यवस्था ने कभी तत्परता नहीं दिखाई। करोड़ों आबादी को खाद्यान्न उत्पादन करने वाला कृषक वर्ग प्राकृतिक आपदाओं की मार से फसलों की तबाही को कुदरत का कहर या विधि का विधान मान कर खामोशी से सहन कर लेता है। फसल कटाई के बाद खेतों में फसली अवशेष जलाने पर ह्यएनजीटीह्न, सरकारें व न्यायालय भी किसानों को ही दोषी ठहराते हैं। आखिर किसान अपने दर्द-ए-जिगर का इजहार किससे करे। विडंबना है कि देश में लोकतंत्र की सबसे बड़ी पंचायतें उद्योगपतियों के नाम पर हंगामें की भेंट चढ़ जाती हैं, मगर देश की 140 करोड़ आबादी को खाद्य सुरक्षा मुहैया कराने वाले अन्नदाता की समस्याओं का जिक्र तक नहीं होता। फसलों की तबाही का मंजर न्यूज चैनलों की सुर्खियां भी नहीं बनता। लेकिन जब सियासी जमीन खिसक जाए तो सत्ता पक्ष पर निशाना साधने के लिए विपक्षी दलों का मुख्य मुद्दा किसान ही बनते हैं। कृषि अर्थतंत्र का बुनियादी स्तंभ अन्नदाता लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदाता का जिम्मेदाराना किरदार भी अदा करता है। जम्हूरियत की बुलंदी पर पहुंचने का रास्ता खेत खलिहान व गांव की चौपालों से होकर ही गुजरता है। चुनावी समर में किसान सियासी दलों की प्राथमिकता में शामिल हो जाते हैं। खोया हुआ जनाधार हासिल करने के लिए सत्ता का समीकरण कृषक समाज के इर्द-गिर्द ही घूमता है। चुनावी मौसम में सियासी मैदान में ताल ठोंकने वाले प्रतिनिधि भी खुद को किसान बताकर किसानों का रहनुमां बनने की पूरी कोशिश करते हैं। कई सियासी रहनुमां किसानों का मसीहा बन कर किसानी से जुड़े मुद्दों को अपना सियासी एजेंडा बनाकर सत्ता की सीढि?ां चढकर जम्हूरियत की पंचायतों में पहुंच गए। मगर इक्तदार हासिल होने के बाद किसानों के मुद्दे सियासी दलों के एजेंडे से गायब हो जाते हैं। मशहूर ब्रिटिश अर्थशास्त्री ह्यथॉमस राबर्ट माल्थसह्न ने सन 1798 में अपनी किताब ह्यप्रिंसिपल ऑफ पॉपुलेशनह्न के जरिए दुनिया को चेताया था कि अनाज उत्पादन की तुलना में यदि जनसंख्या अधिक होगी तो बहुत से लोग भोजन की कमी से मरेंगे। जब आबादी खाद्य आपूर्ति से अधिक हो जाए तो खाद्यान्न व जनसंख्या में असंतुलन पैदा हो सकता है।

माल्थस के शत-प्रतिशत सही इस तर्क के भविष्य में परिणाम जो भी हों, मगर हमारे मेहनतकश किसानों ने भारत को खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाकर 'माल्थुसियन सिद्धांत' को कादी हद तक गलत साबित किया है। भारत में निवास करने वाली विश्व की लगभग 18 प्रतिशत दूसरी सबसे बड़ी आबादी को खाद्य सुरक्षा प्रदान की जा रही है। सरकारी डिपुओं में करोड़ों लोगों को अनाज सस्ते दामों पर मिल रहा है। स्कूलों में मिड डे मील योजना के तहत करोड़ों छात्रों को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। कई पड़ोसी देशों को अनाज भेजकर आवाम की मदद की जा रही है। देश के अनाज भंडारों में भंडारण क्षमता से अधिक अनाज मौजूद है। यदि देश के किसी हिस्से में भुखमरी या कुपोषण जैसे हालात हैं तो इसके लिए सियासी निजाम जिम्मेवार है। खाद्यान्न, फल-सब्जियां तथा दुग्ध उत्पादन में भारत को विश्व में दूसरे पायदान पर काबिज करके कृषक समाज ने अपनी काबिलीयत का लोहा पूरी दुनिया में मनवाया है। इन उपलब्धियों का श्रेय भले ही देश के सत्ताधीश लेते हैं, मगर खाद्यान्न का रिकॉर्ड उत्पादन किसानों के संघर्ष का परिणाम है। अन्न संकट के मद्देनजर देश में सन 1965 में 'भारतीय खाद्य निगम' तथा कृषि उपज के न्यूनतम समर्थन मूल्य की सिफारिश के लिए 'कृषि लागत एवं मूल्य आयोग' भी वजूद में आया था, मगर किसानों को मेहनत के अनुरूप उपज का मूल्य नसीब नहीं होता। स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के लिए वर्तमान में लोगों का झुकाव आर्गेनिक फूड की तरफ बढ़ रहा है। जैविक व प्राकृतिक खेती की वकालत भी जोरों पर हो रही है, मगर प्राकृतिक उत्पाद भी किसानों की मेहनत पर निर्भर करते हैं। भारत विश्व की पांच सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शुमार कर चुका है। बेशक देश में शिक्षा, स्वास्थ्य व सैन्य क्षेत्रों में काफी उन्नति हुई है। भारत को खाद्यान्न क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने वाला कृषक वर्ग गुरबत से जूझ कर भी देश के स्वाभिमान को कायम रखने के लिए कर्जदाता बनकर प्रयत्नशील है। मगर करोड़ों किसानों की आजीविका का साधन हमारे गांव का पुश्तैनी व्यवसाय कृषि क्षेत्र आजादी के सात दशकों बाद भी कई समस्याओं से ग्रसित होकर विकास की दौड़ में पिछड़ा हुआ है। अतः देश के कृषि अर्थशास्त्र को अपने पसीने से मुन्नवर करने वाले किसानों के हितों की पैरवी के लिए सियासी नजर-ए-करम की जरूरत है। बहरहाल बेमौसम बरसात से नुकसान का आकलन करके मुआवजे का ऐलान होना चाहिए। कृषि अर्थतंत्र की मजबूत नींव किसानों की संवेदनाओं का सम्मान करना होगा ताकि युवा पीढ़ी का खेती की तरफ रुझान बढ़े।

एकता के सात फेरे और एक अदरक-पंजा

-पंकज शर्मा-

बुधवार को कांग्रेस-अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पूर्व-अध्यक्ष राहुल गांधी से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव की मुलाकात के बाद विपक्षी एकता की कोशिशें ठोस आकार लेती तो दिखाई देने लगी हैं, लेकिन इस मिलन की तसवीरों को देख कर अभी से फुदकना शुरू कर देने वाली कांग्रेस की लिपिक-टोली को यह बताना जरूरी है कि दिल्ली अभी उतनी ही दूर है, जितनी 2019 में थी। यह अलग बात है कि दिल्ली नरेंद्र भाई मोदी से भी अब दिन-ब-दिन दूर होती जा रही है और वे 2024 में उसे गप्प से गटकने की स्थिति में नहीं हैं, मगर इतनी कूवत उन में एक बरस बाद भी बनी रहेगी कि वे दिल्ली को अपने अदरक-पंजों से पूरी तरह बाहर न जाने दें। 2014 में वे जिस तरह दनदनाते हुए रायसीना-पहाड़ी पहुंचे थे, 2024 में उन्हें उसी तरह सनसनाते हुए इस पहाड़ी से नीचे ठेल देने लायक हैसियत विपक्ष की अभी नहीं हुई है। बचे बारह महीने में अगर हो जाए तो वह विलक्षण चमत्कार होगा।

विपक्षी एकता की राह में कई घुमावदार मोड़ अभी बाकी हैं। बंद-कमरा बातचीत में हालांकि नीतीश ने राहुल-खड़गे को भरोसा दिलाया है कि वे ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल को विपक्ष की बेलबूटी-जाजम पर सब के साथ बिठा देंगे, मगर क्या वे सचमुच ऐसा कर पाएंगे? तेजस्वी ने भी अखिलेश यादव को इस दस्तरखान तक ले आने का विश्वास राहुल के सामने जाहिर किया है, लेकिन वे इस में कितने कामयाब होंगे, मालूम नहीं। ममता, केजरीवाल और अखिलेश को अगर नीतीश-तेजस्वी ने विपक्ष के सफर में कांग्रेस का साथी बना दिया, तब तो समझ लीजिए कि आगामी आम चुनाव का भवसिंधु दो तिहाई से ज्यादा पार हो गया। शरद पवार, उद्धव ठाकरे, एम. के. स्टालिन और वाम दल पहले से साथ हैं। मायावती और के. चंद्रशेखर राव सरीखों ने अगर अपना बखेड़ा समेट लिया तो 2024 की गर्मियों में आप एक अद्भुत करिश्मा घटता हुआ देख भी सकते हैं।

मगर यह अजूबा तभी होगा, जब प्रतिपक्षी राजनीतिक दलों के नेताओं के चेहरे यक-सां होने के साथ-साथ उन सभी के जमीनी स्तर के कार्यकताओं के मन भी आपस में घुलमिल जाएं। क्या यह आसान होगा? क्या पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस, मार्क्सवादी पार्टी और कांग्रेस के जन-जन एक-दूसरे के लिए रूह-अफजा हो पाएंगे? क्या उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और कांग्रेस के पट्ठे गलबहियां कर घूमने लगेंगे? क्या केरल में वाम दलों और कांग्रेस के धरतीपुत्र मिलजुल कर चुनावी खेत में हल चला लेंगे? क्या अभी-अभी राष्ट्रीय पार्टी बनने से गदगद आम आदमी पार्टी के आम-जन अपनी विस्तारवादी ललक को निस्पृह भाव से विपक्षी एकजुटता के हवनकुंड के हवाले कर देंगे? सो, नरेंद्र भाई की शक्ल से मुक्ति पाने के जज्बा ले कर हमराही बनने वाली एकाध दर्जन शिखर-शक्लें जब तक अपने-अपने अंत्यजन को भी इसी भाव में सराबोर न कर दें, दिल्ली कैसे पास आएगी? ह्यतुम चंदन, हम पानीह्न की ये भावलहरियां पैदा करना क्या इतना आसान है? इसलिए बावजूद इसके कि कांग्रेस विपक्ष की लाटसाहबी की ललक को तिलांजलि भी दे दे, राहुल गांधी मौका मिलने पर भी प्रधानमंत्री बनने से आज ही इनकार भी कर दें और कांग्रेस कहीं-कहीं नुकसान उठा कर भी एकता-प्रयासों के सात फेरे ले ले; विपक्षी दल वह गोंद कहां से लाएंगे, जो उनके अंतिम कतार की तमाम कतरनों को एक बड़े फलक पर ईमानदारी से चस्पा कर दे? अगर ऐसा नहीं होगा तो नरेंद्र भाई अट्टहास करते हुए संदूक फाड़ कर फिर बाहर आ जाएंगे। उनके हाथ-पांव बांधने वाली जंजीर अगर कच्चे लोहे से बनी होगी तो उसे चटकाना वे बखूबी जानते हैं। इसलिए सारा दारोमदार इस पर है कि प्रतिपक्ष के पास हर स्तर पर कितना इस्पाती इरादा है। अपने-अपनों को ही सिरमौर देखने की हसरत कुर्बान किए बिना कोई भी विपक्षी एकता कुछ भी मायने नहीं रखेगी। कल्पना कीजिए कि लोकसभा से राहुल के निष्कासन का विरोध करने के लिए इकट्ठे हुए सभी 18-19 राजनीतिक दलों की एकजुटता चुनावी गठबंधन में औपचारिक तौर पर तब्दील तो हो गई, मगर धरातल पर अगर वह व्यावहारिक नहीं बन पाई और ऐसे में नरेंद्र भाई 2024 में फिर 2019 के आसपास सीटें ले उड़े तो क्या होगा?

असंभव काम को संभव करना सफलता का मूलमंत्र

-सनत जैन-

भारत के सबसे बुजुर्ग उद्योगपति महिंद्रा एंड महिंद्रा के पूर्व चेयरमैन तथा यूनियन कार्बाइड के पूर्व गैर कार्यकारी अध्यक्ष केशव महिंद्रा का 12 अप्रैल 2023 को मुंबई में निधन हो गया। 2023 में अरबपतियों की जो लिस्ट जारी हुई थी, उसमें केशव महिंद्रा को 9840 करोड़ रुपए की संपत्ति का सबसे बुजुर्ग भारतीय उद्योगपति बताया गया था। उनके बारे में संपादकीय लिखने का मन इसलिए हुआ की वर्तमान उद्योगपतियों की तुलना में पहले के उद्योगपति किस तरह अपना उद्योग और व्यापार करते थे। उपभोक्ताओं का हित, व्यापार की ईमानदारी, राष्ट्रीयता, संवेदनशीलता के साथ वह व्यापार करते थे। समाज में ऐसे उद्योगपति परिवारों की प्रतिष्ठा होती थी। वह अपने धन का उपयोग अपने अलावा सामान्य लोगों के लिए भी करना जानते थे। 2019 में पेंसिलवेनिया यूनिवर्सिटी के व्हार्टन स्कूल, जहां से उन्होंने अपना ग्रेजुएशन किया था। वहां एक साक्षात्कार दिया था। उनका यह साक्षात्कार वर्तमान पीढ़ी के लिए मार्गदर्शी हो सकता है।

केशव महिंद्रा ने अपने साक्षात्कार में प्रेरणा स्त्रोत के रूप में जेआरडी टाटा और नानाजी देशमुख को बताया था। उन्होंने नानाजी देशमुख को अपना मेंटर बताते हुए कहा था केवल भारतीय जनता पार्टी के एक दिग्गज नेता थे। लेकिन उन्होंने राजनीति छोड़कर समाज सेवा के लिए एक चैरिटेबल ट्रस्ट बनाया। उन्होंने हमेशा जन सामान्य के लिए काम करने में अपना पूरा जीवन लगाया। इसी तरह उन्होंने उद्योगपति जेआरडी टाटा से व्यापार किस मानक से किया जाना चाहिए। इसकी कार्य प्रणाली, धन का उपयोग, उद्योग एवं समाज से जुड़े हुए सभी वर्गों के लिए किस बेहतर तरीके से हो, इसके लिए जेआरडी टाटा उनके प्रेरणास्त्रोत रहे।

उन्होंने कहा कि 15 16 साल की उम्र में हम जो सोचते हैं, वह कभी सही नहीं होता है। उन्होंने साक्षात्कार में कहा उनके पिता ने घर के सभी बच्चों से पन्ने पर लिखवाकर यह पूछा था कि वह बड़े होकर क्या बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मैंने 2 पसंद लिखी थी। पहली पसंद किसान बनना और दूसरी पसंद सैनिक बनने की थी। लेकिन यह दोनों इच्छा पूरी नहीं हुई। मैं उद्योगपति बना, जो मेरी पसंद में नहीं था। उन्होंने कहा मेने अपने बच्चों को हमेशा दो बातें समझाई हैं, पहली असंभव काम को संभव करने की सोचें। दूसरी दयालु बने, दूसरों के बारे में सोचें। उनका कहना था कि पैसा ही सब कुछ नहीं है। दूसरों की खुशी में अपनी खुशी ढूंढगे तो सफल होंगे।

अपने कॉलेज के साथियों से उन्होंने कहा था ?कि जीवन भर याद रखें, बेहतर तकनीकी तो सीख और सिखा सकते हैं। लेकिन व्यवहार कैसे अच्छा किया जाए, यह तकनीकी के जरिए सिखाना संभव नहीं है। उन्होंने कहा था कि व्यवहार में सभी के लिए समानता का व्यवहार ही सबसे बेहतर व्यवहार है। उनका मानना था कि इंसान की क्षमताएं असीम है। हर व्यक्ति को अपनी क्षमताओं के अनुसार सोचने और करने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए।

केशव महिंद्रा लगभग 10000 करोड रूपए की संपत्ति के मालिक होते हुए भी हमेशा सादा एवं पारंपरिक जीवन जीने में विश्वास करते रहे। उन्होंने 1986 में अपनी बेटी लीना की शादी संजय लबरु से की। उन्होंने अपने घर से ही शादी के सभी समारोह किए। सब कुछ बेहद सामान्य था। उस समय वह चाहते तो पांच सितारा होटलों से शादी का आयोजन कर सकते थे। उन्होंने बड़ी सादगी के साथ अपनी लड़की की शादी में केवल उन्हीं लोगों को बुलाया, जो उनके परिवार से जुड़े हुए थे। ऐसी सादगी एक बड़े बिजनेसमैन परिवार में बहुत कम देखने को मिलती है। केशव महिंद्रा का हमेशा से सिद्धांत रहा है कि वह कितनी मदद कर सकते हैं। उनका यह मानना था कि यदि उन्हें राजनीति में अवसर मिलता तो कुछ और बेहतर कर पाते। लेकिन एक उद्योगपति के रूप में उन्होंने जो किया, उससे वह हमेशा संतुष्ट रहे। वह अपने बच्चों को हमेशा एक सीख देते थे, जो भी काम कर रहे हैं, उसमें सबसे पहले खुश रहना सीखें। दूसरों की नकल मत कीजिए। हां दूसरों से कुछ सीख सकते हैं, तो सीखना जरूर चाहिए। उनके जीवन में सबसे ज्यादा दुखी करने वाली घटना यूनियन कार्बाइड की थी। भोपाल में गैस रिसने के कारण सैकड़ों लोगों की मौत और हजारों लोग गैस से प्रभावित हुए ?थे। उसे वह अपने जीवन की सबसे दुखदाई घटना मानकर जीवन भर अफसोस जताते रहे।

NCR समाचार

संपादकीय कार्यालय

जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार प्रात: 9:00 से सायं 9:00

फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

महंगाई से मिल सकती है राहत

गैस स्टोव, पेन, टूथ पेस्ट, कंप्यूटर समेत सस्ती हो सकती हैं कई वस्तुएं

नई दिल्ली। सरकार चुनावी साल में जीएसटी की दरों में बदलाव कर आम आदमी को राहत देने की तैयारी कर रही है। सूत्रों के अनुसार जीएसटी की फिटमेंट कमेटी ने दरों को कम करने पर विचार और चर्चा शुरू कर दी है। उन चीजों पर जीएसटी की दरें कम किए जाने को प्राथमिकता दी जाएगी, जो आम आदमी की रोजमर्रा की जरूरत से जुड़ी हुई हैं। इनमें गैस लाइटर, गैस स्टोव, पेन, हेयर ऑयल, प्रसाधन आइटम्स, टूथ पेस्ट, कंप्यूटर और प्रिंटर शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार फिटमेंट समिति जल्द ही इस पर अपनी रिपोर्ट को अंतिम रूप दे देगी। उसके बाद जीएसटी काउंसिल को रिपोर्ट सौंपी जाएगी। जीएसटी काउंसिल की बैठक मई के दूसरे हफ्ते में हो सकती है। उस बैठक में इस रिपोर्ट में अंतिम फैसला लिया जा सकता है। एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि आर्थिक गतिविधियों में रफ्तार जारी है। जीएसटी कलेक्शन भी सही लेवल पर आ चुका है। ऐसे में अब जीएसटी की दरों में बदलाव को लेकर कदम उठाए जा सकते हैं। हालांकि, अंतिम फैसला राज्यों की सहमति के बाद लिया जाएगा। अगर रोजमर्रा की चीजों पर जीएसटी की दरें कम होती है तो उम्मीद है कि राज्यों को इसमें कोई दिक्कत नहीं होगी। जीएसटी टैक्स एक्सपर्ट निखिल गुप्ता का कहना है कि इसकी दरों को तर्कसंगत करने के पीछे का मकसद जीएसटी टैक्स स्ट्रक्चर को सरल बनाना होता है। इससे कलेक्शन बढ़ सकता है। पिछले अनुभव ने यह साबित किया है कि दरों में कमी के बावजूद कलेक्शन में बढ़ोतरी सबसे अधिक रही है। अर्थशास्त्री इस बारे में लाफर कर्व का उल्लेख करते हैं। इस अवधारणा के मायने हैं कि सरकार के पास ऐसे अवसर होते हैं, जिनमें टैक्स रेट को कम करके कलेक्शन बढ़ाए जा सकते हैं। हाल के महंगाई के आंकड़ों से पता चलता है कि रिटेल महंगाई से छह फीसदी नीचे चला गया है। महंगाई दर में कमी का सहारा लेने का यह एक उपयुक्त समय प्रतीत होता है। अर्थव्यवस्था में सबसे प्रमुख है लोगों की खरीददारी। टैक्स रेट कम होंगे तो चीजें सस्ती होंगी लिहाजा खरीदारी बढ़ेगी और आर्थिक विकास होगा।

100 करोड़ रुपए से ज्यादा का कारोबार वाली फर्मों को सात दिन में अपलोड करनी होगी ई-इनवाइस

नई दिल्ली। सालाना 100 करोड़ रुपए का कारोबार करने वाली कंपनियों मई से एक सप्ताह से ज्यादा पुराने इनवाइस को ई-इनवाइस पोर्टल पर अपलोड नहीं कर सकेंगी। इसका मतलब यह हुआ कि अगर पोर्टल पर सात दिन से ज्यादा पुराने इनवाइस अपलोड किए जाते हैं तो इनवाइस प्राप्त करने वाले वस्तु एवं सेवा कर जीएसटी के तहत इनपुट टैक्स क्रेडिट का दावा नहीं कर सकेंगे। समय का प्रतिबंध दस्तावेज के प्रारूप वाले इनवाइस पर लागू होगा, रिपोर्ट डेबिट, क्रेडिट नोट्स पर लागू नहीं होगा। एएमआरजी एंड एसोसिएट्स में सीनियर पार्टनर रजत मोहन ने कहा कि आपूर्तिकर्ता इनवाइस जारी किए जाने की तिथि को ध्यान में रखे बगैर पोर्टल पर इनवाइस अपलोड कर रहे हैं। अब तक जीएसटीएन इन इनवाइस को स्वीकार कर लेता था। केपीएमजी इंडिया में अप्रत्यक्ष कर के पार्टनर हरप्रीत सिंह ने कहा कि नई अनुपालन व्यवस्था में आंतरिक तालमेल और बेहतर सूचना तकनीक आईटी व्यवस्था की जरूरत होगी। ईवाई में टैक्स पार्टनर सौरभ अग्रवाल ने कहा कि इस कदम से जीएसटी संग्रह बढ़ाने में मदद मिल सकती है, अगर 100 करोड़ के कारोबार की सीमा घटा दी जाती है या सभी करदाताओं के लिए इसे अनिवार्य कर दिया जाता है।

भारत मक्खन व अन्य डेयरी उत्पाद नहीं करेगा आयात

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला ने स्पष्ट किया कि देश मक्खन और अन्य डेयरी उत्पादों का आयात नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि घरेलू क्षेत्र की मदद से ही आपूर्ति में सुधार किया जाएगा। उन्होंने कहा, इसमें डेयरी उत्पादों की कमी की खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के प्रभारी रूपाला ने कहा, इन उप्पादों का कोई आयात नहीं होगा। उन्होंने कहा कि देश में दूध की कोई कमी नहीं है और सरकार नियमित रूप से निगरानी कर रही है। उन्होंने कहा, मांग बढ़ी है। हमारे पास विशाल अप्रयुक्त क्षेत्र है, हम इसका दोहन करने की कोशिश करेंगे। हम इसका उचित तरीके से प्रबंधन करेंगे और चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने किसानों और उपभोक्ताओं से भी इस बारे में चिंता नहीं करने का आग्रह किया है। डेयरी उत्पादों की खुदरा कीमतों में वृद्धि पर मंत्री ने कहा कि कीमतों के बारे में चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। किसानों को अच्छे दाम मिल रहे हैं। वहीं दूसरी ओर अब तमिलनाडु के बाद केरल में भी दूध पर सियासत शुरू हो गई है। केरल सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ जो अपने ब्रांड मिल्मा के नाम से जानी जाती है, ने कुछ राज्यों के दुग्ध विपणन महासंघों की अपने-अपने राज्यों के बाहर के बाजारों में आक्रामक तरीके से प्रवेश करने की प्रवृत्ति को अनैतिक करार दिया है।

भारत के बैंकों पर वैश्विक संकट का असर नहीं

आरबीआई गवर्नर ने कहा, हमारी बैंकिंग प्रणाली स्थिर व मजबूत

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि भारत की वित्तीय प्रणाली अमेरिका और स्विट्जरलैंड के हालिया घटनाक्रमों से पूरी तरह अछूती है। भारतीय रिजर्व बैंक आरबीआई के गवर्नर ने कहा कि वैश्विक स्तर पर अमेरिका और स्विट्जरलैंड में बैंकिंग प्रणाली में हालिया घटनाक्रमों ने वित्तीय स्थिरता और बैंकिंग क्षेत्र की स्थिरता के महत्व को एक बार फिर उजागर किया है। शक्तिकांत दास केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक की वार्षिक बैठक में शामिल होने के लिए वाशिंगटन पहुंचे थे। सिलिकॉन वैली बैंक के डूबने से संबंधित एक सवाल के जवाब में

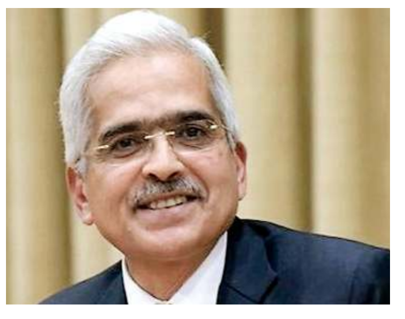

उन्होंने कहा कि अमेरिका और स्विट्जरलैंड में बैंकों की विफलताओं से जुड़े घटनाक्रमों ने स्वाभाविक रूप से पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। उन्होंने कहा, जहां तक भारत का सवाल है, भारतीय बैंकिंग प्रणाली, भारतीय वित्तीय प्रणाली अमेरिका या स्विट्जरलैंड में हुए घटनाक्रमों से पूरी तरह अछूती है। हमारी बैंकिंग प्रणाली लचीली, स्थिर और स्वस्थ है।

हमारा फोकस कमजोरियों को जल्द पहचानने में

शक्तिकांत दास ने कहा कि निगरानी नियामकों का फोकस कमजोरियों की जल्द से जल्द पहचान करने पर होना चाहिए, न कि संकट के बढ़ने का इंतजार करने पर। जहां तक भारतीय रिजर्व बैंक का सवाल है, पिछले कुछ वर्षों में हमने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों सहित पूरी बैंकिंग प्रणाली के अपने विनियमन और पर्यवेक्षण में काफी सुधार किया और सख्ती बरती है। बैंकिंग से संबंधित मापदंड, चाहे वह पूंजी पर्याप्तता हो, तनावग्रस्त परिसंपत्तियों का प्रतिशत हो, व्यक्तिगत और प्रणालीगत स्तर पर अलग-अलग बैंकों की तरलता का कवरेज अनुपात हो या प्रावधान कवरेज अनुपात, बैंकों के शुद्ध ब्याज मार्जिन का मामला हो या बैंकों की लाभप्रदता इन सभी पैरामीटर पर भारतीय बैंकिंग प्रणाली अब भी बहुत स्वस्थ बनी हुई है।

मई में महंगी हो जाएंगी टाटा की कारें

नई दिल्ली। वाहन बनाने वाली देश की प्रमुख कंपनी टाटा मोटर्स ने एक मई से अपने यात्री वाहनों की कीमतों में औसतन 0.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने की घोषणा की है। कंपनी ने जारी बयान में कहा कि विनियामकीय बदलाव और लागत बढ़ने के कारण कीमतों में यह बढ़ोतरी करनी पड़ रही है। कंपनी ने अधिकांश बोझ का वहन करने की कोशिश की है लेकिन इसका कुछ हिस्सा ग्राहकों पर भी डालने का निर्णय लिया गया है। इसी के तहत यात्री वाहनों की कीमतों में औसतन 0.6 प्रतिशत की बढ़ोतरी की जा रही है जो विभिन्न मॉडलों के लिए अलग अलग होगी। उल्लेखनीय है कि टाटा मोटर्स की पंच, नेक्सन, टियागो, टिगोर के साथ ही हैरियर और सफारी लोगों में काफी लोकप्रिय है।

आईडीबीआई बैंक के संभावित बोलीदाताओं का आकलन शुरू

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने सार्वजनिक क्षेत्र के आईडीबीआई बैंक की बहुलांश हिस्सेदारी खरीदने में दिलचस्पी रखने वाले कम से कम पांच संभावित बोलीदाताओं का आकलन शुरू किया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

कोटक महिंद्रा बैंक, प्रेम वत्स समर्थित सीएसबी बैंक और एमिरेट्स एनबीडी बोलीदाताओं में शामिल हैं, जिन्होंने अभिरुचि पत्र जमा कराया है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। रॉयटर्स हालांकि अन्य संभावित बोलीदाताओं के नाम की पुष्टि नहीं कर पाया। आरबीआई, वित्त मंत्रालय, आईडीबीआई, कोटक महिंद्रा बैंक, सीएसबी बैंक ने इस बारे में टिप्पणी नहीं की। एमिरेट्स बैंक के प्रवक्ता ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। व्यापक निजीकरण योजना के तहत सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में यह विनिवेश का पहला बड़ा मामला है और इससे सरकार को मौजूदा बाजार कीमत पर 300 अरब रुपए मिल सकते हैं। आईडीबीआई बैंक में भारत सरकार की हिस्सेदारी 45.48 फीसदी है और वह इसकी 30.48 फीसदी हिस्सेदारी बेचने पर विचार कर रही है। साथ ही भारतीय जीवन बीमा निगम अपनी 49.24 फीसदी हिस्सेदारी में से 30.24 फीसदी हिस्सा बेचेगी। हिस्सेदारी बिक्री प्रक्रिया का पहला कदम अभिरुचि पत्र जमा कराने का मामला जनवरी में पूरा हो गया। सूत्रों ने कहा कि वित्तीय बोली इसी साल आगे जमा कराई जा सकती है।

कारोबारी माहौल रैंकिंग में भारत छह पायदान ऊपर

नई दिल्ली। इकनॉमिक इंटेलिजेंस यूनिट ईआईयू की ओर से जारी वैश्विक कारोबारी माहौल रैंकिंग बीईआर के मुताबिक 2022 की दूसरी तिमाही से 2023 की दूसरी तिमाही के बीच भारत छह पायदान ऊपर गया है। तकनीकी तैयारी, राजनीतिक माहौल और विदेशी निवेश सहित अन्य मानकों के स्कोर में सुधार की वजह से रैंकिंग में सुधरी है। बीईआर में 91 संकेतकों के आधार पर 82 देशों में कारोबारी माहौल को लेकर आकर्षण का मापन किया जाता है। 2023 की दूसरी तिमाही लिए रैंकिंग से पता चलता है कि सिंगापुर, कनाडा और डेनमार्क अगले पांच साल में सबसे बेहतर कारोबारी माहौल देने वाले तीन देश होंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत विनिर्माण में निवेश के मामले में ऐतिहासिक रूप से संघर्ष कर रहा हैए वहीं नीतिगत सुधार की वजह से भारत में कारोबार करना आसान हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है, मजबूत, स्थिर अर्थव्यवस्था और व्यापक रूप से श्रमिकों की आपूर्ति की वजह निवेशकों को आकर्षित करने का आधार है। हम उम्मीद करते हैं कि बुनियादी ढांचाए कराधान और कारोबार के नियमन में सुधार की वजह से निवेश को बढ़ावा मिलेगा।

इरडा ने जारी किए आंकड़े — सरकारी जनरल इंश्योरेंस कंपनियों की बाजार हिस्सेदारी घटी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की चार जनरल इंश्योरेंस कंपनियों न्यू इंडिया एश्योरेंस, यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस, ओरिएंटल इंश्योरेंस और नैशनल इंश्योरेंस कंपनी की बाजार हिस्सेदारी पिछले पांच साल में उनकी निजी प्रतिस्पर्धियों की तुलना में 800 आधार अंक कम हो गई है। भारतीय जीवन बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण इरडा के आंकड़ों से पता चलता है कि 2018-19 में इन चार सरकारी कंपनियों की बाजार हिस्सेदारी 40.4 प्रतिशत थी, जिसमें न्यू इंडिया एश्योरेंस की बाजार हिस्सेदारी 14 प्रतिशत और यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस की हिस्सेदारी 9.63 प्रतिशत थी। पिछले पांच साल के दौरान सरकार समर्थित इन बीमाकर्ताओं की बाजार हिस्सेदारी धीरे-धीरे निजी प्रतिस्पर्धियों ने छीननी शुरू कर दी, जिसके कारण इनके कारोबार का हिस्सा कम हो गया। ताजा आंकड़ों से पता चलता है कि वित्त वर्ष 2023 के अंत तक इन फर्मों की बाजार हिस्सेदारी घटकर 32.37 प्रतिशत रह गई है और इसमें 803 आधार अंक की गिरावट आई है। इन चार बीमाकर्ताओं में न्यू इंडिया एश्योरेंस की बाजार हिस्सेदारी सबसे कम 64 आधार अंक घटी है। कंपनी ने देश की सबसे बड़ी जनरल बीमाकर्ता का अपना स्थान बनाए रखा है। बहरहाल अन्य तीन कंपनियों की बाजार हिस्सेदारी में उल्लेखनीय गिरावट आई है।

एचडीएफसी बैंक का कार लोन मेला आज

मुंबई। एचडीएफसी बैंक ने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और विदर्भ सहित महाराष्ट्र के कई हिस्सों में एक बड़े कार लोन मेला अभियान की शुरुआत की है। 400 से अधिक शाखाएं 15 अप्रैल को ऋण अभियान की मेजबानी करेंगी, जहां कार डीलर अपने ऑटोमोबाइल मॉडल प्रदर्शित कर सकते हैं और बैंक मौके पर ही ऋण प्रदान करेगा। एचडीएफसी बैंक ने इसके लिए अग्रणी ऑटोमोबाइल ब्रांड और क्षेत्रीय डीलरशिप के साथ साझेदारी की है। कार लोन मेला शाखाओं में आने वाले ग्राहकों और गैर ग्राहकों दोनों के लिए खुला रहेगा। वे प्रदर्शन पर कारों को देख सकते हैं और क्रेडिट प्राप्त कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे बनारस के लिए चलाएगी साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेन

मुंबई। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा और आगामी ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त संख्या को समायोजित करने के लिए मुंबई सेंट्रल एवं बनारस स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर साप्ताहिक ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर ने बताया कि ट्रेन संख्या 09183 मुंबई सेंट्रल-बनारस स्पेशल प्रत्येक बुधवार को मुंबई सेंट्रल से 22.50 बजे प्रस्थान करेगी और शुक्रवार को 10.30 बजे बनारस पहुंचेगी। यह ट्रेन 3 मई से 28 जून तक चलेगी। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09184 बनारस-मुंबई सेंट्रल स्पेशल प्रत्येक शुक्रवार को बनारस से 14.30 बजे प्रस्थान कर रविवार को 04.35 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी। यह ट्रेन 5 मई से 30 जून तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, रतलाम, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, भरतपुर, अछनेरा जंक्शन, आगरा फोर्ट, टूंडला, शिकोहाबाद, मैनपुरी, भोंगांव, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, रायबरेली जंक्शन, अमेठी, प्रतापगढ़, जंघई जंक्शन और भदोही स्टेशनों पर रुकेगी। ट्रेन संख्या 09183 की बुकिंग 15 अप्रैल से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। उपर्युक्त ट्रेन विशेष किराए पर विशेष ट्रेन के रूप में चलेगी।

गुरुग्राम। एमजी मोटर इंडिया ने अपने स्मार्ट इलेक्ट्रिक वाहन का उत्पादन शुरू होने का संकेत देते हुए अपना पहला विश्वप्रसिद्ध जीएसईवी प्लेटफॉर्म पर आधारित स्मार्ट शहरी कम्युटर इलेक्ट्रिक वाहन कॉमेट पेश किया। पहला प्रोडक्शन कॉमेट वाहन सड़क पर उतारने के मौके पर बीजू बालेंद्रन, चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर, एमजी मोटर इंडिया मौजूद रहे।

रिकॉर्ड ऊंचाई पर विदेशी मुद्रा भंडार

आरबीआई के आंकड़े जारी, 9 महीने में हुआ सबसे ज्यादा

नई दिल्ली। देश के विदेशी मुद्रा भंडार में बड़ा उछाल आया है। पिछले दो हफ्ते से विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट देखने को मिल रही थी। अब इसमें रिकॉर्ड तेजी आ गई है। सात अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 6.306 अरब डॉलर बढ़कर 584.755 अरब डॉलर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इस वृद्धि के साथ पिछले दो सप्ताह से जारी गिरावट पर विराम लगा है। इससे पिछले सप्ताह, देश का विदेशी मुद्रा भंडार 32.9 करोड़ डॉलर घटकर 578.42 अरब डॉलर रहा था। उल्लेखनीय है कि अक्टूबर 2021 में देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। वैश्विक घटनाक्रमों के बीच केंद्रीय बैंक के रुपए की विनियम दर में तेज गिरावट को रोकने के लिए मुद्रा भंडार का उपयोग करने की वजह से बाद में इसमें गिरावट आई थी। रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार, सात अप्रैल को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा विदेशीमुद्रा आस्तियां 4.74 अरब डॉलर बढ़कर 514.431 अरब डॉलर हो गई। डॉलर में अभिव्यक्त किये की जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पाउंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है।

स्वर्ण भंडार में भी इजाफा

भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा कि स्वर्ण भंडार का मूल्य आलोच्य सप्ताह में 1.496 अरब डॉलर बढ़कर 46.696 अरब डॉलर हो गया। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, विशेष आहरण अधिकार 5.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.45 अरब डॉलर हो गया। समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष आईएमएफ में रखा देश का मुद्रा भंडार 1.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 5.178 अरब डॉलर रहा।

ओएनजीसी व ऑयल इंडिया को होगा नुकसान — गैस की कीमत तय करने के नए फॉर्मूले से घटेगी गैस उत्पादकों की आय

नई दिल्ली। देश की नई गैस मूल्य निर्धारण व्यवस्था से ओएनजीसी और ऑयल इंडिया लिमिटेड जैसी गैस कंपनियों की आय घटेगी। एसएंडपी रेटिंग्स ने शुक्रवार को यह बात कही। हालांकि, नए मानदंड कठिन क्षेत्रों से उत्पादित गैस की कीमतों को प्रभावित नहीं करेंगे।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड जैसी कंपनियां इस तरह के क्षेत्रों का संचालन करती हैं। सरकार ने छह अप्रैल, 2023 को नए दिशानिर्देशों की घोषणा की थी। इसके तहत सरकार घरेलू स्तर पर उत्पादित गैस की कीमतें मासिक आधार पर तय करेगी। यह दर पिछले महीने में भारतीय क्रूड बास्केट भारत द्वारा आयातित कच्चे तेल की औसत कीमत का 10 फीसदी होगी।

सरकार ने गैस कीमत के लिए चार अमेरिकी डॉलर प्रति 10 लाख ब्रिटिश थर्मल यूनिट की निचली सीमा और 6.5 डॉलर प्रति यूनिट की ऊपरी सीमा भी तय की। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स की साख विश्लेषक श्रुति जटाकिया ने कहा, हमें उम्मीद है कि नए गैस मूल्य निर्धारण मानदंडों से कीमतों में अधिक तेजी से संशोधन होंगे। इससे पहले कीमतों की छह महीने में एक बार समीक्षा की जाती थी। एसएंडपी ने एक बयान में कहा, निचली मूल्य सीमा का मतलब है कि ओएनजीसी अपने गैस उत्पादन पर कम से कम चार डॉलर प्रति यूनिट का मूल्य हासिल कर सकेगी, भले ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्राकृतिक गैस की कीमतें ऐतिहासिक रूप से कम हो जाएं।

इसी तरह कीमतों की ऊपरी सीमा ओएनजीसी के लिए आय में वृद्धि सीमित करेगी। खासतौर से मौजूदा बढ़ी हुई कीमतों के बीच ऐसा देखने को मिलेगा।

आईएमएफ ने भारत का वृद्धि अनुमान घटाया

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष आईएमएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि भारत की वृद्धि दर के अनुमान को 6.1 फीसदी से घटाकर 5.9 फीसदी करने के पीछे की मुख्य वजह घरेलू खपत में आ रही सुस्ती और आंकड़ों में हुए संशोधन हैं। आईएमएफ ने गत मंगलवार को चालू वित्त वर्ष के लिए भारत के वृद्धि दर पूर्वानुमान को घटा दिया था। इसके साथ ही मुद्राकोष ने कहा कि भारत इस गिरावट के बावजूद दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा। मुद्राकोष के एशिया एवं प्रशांत विभाग के निदेशक कृष्ण श्रीनिवासन ने कहा कि भारत के वृद्धि दर अनुमान में कटौती के

घरेलू खपत में सुस्ती रहेगी

पीछे मुख्य रूप से दो कारक रहे हैं। उन्होंने कहा, एक कारण घरेलू खपत की वृद्धि में आ रही हल्की सुस्ती है। दूसरा कारक 2019 से 2020 में आंकड़ों का संशोधन है जिससे आर्थिक स्थिति पता चलती है। महामारी से पहले स्थिति कहीं बेहतर थी। हालांकि भारतीय अर्थव्यवस्था पर महामारी का प्रभाव हमारी सोच से कहीं अधिक सीमित था और पुनरुद्धार अधिक सशक्त रहा है। श्रीनिवासन ने कहा कि इन सभी कारणों से उत्पादन का अंतराल कम हो रहा है। उन्होंने कहा, इससे पता चलता है कि पूर्वानुमान में संशोधन किस वजह से हुआ है। जहां तक जोखिम का सवाल है तो एक बार फिर इस क्षेत्र में बाह्य जोखिम अमेरिका एवं यूरोप में वृद्धि के सुस्त पड़ने से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि इन सभी बाह्य जोखिमों का भारतीय अर्थव्यवस्था के वृद्धि पूर्वानुमान पर असर देखने को मिल सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक के रीपो दर में वृद्धि का सिलसिला रोकने के बारे में पूछे जाने पर श्रीनिवासन ने कहा, मौजूदा समय में 6.5 फीसदी की ब्याज दर काफी हद तक एक तटस्थ नीतिगत रुख है जो हमारी राय में भारत की आर्थिक स्थितियों के लिहाज से टिकाऊ है।

स्वास्थ्य महंगाई दर लगातार उच्च स्तर पर

बाकी क्षेत्रों की कीमतों में आई कमी

नई दिल्ली। मार्च 2023 में भले ही प्रमुख महंगाई दर घटकर छह प्रतिशत से नीचे आ गई है, लेकिन स्वास्थ्य महंगाई दर 6.59 प्रतिशत के उच्च स्तर पर बनी हुई है। कोविड के बढ़ते मामले को देखते हुए यह अहम है। प्रमुख महंगाई दर में गैर खाद्य और गैर ईंधन वस्तुओं की कीमत में बढ़ोतरी शामिल होती है, जो कम उतार-चढ़ाव वाली वस्तुएं हैं। प्रमुख महंगाई दर में कुछ अन्य क्षेत्रों जैसे घर में इस्तेमाल होने वाली वस्तुएं, सेवाओं और पर्सनल केयर उत्पादों की कीमत बढ़ी हुई बनी है। वहीं फरवरी की तुलना में मार्च में इसमें गिरावट आई है, जबकि स्वास्थ्य महंगाई दर बढ़ी है। स्वास्थ्य सेवाओं की महंगाई दर फरवरी के 6.5 प्रतिशत की तुलना में मार्च में बढ़कर 6.59 प्रतिशत पर पहुंच गई है। यह लगातार सातवां महीना है, जब स्वास्थ्य महंगाई दर में वृद्धि हुई है। नवंबर 2022 से यह छह प्रतिशत के ऊपर बनी हुई है। वृद्धि की मुख्य वजह दवाओं के दाम में वृद्धि है, जिसकी स्वास्थ्य महंगाई दर में सबसे ज्यादा भूमिका है। दवाओं की महंगाई गैर संस्थागतद्धमार्च में 7.20 प्रतिशत बढ़ी है, जो फरवरी में 7.15 प्रतिशत थी। यह अक्टूबर 2022 से छह प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है। इक्रा में मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा, स्वास्थ्य महंगाई में दवाओं का अधिभार 70 प्रतिशत है। इसकी वजह से महंगाई दर ज्यादा नजर आ रही है। स्वास्थ्य की अन्य श्रेणियों में डॉक्टर, सर्जन से पहली बार परामर्श का शुल्क गैर संस्थागत भी फरवरी के 5.71 प्रतिशत से बढ़कर मार्च में 6.01 प्रतिशत हो गया है। व्यक्तिगत देखभाल के उत्पाद की महंगाई दर फरवरी में 9.43 प्रतिशत के उच्च स्तर पर थी, जो मार्च में घटकर 8.25 प्रतिशत पर आ गई है। घर में इस्तेमाल होने वाली वस्तुओं और सेवाओं की महंगाई दर मार्च में घटकर सात प्रतिशत पर आ गई है, जो फरवरी में 7.35 प्रतिशत थी। क्वांटइको रिसर्च ने एक नोट में कहा है, स्वास्थ्य को छोड़कर प्रमुख महंगाई दर की अन्य श्रेणियों में मार्च 2023 में सुस्ती नजर आई है।

वायदा बाजार में नई ऊंचाई पर सोना चांदी भी हुई 77 हजार रुपए पार

नई दिल्ली। इस सप्ताह सोना-चांदी की वायदा कीमतों में तेजी दर्ज की जा रही है। सोने के वायदा भाव नई ऊंचाई पर पहुंच गए हैं। चांदी के वायदा भाव भी 77 हजार रुपए पार कर चुके हैं और जल्द ही सर्वोच्च स्तर छू सकते हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज एमसीएक्स पर शुक्रवार को सोने का जून कॉन्ट्रैक्ट 60731 रुपए के भाव पर खुला, जबकि पिछला क्लोजिंग प्राइस 60628 रुपए प्रति 10 ग्राम था। खबर लिखे जाने के समय इससे 61371 रुपए के भाव पर दिन का ऊपरी स्तर छू लिया। सोने का यह वायदा भाव अब तक सर्वोच्च स्तर भी है। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 627 रुपए की तेजी के साथ 61255 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के साथ चांदी के भाव में भी तेजी देखी जा रही है। एमसीएक्स पर शुक्रवार को चांदी का मई कॉन्ट्रैक्ट पिछले क्लोजिंग प्राइस से 121 रुपए की तेजी के साथ 76034 रुपए के भाव पर खुला। खबर लिखे जाने के समय यह 1097 रुपए की तेजी के साथ 77010 रुपए के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने शुक्रवार दिन का 77097 रुपए किलो का उच्च स्तर छू लिया। आईआईएफएल सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट अनुज गुप्ता कहते हैं कि चांदी का आल टाइम हाई प्राइस 77949 रुपए किलो है।

भोपाल में दस रुपए गिरा सोना

वहीं प्रदेश की राजधानी भोपाल की बात करें तो सोने में 100 रुपए की गिरावट आई है। सोना 24 कैरेट 60800 रुपए प्रति दस ग्राम रहा। वहीं चांदी के भाव यथावत रहे। चांदी 72000 रुपए प्रति किलो रही। आनेवाले दिनों में सोना और चांदी में तेजी देखने को मिल सकती है।

मर्सिडीज की वित्तवर्ष में रिकॉर्ड बिक्री दर्ज

नई दिल्ली। मर्सिडीज बेंज इंडिया ने वित्त वर्ष और पहली तिमाही में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। मर्सिडीज बेंज ने वित्तवर्ष 2022-23 में 37 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 16,497 यूनिट्स की बिक्री का रिकॉर्ड बनाया। मर्सिडीज बेंज ने 2023 की पहली तिमाही में 17 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 4697 नई कारों की आपूर्ति कर सर्वश्रेष्ठ पहली तिमाही दर्ज की। टॉप एंड वाहनों ने 2023 की पहली तिमाही में 107 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। मर्सिडीज बेंज ने अपने मॉडलों का वेटिंग पीरियड घटाया। मर्सिडीज एएमजी का सबसे शक्तिशाली प्रोडक्शन वाहन जीटी 63एसई परफॉर्मेंस बाजार में उतारा है। संतोष अय्यर मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ, मर्सिडीज बेंज इंडिया ने ग्राहकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा, हमारा सर्वश्रेष्ठ वित्तवर्ष और सर्वश्रेष्ठ तिमाही भारत में लग्जरी कार ग्राहकों के बीच मर्सिडीज बेंज की मजबूत डिजायरेबिलिटी प्रदर्शित करती है।

रियलमी ने नार्जो एन55 का अनावरण किया

नई दिल्ली। रियलमी ने नार्जो एन सीरीज में अब तक की अपनी पहली बेहतरीन पेशकश रियलमी नार्जो एन55 का अनावरण किया। यह स्मार्टफोन अमेजन स्पेशल स्मार्टफोन है जिसमें इतनी कीमत में फ्लैगशिप स्तर के सेंसर के साथ 64एमपी का कैमरा और 33वाट चार्जिंग है। इसमें मिनी कैप्सूल भी है जो तीन आवश्यक विशेषताएं चार्ज नोटिफिकेशन, डेटा यूसेज नोटिफिकेशन और स्टेप नोटिफिकेशन प्रदान करता है। नार्जो एन-सीरीज में स्टाईल एवं यूटिलिटी के साथ अत्याधुनिक फीचर्स, आधुनिक प्रिज्म एस्थेटिक्स के साथ स्टाईलिश डिजाईन और शक्तिशाली प्रदर्शन जैसी खूबियां हैं। इसमें 5000एमएएच की शक्तिशाली बैटरी के साथ 33 वाट सुपरवूक चार्जिंग प्रदान करती है।

किशन, सूर्यकुमार ने दिलाई मुंबई को जीत

मुंबई, एजेंसी। खराब फॉर्म से गुजर रहे ईशान किशन (25 गेंद, 58 रन) और सूर्यकुमार यादव (25 गेंद, 43 रन) की आतिशी पारियों से मुंबई इंडियन्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रविवार को कोलकाता नाईट राइडर्स (केकेआर) को पांच विकेट से मात दी। केकेआर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए वेंकटेश अय्यर (51 गेंद, 104 रन) के विस्फोटक शतक की बदौलत 20 ओवर में 185 रन बनाये, हालांकि अन्य बल्लेबाजों की नाकामी के कारण उनका यह सैकड़ा काम न आया और मुंबई ने 17.4 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया।

सलामी बल्लेबाज किशन ने 25 गेंद पर पांच चौकों और पांच छक्कों की मदद से 58 रन बनाये, जबकि रोहित शर्मा की अनुपस्थिति में कप्तानी कर रहे सूर्यकुमार यादव ने 25 गेंद पर चार चौकों और तीन छक्कों के साथ 43 रन की पारी खेली। मुंबई इस समय अंक तालिका में दो जीत और दो हार के साथ आठवें स्थान पर है, जबकि केकेआर पांच मैचों में दो जीत और तीन हार के साथ पांचवें पायदान पर है।

मुंबई ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करते हुए सलामी बल्लेबाज नारायण जगदीशन को शून्य रन पर आउट कर दिया, लेकिन अय्यर पहली ही गेंद से आक्रामक नजर आये। सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज (12 गेंद, आठ रन) और कप्तान नीतीश राणा (10 गेंद, पांच रन) दहाई का आंकड़ा नहीं छू सके, लेकिन अय्यर ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए केकेआर को पावरप्ले में 57 रन तक पहुंचाया।

लगातार गिरते विकेटों के बीच केकेआर को साझेदारी की जरूरत थी जो शार्दुल ठाकुर और अय्यर के बीच देखने को मिली। अय्यर ने 23वीं गेंद पर चौका जड़कर अपना अर्द्धशतक पूरा किया और इसके बाद ठाकुर के साथ चौथे विकेट के लिये 50 रन जोड़े। ठाकुर ने पवेलियन लौटने से पहले 11 गेंद पर 13 रन बनाये।

केकेआर 14 ओवर में 135/4 का स्कोर खड़ा करके 200 रन की ओर अग्रसर थी लेकिन मुंबई के गेंदबाजों ने अंतिम ओवरों में बेहतरीन गेंदबाजी की। ऋतिक शौकीन के 15वें ओवर में मात्र पांच रन बने, जबकि पीयूष चावला ने 16वें ओवर में छह रन दिये। जैनसेन के 17वें ओवर में नौ रन बने लेकिन राइली मेरेडिथ ने 18वें ओवर में महज पांच रन देकर अय्यर का बड़ा विकेट चटका लिया। अय्यर ने 51 गेंद पर छह चौकों और नौ छक्कों की मदद से 104 रन बनाये। इसी के साथ वह ब्रेंडन मैकुलम (2008) के बाद केकेआर के लिये शतक जड़ने वाले पहले बल्लेबाज भी बन गये। रिंकु सिंह आउट होने से पहले 18 गेंद पर 18 रन ही बना सके, जिसके बाद आंद्रे रसेल (11 गेंद, नाबाद 21 रन) ने केकेआर को 20 ओवर में 185/6 के स्कोर तक पहुंचाया।

ओलंपिक तक फिटनेस बनाये रखने के साथ विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण और 90 मीटर की दूरी का लक्ष्य : नीरज

नई दिल्ली, एजेंसी। तोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले भारतीय भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने पेरिस ओलंपिक 2024 तक अपनी फिटनेस बनाये रखने के साथ इस साल अगस्त में होने वाले विश्व चैम्पियनशिप में शीर्ष स्थान हासिल करने का लक्ष्य रखा है। नीरज इसके साथ ही अपने भाले से 90 मीटर की दूरी की जादुई आंकड़े को छूना चाहते हैं।

तुर्किये में अभ्यास कर रहे नीरज ने मीडिया से ऑनलाइन बातचीत में कहा, मेरे लिये यह सत्र काफी लंबा होगा। एशियाई खेल अक्टूबर में होने जा रहे हैं। मैं चोटिल होने से बचने की कोशिश करूंगा। मैं एक सफल और स्वस्थ सत्र की उम्मीद कर रहा हूं। उन्होंने कहा, मैं हंगरी में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतना चाहता हूं। इस बार या बाद में ऐसा करने का कोई दबाव नहीं है। मुझे इस साल तकनीकी रूप से बेहतर होने की जरूरत है क्योंकि सत्र लंबा चलेगा।

एक अप्रैल से तुर्किये के एंटाल्या स्थित ग्लोरिया स्पोर्ट्स परिसर में अभ्यास कर रहे 25 साल के इस खिलाड़ी ने पेरिस ओलंपिक के बारे में पूछने पर कहा, पेरिस में स्वर्ण जीतने की उम्मीद का अधिक दबाव होगा। ऐसे में जब मैं पेरिस जाऊंगा तो तोक्यो ओलंपिक से भी बेहतर तैयारी करूंगा। उन्होंने कहा, पिछले कुछ वर्षों के अनुभव और सीख से मुझे उम्मीद है कि मैं लय को बनाये रखने में सफल रहूंगा। जब मैं प्रतिस्पर्धा करूंगा तो बेहतर परिणाम आयेगा। तोक्यो का स्वर्ण पदक मुझे पेरिस में बेहतर करने के लिए प्रेरित करेगा।

नीरज ने कहा कि पिछले साल की तुलना में वह इस समय शारीरिक और तकनीकी रूप से बेहतर स्थिति में हैं। पिछले साल, उन्होंने दोहा डायमंड लीग में हिस्सा नहीं लिया था और एक महीने की देरी से जून में फिनलैंड में पावो नूरमी खेलों से अपना सत्र शुरू किया था।

उन्होंने कहा, पिछले साल, मैं समग्र फिटनेस और तकनीकी रूप से भी (दोहा के लिए) तैयार नहीं था। प्रशिक्षण के लिए कम समय था। इसलिए, हमने सत्र देर से शुरू करने का फैसला किया। अब सब कुछ ठीक चल रहा है, इसलिए हमने प्रतिस्पर्धा करने का फैसला किया। दोहा में दुनिया के कुछ सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भाग लेंगे। उन्होंने कहा, मैं अब लंबे समय से प्रशिक्षण ले रहा हूं। उम्मीद है कि यह मेरे लिए एक सफल सीजन होगा।

पिछले सितंबर में ग्रैंड फिनाले जीतने के बाद मौजूदा डायमंड लीग चैंपियन नीरज के सामने दोहा में ग्रेनाडा के विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स और चेक गणराज्य के ओलंपिक रजत पदक विजेता जैकब वडलेज्च जैसे खिलाड़ियों की चुनौती होगी। यह 14 दौर की एकदिवसीय प्रतिस्पर्धा का पहला मुकाबला होगा।

नीरज ने कहा कि वह इस सत्र में 90 मीटर की दूरी की बाधा को पार करना चाहेंगे। उन्होंने कहा, 2018 से हर कोई 90 मीटर के बारे में पूछ रहा है। पिछले साल, मैं छह सेंटीमीटर से 90 मीटर की दूरी को तय करने से चूक गया था। मुझे इस साल ऐसा करने की उम्मीद है लेकिन मैं खुद पर कोई दबाव नहीं डालूंगा।

मुंबई-केकेआर मैच के दौरान राणा और शौकीन के बीच तीखी बहस

मुंबई, एजेंसी। भारतीय घरेलू क्रिकेट के दो खिलाड़ियों की प्रतिद्वंद्विता रविवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग में भी देखने को मिली जब कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान नितीश राणा और मुंबई इंडियन्स के स्पिनर ऋतिक शौकीन के बीच तीखी बहस हुई।

यह घटना पहले बल्लेबाजी कर रहे केकेआर की पारी के नौवें ओवर में हुई जब शौकीन ने राणा को आउट करने के बाद उनसे कुछ कहा। केकेआर के कप्तान इससे भड़क गए और उन्होंने भी वापस लौटते हुए गेंदबाज से कुछ कहा।

शौकीन ने राणा को लांग ऑन पर स्थानापन्न खिलाड़ी रमनदीप सिंह के हाथों कैच कराया और तुरंत बल्लेबाज की ओर देखते हुए कुछ कहा। राणा ने इसके बाद पलटकर शौकीन की तरफ बढ़ते हुए कुछ कहा। मुंबई इंडियन्स के कार्यवाहक कप्तान सूर्यकुमार यादव और टीम के सबसे सीनियर खिलाड़ी पीयूष चावला ने हालांकि हस्तक्षेप करते हुए मामले को शांत कराया।

राणा और शौकीन दोनों घरेलू क्रिकेट में दिल्ली की ओर से खेलते हैं लेकिन ड्रेसिंग रूम में भी इन दोनों के बीच कोई बात नहीं होती। रविवार को दोनों के आमने-सामने होने का यह पहला मामला नहीं है और इन दोनों खिलाड़ियों के बीच पहले भी तीखी बहस हो चुकी है। राणा मैच में 10 गेंद में पांच रन ही बना पाए जबकि शौकीन ने कैमरून ग्रीन की गेंद पर एन जगदीशन का अच्छा कैच लपकने के बाद 39 रन देकर दो विकेट भी चटकाए।

कप्तानी कभी राहुल को परेशान नहीं करती : रोड्स

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ सुपर जाइंट्स के क्षेत्ररक्षण कोच जोंटी रोड्स ने कप्तान लोकेश राहुल के आईपीएल 2023 में पहला अर्धशतक जड़ने के बाद कहा कि यह सलामी बल्लेबाज कभी भी कप्तानी से परेशान नहीं होता।

राहुल ने शनिवार को यहां 56 गेंद में 74 रन बनाए लेकिन उनकी टीम को दो विकेट से हार का सामना करना पड़ा। राहुल ने इससे पहले पंजाब किंग्स की कप्तानी भी की थी और रोड्स उस समय भी सहयोगी स्टाफ का हिस्सा थे।

रोड्स ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा, कप्तान वह है जो आगे बढ़कर नेतृत्व करना पसंद करता है। वह सभी आईपीएल में हमेशा एक सफल, दबदबा बनाने वाला बल्लेबाज रहा है। कप्तानी ऐसी चीज नहीं है जिसने उसे कभी परेशान किया हो।

उन्होंने कहा, कई महान बल्लेबाजों को जब कप्तानी दी जाती है तो वे इसे संभाल नहीं पाते हैं। उन्होंने आगे बढ़कर नेतृत्व किया और मुझे लगता है कि यह देखना शानदार है।

राहुल हालांकि मौजूदा सत्र में रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और शनिवार की पारी से पहले 35 रन उनका सर्वाधिक स्कोर था।

रोड्स ने कहा, जब कप्तान रन बना रहा होता है तो वह दूसरों को वास्तव में एक अच्छा मंच देता है।

सुपरजायंट्स के खिलाफ पारी से शाहरुख को मिलेगा आत्मविश्वास: कुंबले

लखनऊ, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर अनिल कुंबले का मानना है कि पंजाब किंग्स के बल्लेबाज शाहरुख खान एक 'फिनिशर' हैं और लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ खेली गयी 23 रन की पारी उन्हें आत्मविश्वास प्रदान करेगी।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के रोमांचक मुकाबले में पंजाब ने सुपरजायंट्स पर दो विकेट की जीत दर्ज की। सिकंदर रजा ने पंजाब के लिये 41 गेंद पर 57 रन बनाये, हालांकि उनके आउट होने के बाद भी पंजाब को दो ओवर में 20 रन की जरूरत थी। शाहरुख ने इस मौके पर फिनिशर की भूमिका निभाते हुए 10 गेंद पर नाबाद 23 रन की पारी खेली और पंजाब को तीन गेंद शेष रहते जीत दिलाई।

पंजाब किंग्स के पूर्व कोच कुंबले ने मैच के बाद जियो सिनेमा पर कहा, "वह एक फिनिशर है। वह तमिलनाडु के लिये खेले गये मैचों में यही करता है। उसे मैच को खत्म करते हुए देखना वास्तव में अच्छा था। उसने पिछले मैच में तेजी से कुछ रन बनाये थे लेकिन यहां उसपर दबाव भी था।"

उन्होंने कहा, "उन्हें आखिरी दो ओवरों में लगभग 10 रन प्रति ओवर बनाने थे, दूसरे छोर पर हरप्रीत बराड़ थे और पिछले ओवर में सिकंदर रजा आउट हो गये थे। पंजाब को जिताने के लिये शाहरुख का 23 रन का योगदान अच्छा साबित हुआ। इससे उन्हें टूर्नामेंट में आगे बढ़ते हुए काफी आत्मविश्वास मिलेगा।"

उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि पंजाब मैदान पर बहुत प्रभावशाली थी। ग्राउंड फील्डिंग अच्छी थी लेकिन कैचिंग शानदार थी, खासकर शाहरुख खान का प्रदर्शन काफी शानदार था।"

इसके अलावा, पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज पार्थिव पटेल ने मैच-जिताऊ अर्द्धशतक जड़ने के लिये सिकंदर रजा की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, "आपको एक अनुभवी बल्लेबाज की जरूरत है, खासकर इस तरह के लक्ष्य का पीछा करते हुए। शिखर धवन नहीं खेल रहे थे और उन्हें मैच को नियंत्रित करने के लिये एक बल्लेबाज की जरूरत थी और कोई ऐसे व्यक्ति जो जानते थे कि मौका मिलने पर कब बड़े शॉट लगाने हैं। उन्हें (सिकंदर रजा) को पता था कि क्रुणाल पांड्या के ओवर में बड़े शॉट मारने का मौका था और उन्होंने ठीक वैसा ही किया।'

बाबर के शतक से पाकिस्तान की न्यूजीलैंड पर आसान जीत

लाहौर, एजेंसी। कप्तान बाबर आजम के नाबाद शतक से पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में 38 रन की आसान जीत दर्ज की।

पाकिस्तान ने दो दिन में दूसरी बार टॉस जीतकर बाबर की 58 गेंद में नाबाद 101 रन की पारी से चार विकेट पर 192 रन का स्कोर खड़ा किया।

पाकिस्तान दौरे पर इंडियन प्रीमियर लीग में खेल रहे आठ मुख्य खिलाड़ियों और चोटिल केन विलियमसन के बिना आई न्यूजीलैंड की टीम हारिस राउफ (27 रन पर चार विकेट) की तूफानी गेंदबाजी के सामने सात विकेट पर 154 रन ही बना सकी।

इस जीत के साथ पाकिस्तान ने पांच मैच की श्रृंखला में 2-0 की बढ़त बना ली है।

बाबर ने मोहम्मद रिजवान (34 गेंद में 50 रन) के साथ पहले विकेट के लिए 64 गेंद में 99 रन जोड़कर पाकिस्तान को तेज शुरूआत दिलाई।

तेज गेंदबाज मैट हेनरी (29 रन पर दो विकेट) ने रिजवान को आउट करके इस साझेदारी को तोड़ा। हेनरी ने अगली गेंद पर फखर जमां को भी पवेलियन भेजा।

बाएं हाथ के स्पिनर रचिन रविंद्र ने इसके बाद सैम आयुब को जेम्स नीशाम के हाथों कैच कराके पाकिस्तान का स्कोर तीन विकेट पर 102 रन किया।

बाबर ने 36 गेंद में अर्धशतक पूरा किया लेकिन अंतिम तीन ओवर में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए अगली 22 गेंद में शतक पूरा किया। बाबर ने अपनी पारी के में 11 चौके और तीन छक्के मारे तथा तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक जड़ने वाले पहले कप्तान बने।

बाबर ने अंतिम ओवर में नीशाम की चार गेंद में एक छक्के और दो चौकों के साथ शतक पूरा किया। इसके जवाब में न्यूजीलैंड की टीम कभी लक्ष्य हासिल करने की स्थिति में नहीं दिखी। टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और मार्क चैपमैन नाबाद 65 रन बनाकर उसके शीर्ष स्कोरर रहे। चैपमैन के अलावा चैड बोवेस (26) ही न्यूजीलैंड की ओर से 20 रन के आंकड़े को पार कर पाए।

रूबलेव और रूने मोंटे कार्लो मास्टर्स के फाइनल में

मोनाको, एजेंसी। पांचवें वरीय आंद्रे रूबलेव ने वर्षा से प्रभावित सेमीफाइनल में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए आठवें वरीय अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज को 5-7, 6-1, 6-3 से हराकर दूसरी बार मोंटे कार्लो मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। दो साल पहले यहां फाइनल में शिकस्त झेलने वाले रूस के रूबलेव फाइनल में छठे वरीय डेनमार्क के डेन होल्गर रूने से भिड़ेंगे।

रूबलेव अगर जीत दर्ज करते हैं तो यह उनके करियर का 13वां और मास्टर्स स्तर का पहला खिताब होगा। रूने ने भी दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी इटली के यानिक सिनर के खिलाफ बारिश से प्रभावित मुकाबले में एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 1-6, 7-5, 7-5 से जीत दर्ज की।

एक नजर

अर्जुन तेंदुलकर ने किया मुंबई इंडियन्स के लिये पदार्पण

मुंबई, एजेंसी। मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में मुंबई इंडियन्स के लिये पदार्पण किया। मुंबई ने अर्जुन को सबसे पहले 2021 में फ्रेंचाइजी में शामिल किया था। वह अपने घरेलू करियर में नौ टी20 मैच खेल चुके हैं, जिनमें उन्होंने 6.60 की इकॉनमी से गेंदबाजी करते हुए 12 विकेट चटकाये हैं।

प्रमोद भगत एकल और युगल फाइनल में

साओ पाउलो, एजेंसी। प्रमुख शटलर प्रमोद भगत ब्राजील पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल 2023 के एकल फाइनल में पहुँच गए हैं। उन्होंने अपने युगल जोड़ीदार सुकान्त कदम के साथ टूर्नामेंट के पुरुष युगल फाइनल में भी जगह बना ली है। प्रमोद भगत ने जापान के डाइसके फुजिहारा के खिलाफ मुकाबला कड़े संघर्ष में एक घंटे 26 मिनट में 19-21, 21-19, 21-12 से जीता। फुजिहारा ने पहला गेम 21-19 से जीत लिया लेकिन प्रमोद ने दूसरे गेम में वापसी करते हुए इसे 21-19 से जीतकर मैच को निर्णायक गेम में पहुंचा दिया। प्रमोद ने निर्णायक गेम में अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाते हुए 21-12 से जीत हासिल की और फाइनल में पहुँच गए। प्रमोद का फाइनल में हमवतन कुमार नितेश से मुकाबला होगा। पुरुष युगल में प्रमोद और सुकान्त ने हमवतन कुमार नितेश और तरुण को 21-17, 21-16 से हराया। फाइनल में भारतीय जोड़ी का कोरिया के जू दोंगजेई और शिन क्युंग ह्वान से मुकाबला होगा। इस बीच सुकान्त कदम हमवतन तरुण से एकल सेमीफाइनल में 52 मिनट में 16-21, 21-19, 12-21 से हार गए।

रीयाल मैड्रिड ने केडिज को हराया

बासीलोना, एजेंसी। रीयाल मैड्रिड ने चैंपियन्स लीग क्वार्टर फाइनल के दूसरे चरण में चेल्सी के खिलाफ मुकाबले से पहले कई शीर्ष खिलाड़ियों को आराम देने के बावजूद स्पेनिश लीग फुटबॉल में केडिज को 2-0 से हरा दिया। मैड्रिड की ओर से दूसरे हॉफ में नैचो (72वें मिनट) और मार्को एसेंसियो (76वें मिनट) ने गोल दागे। दूसरे स्थान पर चल रही मैड्रिड की टीम इस जीत के बावजूद शीर्ष पर चल रहे बासीलोना से 10 अंक पीछे है। बासीलोना को रविवार को गेटाफे से भिड़ना है। मैड्रिड की टीम मंगलवार को चेल्सी से भिड़ेगी जिसके खिलाफ चैंपियन्स लीग के पहले चरण में उसने 2-0 से जीत दर्ज की थी। रीयाल बेटिस इस बीच इस्पानयोल को 3-1 से हराकर शीर्ष चार में जगह बनाने के करीब पहुंच गया है जो उसे चैंपियन्स लीग में जगह दिला देगा। बेटिस की टीम अब पांचवें स्थान पर पहुंच गई है और चौथे स्थान पर मौजूद रीयाल सोसीदाद से सिर्फ तीन अंक पीछे है जिसे एथलेटिक बिलबाओ के खिलाफ 0-2 से हार झेलनी पड़ी।

पंजाब की पाठ्य पुस्तकों में शामिल होंगी बलबीर सिंह सीनियर, मिलखा सिंह की जीवनी

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब की स्कूली शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने रविवार को यहां कहा कि खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए छात्रों को प्रेरित और प्रोत्साहित करने के लिए उन्हें राज्य के चार महान खिलाड़ियों की जीवन गाथाएं बताई जाएंगी। इन चार खेल हस्तियों में तीन बार के हॉकी ओलंपियन बलबीर सिंह सीनियर, फ्लाइंग सिख के नाम से मशहूर दिग्गज एथलीट मिल्खा सिंह, एशियाई चैंपियन मुक्केबाज कौर सिंह और भारत के पहले अर्जुन अवार्डी और ओलंपियन एथलीट गुरबचन सिंह रंधावा शामिल हैं। उन्हें कक्षा 9 और 10 की शारीरिक शिक्षा की पाठ्यपुस्तकों में शामिल किया गया है। बैंस ने कहा कि राज्य में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने और पंजाब को खेल के क्षेत्र में अग्रणी बनाने की मुख्यमंत्री भगवंत मान की प्रतिबद्धता के अनुरूप स्कूल शिक्षा विभाग ने मिट्टी के महान पुत्रों की जीवनी को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया है। उन्होंने कहा, हमारे महान खिलाड़ियों ने हर क्षेत्र में, विशेष रूप से खेलों में, अपने कौशल को साबित किया है। ये जीवनियां युवा पीढ़ी को अपने सपनों को धैर्य और गौरव के साथ साकार करने के लिए प्रेरित करेंगी।

एमबाप्पे ने फ्रेंच लीग में सर्वाधिक गोल का रिकॉर्ड बनाया, पीएसजी ने लेन्स को हराया

पेरिस, एजेंसी। काइलियान एमबाप्पे और लियोनल मेस्सी के गोल से शीर्ष पर चल रहे पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने दूसरे स्थान पर चल रहे लेन्स को 3-1 से हराकर अपनी बढ़त नौ अंक की कर ली। लेन्स की टीम को हालांकि 19वें मिनट के बाद 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा क्योंकि अचरफ हकीमी के खिलाफ फाउल के बाद मिडफील्डर सेलिस अब्दुल समद को मुकाबले से बाहर कर दिया गया। मौजूदा सत्र में एडिनसन केवानी के 200 गोल के आंकड़े को पीछे छोड़कर पीएसजी के सर्वकालिक सबसे सफल खिलाड़ी बने एमबाप्पे शनिवार को एक और गोल करके 139 गोल के साथ लीग वन में पीएसजी के सबसे सफल खिलाड़ी बने। केवानी ने इससे पहले 138 गोल दागे थे। कुल मिलाकर पीएसजी की ओर से एमबाप्पे 203 गोल कर चुके हैं। रविवार को मार्सिले की टीम ट्रोयेस को हराकर लेन्स को पछाड़ते हुए दूसरे स्थान पर पहुंच सकती है।

इंग्लिश प्रीमियर लीग: सिटी की जीत में हैलेंड का एक और रिकॉर्ड

मैनचेस्टर, एजेंसी। एर्लिंग हैलेंड ने शनिवार को यहां दो गोल दागकर इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) के एक सत्र में सर्वाधिक गोल के रिकॉर्ड की बराबरी की जिससे मैनचेस्टर सिटी ने लीसेस्टर को 3-1 से हरा दिया। इस जीत से गत चैंपियन सिटी की टीम शीर्ष पर चल रहे आर्सेनल से सिर्फ तीन अंक पीछे रह गई है। आर्सेनल के 30 मैच में 73 जबकि दूसरे स्थान पर मौजूद सिटी के इतने ही मैचों में 70 अंक हैं। लीसेस्टर के खिलाफ हैलेंड सिर्फ मध्यांतर तक खेले लेकिन नॉर्वे के इस अंतरराष्ट्रीय ने इस दौरान दो गोल दागे। उन्होंने एक गोल पेनल्टी पर किया जबकि दूसरा गोल केविन डि ब्रून के थ्रो बॉल पर दागा। हैलेंड के नाम मौजूदा सत्र में अब 32 गोल हो गए हैं और उन्होंने लीवरपूल के मोहम्मद सालाह की बराबरी की जिन्होंने 2017-18 में 38 मैच के ईपीएल सत्र में इतने गोल दागे थे। हैलेंड के पास 42 मैच के सत्र का रिकॉर्ड तोड़ने का मौका होगा जो 34 गोल का है। यह रिकॉर्ड एंडी कोल (न्यूकासल की ओर से 1993-94 में) और एलेन शियरर (ब्लैकबर्न की ओर से 1994-95 में) के नाम दर्ज है। चेल्सी को इस बीच ब्राइटन के खिलाफ 1-2 की शिकस्त झेलनी पड़ी जो फ्रेंक लैंपर्ड के मार्गदर्शन में टीम की लगातार तीसरी हार है।

अगर बच्चा होमवर्क न करे तो करें बातचीत

अभिभावकों को अक्सर लगता है कि बच्चे स्कूल में अच्छा करें यह उनकी भी जिम्मेदारी बनती है। यह जिम्मेदारी चिंता में तब्दील हो जाती है। आपके विचार बच्चे के बिगड़ते भविष्य तक भी पहुंच जाते हैं। और ऐसा न हो इसके लिए सही तरीके से किया गया होमवर्क पहला कदम नजर आने लगता है।

इस कारण आप बच्चे को बार बार होमवर्क करने के लिए कहते हैं। उसकी नोटबुक देखकर जानने की कोशिश करते हैं आखिर आज का काम क्या है। कुछ समझ आता है कुछ नहीं समझ पाते। जानिए आखिर कैसे आप बच्चे को करा सकते हैं होमवर्क आसानी से और डाल सकते हैं उनके कुछ बहुत अच्छी आदतें डालें।

बच्चे के साथ बैठिए

अपने बच्चे के साथ बैठिए और उसके साथ अपनी आगे आने वाले साल के विषय में बातचीत कीजिए। बेहतर होगा एकेडिमिक ईयर की शुरूआत में ही प्लान बन जाए ताकि आपके और बच्चे के पास भरपूर वक्त और मौका रहे। ऐसी इच्छाएं ही रखिए जो हो सकती हैं। जरूरत से अधिक अपेक्षाएं बच्चे पर अतिरिक्त मानसिक बोझ डाल सकती हैं। अपने बच्चे के कमजोर क्षेत्रों को पहचानें। उसका पिछले साल का रिपोर्ट कार्ड और उसका अनुभव इसमें आपकी मदद करेगा। इस हिस्से पर आपको और बच्चे को अधिक काम करना है।

दिन के घंटे बांटिए आपके बच्चे की पिछले साल भी कुछ दिनचर्या रही होगी। इस बार टाइमटेबल में उन गल्तियों को जगह न दें जो पिछले साल परेशानी का कारण बन गईं थीं। हो सकता है पिछले साल बच्चे का सोने और होमवर्क का समय एक ही हो ऐसे में टीवी के टाइम में कटौती कर थोड़ा पहले होमवर्क करना समझदारीभर होगा।

होमवर्क को रोचक बनाने की कोशिश करें क्या आपका बच्चा पढ़ने से जी चुराता है? ऐसे में आप दूसरे बच्चों के उदाहरण दे देकर उसे इंस्पायर करने की कोशिश करने में उसके मन में जलन और असुरक्षा की भावना पैदा करते हैं। बच्चा न पढ़ने के बहाने ढूंढ़ने लगता है। बच्चे को दूसरे बच्चे के उदाहरण देने के बदले, पढ़ाई को खेल खेल में सिखाने की कोशिश करें। ऐसे नए तरीके खोजने की कोशिश करें जिसमें बच्चे का मन लगे। आप अपने बच्चे को सबसे बेहतर जानते हैं और आप ही उसकी पसंद की एक्टिविटी आसानी से खोज सकते हैं।

होमवर्क प्लान का आंकलन करें एकेडमिक ईयर की शुरूआत में बनाया गया प्लान हो सकता है सही न हो। इस समस्या के उपाय के तौर पर बीच बीच में इस प्लान का मूल्यांकन करें। अपने बच्चे से सलाह मशवरा करें और अगर जरूरी लगता है तो इसमें बदलाव अवश्य करें।

बच्चों को भी काम की अधिकता इतनी होती है कि अगर सही टाइमटेबल मैंटेन नहीं किया जाए तो काम इकट्ठा हो जाता है और समस्या बहुत बढ़ जाती है। होमवर्क सही तरीके से होता रहे इसके लिए जरूरी है कि आप टाइमटेबल फॉलो होने पर ध्यान दें।6. स्कूल के बाद दें आधे घंटे का ब्रेक स्कूल से लौटने के बाद बच्चे को आधे घंटे का ब्रेक दें। इस दौरान बच्चा न तो टीवी देखें, न इमेल चेक करें और न हीं वीडियों गेम्स खेलना शुरू करे। अगर बच्चा इन सब में लग जाता है तो वह आधे घंटे के बाद उठने से रहा। बजाय रात में होमवर्क के बच्चे को दिन में अधिकतर काम निपटा लेने के लिए प्रेरित करें। रात में घर के सभी सदस्य घर पर होने से बच्चे का मन टीवी और सभी के साथ बैठने का रहता है। ऐसे में अकेले बैठकर पढ़ना मुश्किल काम है।

बच्चों को जिम्मेदार भी बनाते हैं पेट्स

आजकल एकल परिवार हैं। ऐसे में बढ़ती महंगाई और खर्चों के कारण अब माता-पिता दोनों काम करते हैं और इस कारण उन्हें ज्यादातर समय घर से बाहर ही रहना पड़ता है। ऐसे में देखा गया है कि बच्चे, विशेषकर अकेला बच्चा, खुद को अकेला और उपेक्षित महसूस करता है। ज्यादातर मामलों में अभिभावक अपने बच्चों के साथी के तौर पर पालतू जानवरों पसंदीदा (पेट्स) को रखते हैं।

एक पालतू जानवर बच्चे के भाई-दोस्त या परिवार के सदस्य की जगह नहीं ले सकता, पर यह बच्चे के खालीपन को जरूर भर सकता है। बच्चा इनके साथ खेलते हुए कई चीजें सीखता है।

ज्यादातर अभिभावक अपने बच्चों को मजबूत बनना सिखाते हैं। लेकिन जब एक बच्चा घर में किसी पेट्स के साथ बड़ा होता है तो वह ज्यादा संवेदनशील होना सीखता है। वह इनके बीमार होने पर दर्द समझता है।

पेट्स के साथ वक्त बिताने का एक अन्य फायदा यह होता है कि बच्चे ज्यादा सतर्क रहना सीख जाते हैं। वह जान जाते हैं कि कब उसे भूख लगी है।

पालतू जानवरों की देखभाल करते वक्त केयरिंग, संवेदनशील और चौकन्ना रहने की जरूरत होती है और पेट्स के साथ वक्त बिताते हुए बच्चे कम उम्र में ही इन खूबियों को अपने अंदर ढाल लेते हैं।

पेट्स के साथ बड़े होने का एक अन्य फायदा है कि इससे बच्चे जिम्मेदार बनना सीखते हैं।

पेट्स का साथ बच्चों को जिम्मेदार बनना सिखाता है क्योंकि वह अपने प्यारे पेट्स की सभी जरूरतों का ख्याल रखते हैं। यदि बच्चे को उसके पेट्स के खाने, घुमाने और डॉक्टर का अपॉइंटमेंट लेने जैसी जिम्मेदारी दे दी जाएं, तो वह अपने काम को सही तरीके से अंजाम देते हैं।

बच्चों को जिंदगी और मौत की अवधारणा के बारे में समझाना बहुत मुश्किल होता है। पेट्स के साथ रखकर उन्हें जिंदगी और मौत के चक्र के बारे में बताया जा सकता है।

एक अभिभावक होने के नाते आप अपने पालतू जानवर के जीवन का हर पड़ाव देखते हैं। आप उसके बचपन से लेकर उसे बड़ा होते हुए और फिर वृद्धावस्था में जाने के बाद उसकी मृत्यु को भी देखते हैं। उनकी यह जिंदगी और मौत हमें इंसान के जीवन के पूरे चक्र के बारे में बताते हैं।

अपने साथ पेट्स को रखना अपने अच्छे दोस्त को घर पर रखने जैसा होता है। घर में रहने वाला पेट्स न सिर्फ घर में सभी के लिए तनाव दूर करने वाला बनता है बल्कि आपके बच्चों को रचनात्मक रूप से व्यस्त भी रखता है। पेट्स की देखभाल करते हुए बच्चे दयालु, निस्वार्थ, केयरिंग और जिम्मेदार बनना सीखते है। घर में रहने वाले पेट्स आपके बच्चे को सही और आसान तरीके से बेहतर इंसान बनने में मदद करते हैं।

बच्चों को लिखना ऐसे सिखायें

लिखना भी एक कला है, लेकिन बच्चों को लिखना सिखाना तो यह और भी बड़ी कला है। बच्चों को लिखना सिखाने के लिए माता-पिता, अध्यापक तथा घर के अन्य बड़े सदस्यों का सहयोग बहुत ही आवश्यक है। बहुत से माता-पिता को यह समस्या होती है कि बच्चों को लिखना कैसे सिखाया जाए? जिस प्रकार बच्चों को पढ़ाने के लिए लगातार अभ्यास कराना पड़ता है, उसी प्रकार लिखने का भी निरन्तर प्रयास कराना आवश्यक है। पढ़ने की तुलना में लिखना ज्यादा कठिन है। ऐसा देखा गया है कि जो जल्दी पढ़ना सीख जाते हैं वे लिखना देर से सीखते हैं। कुछ बच्चों को पढ़ना-लिखना साथ-साथ सिखाया जाता है। बच्चों को लिखना सिखाने के लिए माता-पिता, अध्यापक तथा घर के अन्य बड़े सदस्यों का सहयोग बहुत ही आवश्यक है।

यदि बच्चे ने मेहनत करके लिखा है तो बड़ों को चाहिए कि वह उसे देखें तथा उन्हें पढ़ कर सुनाने के लिए कहें। समान्यतः बच्चे वही लिखते हैं, जो सरल पाते हैं। बच्चे लिखने-पढ़ने में जल्दबाज़ी नहीं करते। कुछ बच्चे लिखना पढ़ना एक साथ सीख जाते हैं। प्रारम्भ में बच्चों को लिखने की शिक्षा माता-पिता तथा घर के अन्य बड़े सदस्यों द्वारा घर पर ही दी जाती है। बाद में जब बच्चा स्कूल जाने लगता है तो यह ज़िम्मेदारी शिक्षकों पर आ जाती है, लेकिन स्कूल जाना प्रारम्भ करने के बाद भी माता-पिता की ज़िम्मेदारी बनी ही रहती है कि बच्चा स्पष्ट व सुंदर लिखे।

शिक्षकों का कहना है कि बच्चों को सर्वप्रथम छपे हुए अलग-अलग वर्णमाला पढ़ना सिखाना चाहिए, जिससे अक्षरों को पढ़ने व पहचानने की क्षमता जागृत हो। आमतौर पर वे बेहद एकाग्र होकर कसकर पैंसिल पकड़ कर लिखते हैं, जिससे उनकी आंखों पर जोर पड़ने की सम्भावना होती है। परिणामस्वरूप शीघ्र ही उसे चश्मा पहनना पड़ता है। माता-पिता को बच्चों की इस आदत पर नियंत्रण प्रारम्भ से ही रखना चाहिए।

आज की पीढ़ी में देखा गया है कि बच्चे काफी कम उम्र में लिखने-पढ़ने के प्रति रुचि दिखाने लगते हैं। विशेषकर दूरदर्शन, रेडियो आदि के प्रभाव से जल्द समझदार हो जाते हैं। उनमें बड़ों को देख कर लिखने की इच्छा जागती है। वे अपना, अपने मित्रों तथा माता-पिता का नाम लिखने का प्रयास करते हैं। माता-पिता या बड़ों को चाहिए कि वे ऐसे मौके का पूरा फायदा उठाएं, बच्चों में सही व सुन्दर लिखने को प्रोत्साहित करें। सीखने की रुचि बच्चों में स्वयं ही होती है। अतः वह बड़ों के कहने को बहुत ही गम्भीरता से लेते हैं, जिससे उनके लिखने की योग्यता विकसित होती है।

बच्चों के टिफिन को ऐसे करें तैयार

बच्चे बहुत मूडी होते हैं। इसलिए इस बात का ख़ास ख़्याल रखें कि बच्चों का खाना इस तरह का हो, जिससे उन्हें अधिक से अधिक पौष्टिक तत्व मिल सकें और यह उनकी पसंद का भी होना चाहिये। अक्सर बच्चे फल और सलाद खाने में आनाकानी करते हैं, पर उन्हें विभिन्न शेप, साइज़ और डिज़ाइन में काटकर और कलरफुल लुक देकर खाने के लिए प्रेरित किया जा सकता है।

इस प्रकार का खाना रखें

कुछ बच्चे खाने में अधिक समय लगाते हैं। इसलिए खाना स्वादिष्ट, साद व आसानी से खानेवाला होना चाहिए।

कई बार खाना टिफिन में इस तरह से पैक किया हुआ होता है कि बच्चे हाथ गंदे कर लेते हैं या पैकिंग खोल नहीं पाते हैं। इसलिए टिफिन में लंच इस तरह से पैक करें कि बच्चे आसानी से खोल व खा सकें.

सैंडविचेज़, रोल्स और परांठा को काटकर दें, ताकि बच्चे आसानी से खा सकें।

यदि लंच ब्रेक के लिए सेब, तरबूज़, केला आदि दे रही हैं, तो उन्हें छीलकर, बीज निकालकर और स्लाइस में काटकर दें।

टिफिन खरीदते समय ध्यान दें

टिफिन ख़रीदते समय इस बात का ध्यान रखें कि टिफिन ऐसा हो, जिसे बच्चे आसानी से खोल व बंद कर सकें।

बच्चों को टिफिन में फ्राइड फूड न दें। यदि कटलेट, कबाब व पेटिस आदि दे रही हैं, तो वे भी डीप फ्राई किए हुए न हों।

लंच में खाने की अलग-अलग वेराइटी बनाकर दें। उदाहरण के लिए- कभी फ्रूट्स दें, तो कभी सैंडविच, कभी वेज रोल, तो कभी स्टफ्ड परांठा।

बच्चों को टिफिन में फ्रूट्स व वेजीटेबल (ककड़ी, गाजर आदि) सलाद भी दे सकती हैं, लेकिन सलाद में केवल एक ही फल, ककड़ी या गाजर काटकर न दें, बल्कि कलरफुल सलाद बनाकर दें। बच्चों को कलरफुल चीज़ें आकर्षित करती हैं।

ककड़ी, गाजर और फल आदि को शेप कटर से काटकर दें। ये शेप्स देखने में अच्छे लगते हैं और विभिन्न शेप्स में कटी हुई चीज़ों को देखकर बच्चे ख़ुश होकर खा भी लेते हैं।

सलाद को कलरफुल और न्यूट्रिशियस बनाने के लिए उसमें इच्छानुसार काला चना, काबुली चना, कॉर्न, बादाम, किशमिश आदि भी डाल सकती हैं।

ओमेगा3 को 'ब्रेन फूड' कहते हैं, जो मस्तिष्क के विकास में बहुत फ़ायदेमंद होता है। इसलिए उन्हें लंच में वॉलनट, स्ट्रॉबेरी, कीवी फ्रूट, सोयाबीन्स, फूलगोभी, पालक, ब्रोकोली, फ्लैक्ससीड से बनी डिश दें।

मल्टीग्रेन ब्रेड रहेगी अच्छी

व्हाइट ब्रेड (मैदेवाली ब्रेड) स्वास्थ्य को नुक़सान पहुंचाती है, इसलिए उन्हें व्हाइट ब्रेड की जगह मल्टीग्रेन ब्रेड से बने सैंडविचेज़ और रोल्स आदि दें। इन सैंडविचेज़ और रोल्स में सब्ज़ियां, सलाद और चीज़ आदि भरकर उन्हें अधिक हेल्दी और टेस्टी बना सकती हैं।

लंच में यदि डेयरी प्रोडक्ट देना चाहती हैं, तो चीज़ स्टिक्स/क्यूब्स और दही दे सकती हैं। यदि दही दे रही हैं, तो वह ताज़ा हो।

खाने के समय बच्चों को अधिक प्रोटीन की आवश्यकता होती है। इसलिए उन्हें लंच में उबला हुआ अंडा, पीनट बटर, दाल परांठा, काबुली चना, सोया, पनीर, बीन्स आदि से बना खाना दें।हेल्दी लंच के साथ-साथ बच्चों को पानी की बॉटल भी दें।

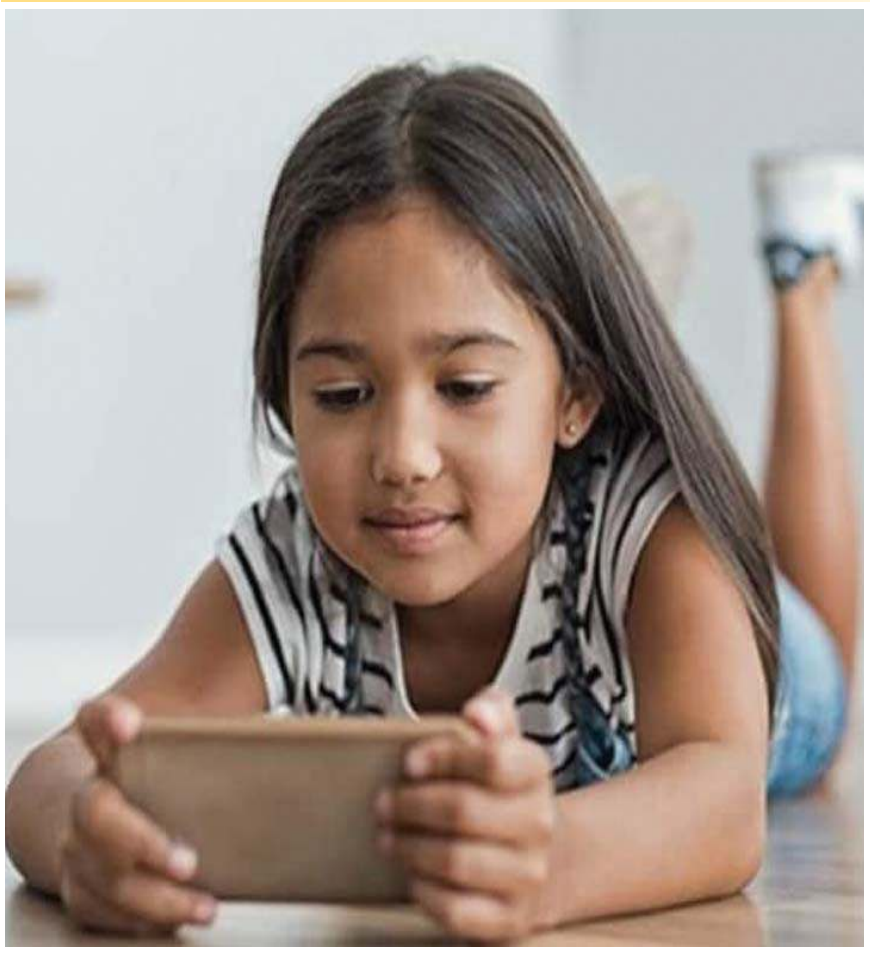

सेल्फी की आदत से बच्चों को दूर रखें

आजकल मोबाइल की पहुंच बच्चों ओर किशोरों तक भी है और वह भी सेल्फी लेने लगे हैं। वहीं इससे लगातार हादसे के मामले सामने आ रहे हैं। ऐसे में बच्चों को इस आदत से दूर रखना अभिभावकों का काम है। वहीं विशेषज्ञों के अनुसार हम एक ऐसे युग में रहते हैं जहां मोबाइल फोन हमारे जीवन में प्रवेश कर चुका है और वास्तविक मानवीय संपर्क लगभग न के बराबर है हालांकि प्रौद्योगिकी ने सभी के लिए जीवन को आसान बना दिया है, लेकिन इसके साथ एक गंभीर समस्या भी है। पिछले दो वर्षो में दुनिया भर में सेल्फी का बुखार बढ़ा है। सेल्फी को दुनिया भर में बड़ी संख्या में मृत्यु दर और महत्वपूर्ण बीमारी से जोड़ा गया है।

इस डिजिटल युग में, अच्छे स्वास्थ्य के लिए तकनीक का इस्तेमाल जरुरत से ज्यादा न हो। हम में से बहुत से लोग ऐसे उपकरणों के गुलाम बन गए हैं जो वास्तव में हमें फ्री टाइम देने और जीवन को बेहतर तरीके से अनुभव करने तथा लोगों के साथ अधिक समय बिताने के लिए बनाये गये थे। जब तक जल्द से जल्द एहतियाती उपाय नहीं किए जाते, यह लत लंबी अवधि में किसी के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक साबित हो सकती है।

मोबाइल फोन के अधिक उपयोग के कारण होने वाली समस्याओं को अभिभावक इस प्रकार रोकें।

बच्चों को सोने से 30 मिनट पहले किसी भी इलेक्ट्रॉनिक गैजेट का उपयोग न करने दें

हर तीन महीने में सात दिन के लिए फेसबुक से दूर रखें।सप्ताह में एक बार, पूरे दिन के लिए सोशल मीडिया का उपयोग न करने दे।अपने मोबाइल फोन का उपयोग केवल तभी करें जब घर से बाहर हों।

अपने मोबाइल टॉक टाइम को दिन में दो घंटे तक सीमित करें। अपने मोबाइल की बैटरी को दिन में एक से अधिक बार रिचार्ज न करें। मोबाइल भी अस्पताल में संक्रमण का एक स्रोत हो सकता है, इसलिए, इसे हर दिन कीटाणुरहित किया जाना चाहिए।

बॉलीवुड हलचल

मौनी रॉय

"टीवी से बॉलीवुड तक का सफर तय करने वाली एक्ट्रेस मौनी रॉय आए दिन अपनी हॉटनेस से फैंस के होश उड़ाती रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज शेयर करती हैं तो वो फैंस के बीच तेजी से वायरल होने लगती हैं।"

रिवीलिंग ड्रेस में मौनी रॉय

ने दिखाई सेक्सी अदाएं, हुस्न से ढा दी ऐसी कयामत देखते रह गए लोग

बॉलीवुड एक्ट्रेस मौनी रॉय हमेशा अपने बोल्ड लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट में बनी रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। एक्ट्रेस ना सिर्फ अपने एक्टिंग स्किल्स बल्कि अपने ग्लैमरस लुक्स के लिए भी जानी जाती हैं। बता दें कि बीती रात एक स्टाइल आइकन अवॉर्ड शो में एक्ट्रेस ने शिरकती की थी। जहां उनका हॉट लुक्स फैंस के बीच छा गया था। टीवी से बॉलीवुड तक का सफर तय करने वाली एक्ट्रेस मौनी रॉय आए दिन अपनी हॉटनेस से फैंस के होश उड़ाती रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज शेयर करती हैं तो वो फैंस के बीच तेजी से वायरल होने लगती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस मौनी रॉय को स्टाइल आइकन अवॉर्ड शो में स्पॉट किया था जिसमें वो बेहद ही शानदार लग रहीं थीं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस ने बेहद ही यूनिक लुक को चुना था। बता दें कि मौनी रॉय ने फेमस डिजाइनर डॉली जे के कलेक्शन से पिंक और सिल्वर कलर का ब्राइडल कॉलम गाउन केरी किया था। अपनी इन लेटेस्ट तस्वीरों में मौनी रॉय बेहद ही स्टनिंग और हॉट लग रही थीं कि उनसे नजरें तक हटा पाना मुश्किल हो गया था। ओपन स्ट्रेट हेयर और न्यूड मेकअप लुक कर के एक्ट्रेस मौनी रॉय ने अपने इस आउटलुक को कंप्लीट किया है। एक्ट्रेस मौनी रॉय खुद को खूबसूरत और ग्लैमरस प्रेजेंट करने का एक भी मौका नहीं छोड़ती हैं। हालांकि एक्ट्रेस ने अफने इस लुक से भी एक बार फिर फैंस के छक्के छुड़ा दिए हैं।

आयुष्मान जुलाई में अमेरिकी दौरे पर जायेंगे, अगस्त में होगा टोरंटो का दौरा

एक दशक से अधिक समय से हिंदी फिल्म उद्योग पर राज कर रहे आयुष्मान जुलाई में अमेरिकी दौरे पर जायेंगे, जहां वह डलास, सैन जोस, सिएटल, वाशिंगटन डीसी, न्यू जर्सी, अटलांटा, ऑरलैंडो, शिकागो में प्रदर्शन करेंगे। इसके बाद उनकी अगस्त में कनाडा के टोरंटो दौरे की भी योजना है। वह उत्तरी अमेरिका

में दर्शकों के लिए हिंदी संगीत का प्रतिनिधित्व करने के लिए उत्साहित हैं।

इस दौरे के बारे में उन्होंने कहा कि संगीत ने मुझे अनगिनत लोगों के साथ जुड़ने में सक्षम बनाया है और मैं लगातार अपने लाइव संगीत कार्यक्रमों की प्रतीक्षा करता हूं, क्योंकि मुझे इस जुड़ाव का प्रत्यक्ष अनुभव मिलता है। मैं अपने लाइव कॉन्सर्ट्स को मिस कर रहा था, क्योंकि एक एंटरटेनर के तौर पर मैं सिर्फ अपनी फिल्मों और म्यूजिक के जरिए खुशियां बांटना चाहता हूं।

प्रतिभाशाली अभिनेता ने शूजीत सरकार की निर्देशित फिल्म विक्की डोनर से अपने करियर की शुरुआत की और तब से पीछे मुड़कर नहीं देखा। अपने करियर में आयुष्मान ने सामाजिक संदेशों के साथ लीक से हटकर फिल्मों को चुनने का प्रयास किया है।

ईस्टर पर प्रियंका चोपड़ा ने बेटी मालती के साथ किया सेलिब्रेशन

बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने ईस्टर अपनी बेटी मालती मैरी चोपड़ा के साथ मनाया। प्रियंका चोपड़ा अपनी लाइफ से जुड़े अपडेट सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। प्रियंका अपनी बेटी मालती मैरी चोपड़ा की प्यारी तस्वीरें भी शेयर करती रहती है। प्रियंका ने अपने इंस्टा पर मालती मैरी के साथ अपनी कई तस्वीरें शेयर की हैं। पहली तस्वीर में मालती अपनी मां प्रियंका के साथ नजर आ रही हैं। इस

तस्वीर में मालती ने व्हाइट टीशर्ट पहनी है जिस पर मालती मैरी फर्स्ट ईस्टर लिखा हुआ है। वहीं दूसरी तस्वीर में प्रियंका ने बेटी के साथ नाइट सूट में ट्विनिंग की है और वे मालती को गोद में लिए हुए बाथरूम में मिरर सेल्फी लेती नजर आ रही हैं। वहीं तीसरी तस्वीर में मालती अकेले बैठी हुई हैं और कुछ हाथ में लिए हुए नजर आ रही हैं जबकि आखिरी तस्वीर में मालती अपने लॉन में सोफे पर बैठकर डॉग्स के साथ खेल रही है। प्रियंका चोपड़ा ने इन तस्वीरों को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, 'ईस्टर संडे। इन तस्वीरों को फैंस बेहद पसंद कर रहे हैं।

जल्द ही खूंखार अंदाज में ओटीटी डेब्यू करेंगी डिंपल कपाडिया, सास, बहू और फ्लेमिंगो में आएंगी नजर

दिग्गज अदाकारा डिंपल कपाडिया के पूरे देश भर में दीवाने हैं. एक्ट्रेस ने बॉलीवुड को बॉबी, इंसाफ, काश, राम लखन और क्रांतीवीर जैसी कई सारी बेहतरीन फिल्में दी हैं। एक्ट्रेस अपनी परफॉरमेंस से अक्सर दर्शकों का दिल जीत लेती है। साथ ही आज हम एक्ट्रेस के फैंस के लिए एक और खुशखबरी लेकर आए हैं। बता दें कि, डिंपल कपाडिया जल्द ही एक नए प्रोजेक्ट में नजर आने वाली हैं। यह एक ओटीटी वेब सीरीज है, जिसका नाम है सास, बहू और फ्लेमिंगो। आपको बता दें कि, फिल्म पठान में अपनी सफलता एंजॉय करने के बाद डिंपल कपाडिया ओटीटी प्लेटफॉर्म हॉटस्टार की वेब सीरीज सास, बहू और फ्लेमिंगो में दिखाई देने वाली हैं। इस वेब सीरीज में डिंपल के साथ

राधिका मदान, अंगिरा धर और ईशा तलवार भी नजर आने वाली हैं। मेकर्स के अनुसार, सास, बहू और फ्लेमिंगो, एक ऐसी सास की कहानी है जो कट्टर है, और बहुएं जो दृढ़ और दुर्जेय हैं ङ्क ये महिलाएं बदमाश, शक्तिशाली और यहां तक कि निर्दयी के अलावा कुछ नहीं हैं मर्जी से। सीरीज से डिंपल कपाडिया का पहला लुक उन्हें बंदूक पकड़े और किसी को गोली मारते हुए दिखाता है। इस सीरीज में आशीष वर्मा, वरुण मित्रा, उदित अरोड़ा, दीपक डोबरियाल और मोनिका डोगरा भी प्रमुख भूमिकाओं में होंगे।सास, बहू और फ्लेमिंगो के बारे में बात करते हुए, डिंपल कपाडिया ने एक बयान में कहा था, सास, बहू और फ्लेमिंगो एक ऐसी कहानी है जो जुनून और अराजकता से भरी दुनिया में आम लोगों को असाधारण बनाती है। यह बुरी-गधा महिलाओं का एक समूह है जो एक कहानी कह रहा है जो अक्सर केवल पुरुष पात्रों द्वारा निभाई जाती है और मेरा विश्वास करो, इसमें कुछ सबसे रंगीन पात्र हैं जिन्हें आपने कभी देखा होगा।

राघव जुयाल ने किसी का भाई किसी की जान की शूटिंग के दौरान किए 2 प्रोजेक्ट्स

एक्टर-डांसर राघव जुयाल, जो जल्द ही किसी का भाई किसी की जान में नजर आएंगे, ने शेयर किया कि जब वह सलमान खान अभिनीत फिल्म की शूटिंग कर रहे थे, तब उन्होंने दो प्रोजेक्ट्स के लिए भी समय निकाला था। किसी का भाई किसी की जान, जिसका ट्रेलर सोमवार शाम को जारी किया जाएगा, 2023 में ईद पर रिलीज के लिए तैयार है।

एसकेएफ प्रोडक्शन पर काम करने के अलावा, राघव ऑस्कर विजेता गुनीत मोंगा की सिख एंटरटेनमेंट के साथ एक अघोषित फिल्म के लिए अपने शेड्यूल को मैनेज भी कर रहे थे।

अपने बिजी शेड्यूल के बारे में बताते हुए राघव ने कहाः मैं सलमान सर की फिल्म किसी का भाई किसी की जान का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं, जिसने मेरे 2023 की शानदार शुरूआत की। इसके अलावा, मैं उसी समय एक और अघोषित प्रोजेक्ट की शूटिंग भी कर रहा था, जिसका मतलब था कि शेड्यूल, किरदारों और सेट में बहुत फेरबदल करना था।

राघव ने बताया कि उन्हें काम में लगातार डूबे रहना पसंद है क्योंकि इससे उन्हें खुशी मिलती है।

उन्होंने कहाः मैंने इसके हर हिस्से को एन्जॉय किया है, क्योंकि काम मुझे खुश रखता है।

मैं भाग्यशाली महसूस करता हूं कि मुझे अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए अच्छा काम और अवसर मिल रहे हैं।

एमटीवी रोडीज सीजन 19 में गैंग लीडर के तौर पर शामिल हुई रिया चक्रवर्ती

बॉलीवुड एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती रियलिटी शो एमटीवी रोडीज के 19वें सीजन में प्रिंस नरूला और गौतम गुलाटी के साथ गैंग लीडर के रूप में शामिल हुई हैं।

लेटेस्ट सीजन का हिस्सा होने के बारे में बात करते हुए, रिया ने कहाः मैं एमटीवी रोडीज कर्म या कांड का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं। मैं सोनू सूद और मेरे गैंग लीडर्स के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं, क्योंकि मुझे इस रोमांचक जर्नी के दौरान अपने दृढ़ और निडर पक्ष का प्रदर्शन करने का मौका मिला है। मुझे इस अविश्वसनीय नए साहसिक कार्य के लिए फैंस से प्यार और समर्थन मिलने की उम्मीद है!

नए सीजन की थीम कर्म या कांड है और इसको होस्ट अभिनेता सोनू सूद कर रहे हैं।

ओरिजिनल्स एमटीवी के एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट और हेड कंटेंट देबोराह पॉलीकार्प ने कहा, शो युवा मनोरंजन में एक कल्चरल आधार बन गया है।

अथिया शेट्टी ने शेयर की अपनी शादी की अनदेखी तस्वीर

बॉलीवुड... इस साल जनवरी में अपने प्रेमी केएल राहुल से शादी के बंधन में बंधने के बाद से ही अथिया शेट्टी लाइमलाइट में थी। अभिनेत्री ने अपने पिता सुनील शेट्टी, उनके दोस्तों और परिवार की मौजूदगी के बीच खंडाला में शादी की थी।

शादी की तस्वीरों ने सभी का ध्यान खींचा था और वह किसी

परी जैसी लग रही थी। खैर, आज अभिनेत्री ने अपनई शादी की एक और अनदेखी तस्वीर साझा की है और इसमें उनके भाई अहान शेट्टी भी हैं।

अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अथिया शेट्टी ने एक खूबसूरत तस्वीर साझा की। तस्वीर एक ब्लैक एंड व्हाइट स्नैप है। तस्वीर में अथिया एक दुल्हन के रूप में दिख रही हैं। उनके भाई अहान शेट्टी को उनका हाथ पकड़कर यह सुनिश्चित करते हुए देखा जा सकता है कि उनकी बहन को उनका पूरा समर्थन है। इस तस्वीर को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन दिया है, हमेशा मुझे रास्ता दिखाने वाला।

अभिनेता धनुष और मारी सेल्वराज एक बार फिर करेंगे साथ काम

अभिनेता धनुष और फिल्मकार मारी सेल्वराज 2021 की हिट तमिल फिल्म 'कर्णन' की सफलता के बाद एक बार फिर साथ काम करने को तैयार हैं। एक प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, दोनों की आगामी फिल्म 'जी स्टूडियो साउथ' और 'वंडरबार फिल्म्स' के बैनर तले बनेगी। फिल्म निर्माताओं के अनुसार, यह फिल्म धनुष के करियर की ''सबसे अधिक बजट'' वाली फिल्मों में से एक होगी।

अभिनेता धनुष ने ट्विटर पर यह जानकारी साझा करते हुए रविवार रात लिखा, 'एक बड़ा 'प्रोजेक्ट' जो कई कारणों से खास है। ओम नमः शिवाय।' वहीं मारी सेल्वराज ने कहा, ''मैं एक बार फिर धनुष सर के साथ काम करने को उत्साहित हूं।

'जी स्टूडियोज' की दक्षिण भारतीय फिल्मों का काम संभालने वाले अक्षय केजरीवाल ने कहा कि कंपनी 'वंडरबार फिल्म्स' के साथ अपनी आने वाली फिल्म की घोषणा करते हुए खुश व गौरवान्वित है। केजरीवाल ने एक बयान में कहा, ''धनुष ने लगातार अपनी बहुमुखी प्रतिभा से दुनियाभर में दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया है।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक एवं RNI No. DLHIN/2010/37009 संपादक मो हनीफ द्वारा अरावली प्रिंटर्स-डब्लूए 30, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली से मुद्रित करवाकर, जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 8888883968, 9811111715 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा।